वर्ष-31, अंक- 204, पृष्ठ-12 | वैशाख शुक्ल पक्ष 15, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
सोमवार
12 मई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

# राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

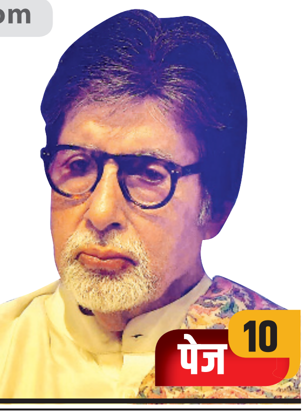

पेज 10

## एक नजर

### तालाब में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

**पूर्वी सिंहभूम, 11 मई (हि.स.)।** परसुडीह थाना क्षेत्र के बावनगोड़ा में रविवार को एक हादसे में 45 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान वीरेन महतो के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरेन महतो तालाब में नहाने गया था। नहाने के दौरान ही वह गहराई में चला गया और डूबने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। काफी देर तक पानी में उसका कोई अता-पता नहीं चला। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थानीय युवकों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया । देर शाम में वीरेन का शव तालाब से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

### धनबाद में मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलटी, 45 लोग घायल

**धनबाद, 11 मई (हि.स.)।** अवैध खदान में कोयले की कटाई करने जा रहे मजदूरों से भरी पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 40 से 45 मजदूर घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तोपचांची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों में से 12 मजदूरों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र एनएच 19 लेदाटाड़ में मजदूरों से भरी पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में पिकअप वैन में सवार महिला-पुरुष सभी मजदूर घायल हो गए हैं।

‘मदर्स डे’ पर मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री और कई मंत्रियों ने लिखे पोस्ट

## वीर योद्धाओं की वीर माताओं को शत-शत नमन : हेमंत सोरेन

- - सोशल मीडिया पर साझा कीं मां के साथ तस्वीरें

**नवीन मेल डेस्क**

**रांची।** मां जीवन का आधार है, मां ही देवता है। इसलिए संस्कृत के एक श्लोक में कहा गया है मातृ देवो भवः। संस्कृत में एक और श्लोक है - जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी, यानी स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं मां और मातृभूमि। इसलिए मां से मिले प्यार और उनकी त्याग को याद करते हुए पूरी दुनिया में रविवार को ‘मदर्स डे’ मनाया गया। इस अवसर पर इंटरनेट मीडिया पर माता के स्नेह, वात्सल्य, और समर्पण की कोमल भावनाओं वाले पोस्ट छाए रहे। झारखंड में भी मई महीने का दूसरा रविवार मां को समर्पित रहा। राज्य के कई राजनेताओं ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी मां रूपी सोरेन से आशीर्वाद लेते हुए तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा है, मां सिर्फ जन्म नहीं देती है, वह हर दिन हमें जीना सिखाती है। मदर्स डे के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। देश की अखंडता की रक्षा के लिए सीमा पर तैनात हमारे वीर योद्धाओं की वीर माताओं को भी मैं शत-शत नमन करता हूं।

ओडिशा के पूर्व राज्यपाल और झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास ने भी अपनी मां की तस्वीर के साथ लिखा है, ‘मां, इस एक शब्द में पूरी सृष्टि समाई हुई है। मां खुश है, तो ईश्वर खुश रहता है। आप सभी को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने मां के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, न मातुः परदैवतं। मातृ दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अपनी दिवंगत मां को याद करते हुए लिखा, इस जहां का सबसे छोटा और खूबसूरत शब्द है, मां। हंसती हुई मां से ज्यादा इस खूबसूरत संसार में कुछ भी नहीं है। मां की कमी बहुत दर्द देती है। अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस पर समस्त माताओं को सादर नमन। मां सिर्फ एक शब्द नहीं, संवेदना, सुरक्षा और समर्पण की जीवंत भावना है। उसके आंचल में सुकून है, उसके आशीर्वाद में संसार की सबसे बड़ी ताकत है।

राज्य की ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ‘मदर्स डे’ पर अपने संदेश में कहा, मां सिर्फ एक रिश्ता नहीं, वह एक पूरी दुनिया हैं, जिसकी ममता में भगवान भी मुस्कराते हैं। मातृ दिवस के इस पावन अवसर पर आइए, उन सभी माताओं को नमन करें, जिनकी निःस्वार्थ सेवा, त्याग और प्रेम ने हमें इंसान बनाया। मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

## इंस्टाग्राम पर भड़काऊ पोस्ट करने के आरोपी रांची का नाबालिग निरुद्ध

- पुलिस ने संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की

**रांची।** राजधानी में पुलिस ने रविवार को एक नाबालिग को सोशल मीडिया पर आतंकी संगठन का झंडा और भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में निरुद्ध किया। यह कार्रवाई रांची के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह की शिकायत के आधार पर की गई। निरुद्ध नाबालिग से पूछताछ की गई और उसके बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया। विधायक ने आपत्तिजनक पोस्ट की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर रांची पुलिस को टैग किया था और कार्रवाई की मांग की थी। <उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा था, ... रांची निवासी ने अपने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की हैं, वे बेहद भड़काने वाली एवं राष्ट्रीय सुरक्षा व भारत की संप्रभुता से जुड़ी हैं। इंस्टाग्राम पर ‘गजवा-ए-हिंद’ का नारा, भारतीय सेना का अपमान और सबसे गंभीर, उसने वह झंडा साझा किया है, जो आईएसआईएस, तालिबान, अल-कायदा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों की पहचान हैं। विधायक सीपी सिंह ने अपनी शिकायत में कहा कि यह न केवल खुला राष्ट्रद्रोह है, बल्कि एक आतंकवादी मानसिकता का स्पष्ट संकेत भी है। मामला केवल आरोपी का नहीं, बल्कि उस जहरीली विचारधारा को दर्शाता है, जो कुछ मौलानाओं और मदरसों के माध्यम से युवाओं के मन में भरा जा रहा है। उन्होंने रांची पुलिस से कहा कि पूरी गहराई से जांच हो कि कहीं वह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा हुआ है। ऐसी सोच, ऐसे इरादे और ऐसे लोगों को अगर आज सबक नहीं सिखाया गया, तो कल वे बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। देश को बचाना है, तो कठोर कदम अभी उठाने होंगे। इधर, रांची पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी कि शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए, व्यक्ति को चिह्नित कर प्राथमिकी दर्ज करते हुए निरुद्ध किया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, विधायक सीपी सिंह ने इस त्वरित कार्रवाई पर रांची पुलिस को धन्यवाद देते हुए उम्मीद जताई कि पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दी सख्त चेतावनी, कहा-

# यदि संघर्ष विराम तोड़ा तो देंगे तगड़ा जवाब

- भारत के डीजीएमओ ने दी फुटेज सहित ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की विस्तृत जानकारी
- ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर, एलओसी पर 40 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए गए
- पाकिस्तान के 3 एयर डिफेंस सिस्टम बर्बाद, दो एयरबेस के रनवे तबाह किए गए

**नवीन मेल न्यूज नेटवर्क**

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान व भारत के बीच सीजफायर के बाद रविवार को तीनों सेनाओं के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद व एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बारे में विस्तृत फुटेज सहित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघर्ष विराम का फैसला पाकिस्तान की पहल पर लिया गया है, लेकिन सशस्त्र बलों का ऑपरेशन ‘सिंदूर’ अभी जारी रहेगा। आगे की रणनीति तय करने के लिए सोमवार (12 मई) को 12:00 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच वार्ता होगी।

उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम का उल्लंघन रोकने के लिए भारत ने रविवार की सुबह डीजीएमओ को एक और हॉटलाइन संदेश भेजा है। यदि आज रात या बाद में संघर्ष विराम का उल्लंघन दोहराया जाता है, तो हम इनका कड़ाई से जवाब देंगे। हमने तनाव बढ़ाने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं की, लेकिन यदि हमारी संप्रभुता व अखंडता पर हमला किया गया, तो इसका निर्णायक जवाब देंगे। शेष पेज 11 पर

### सैटेलाइट इमेज में दिख रहे पाकिस्तान के तबाह एयरबेस

**नई दिल्ली (आईएएनएस)।** पाकिस्तान लगातार इस बात से इनकार कर रहा है कि भारत ने उसके सैन्य प्रतिष्ठानों और एयरबेसों पर सटीक हमले किए हैं, लेकिन उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें उसके खोखले दावों की पोल खोल रही हैं। चीनी कंपनी मिजाजविजन द्वारा प्राप्त सैटेलाइट इमेज में पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर हुए नुकसान को दिखाया गया है, जो इसकी सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक हवाई पट्टियों में से एक है। सैटेलाइट इमेज में साइट पर ध्वस्त बुनियादी ढांचे और ग्राउंडेड सपोर्ट व्हीकल दिख रहे हैं। रावलपिंडी में स्थित नूर खान एयरबेस, पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बहुत करीब है। भारतीय हमलों से पाकिस्तान को झटका लगा है। इसने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली की खामियों और उसकी रक्षा करने में पड़ोसी देश की अक्षमता को भी उजागर किया। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत कई पाकिस्तानी एयरबेसों पर भारत के लक्षित हमलों ने भारी क्षति पहुंचाई, जिससे वहां से हमले शुरू करने में पाकिस्तान समर्थ नहीं रहा। उसके रक्षा प्रतिष्ठानों को एक रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक झटका भी लगा है। जैकबाबाद एयरबेस को भी नुकसान पहुंचा है। एक भारतीय फर्म (कावास्पेस) द्वारा जारी सैटेलाइट इमेज में जैकबाबाद एयरबेस पर हुए नुकसान को दर्शाया गया है। तस्वीरों के अनुसार, एयरबेस के मुख्य एप्रन पर हैंगर शेष पेज 11 पर

### ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अब भी जारी है : वायुसेना

**नई दिल्ली (आईएएनएस)।** भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर बयान सामने आया है। भारतीय वायु सेना ने बताया कि ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अभी जारी है। भारतीय वायु सेना ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ऑपरेशन को राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुसार सोच-समझकर और गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया है। चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी। उन्होंने अटकलों और असत्यापित जानकारी से बचने की अपील करते हुए आगे लिखा, भारतीय वायु सेना सभी से अनुरोध करती है कि वे अटकलों और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें।

### सेना प्रमुख ने की सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

**नई दिल्ली (हि.स.)।** पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे संघर्ष विराम की घोषणा के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को शेष पेज 11 पर

**व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें**

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

**आज / कल**

## अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब दिया कश्मीर मुद्दे पर समाधान का ऑफर

**नई दिल्ली (हि.स.)।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर अब भारत और पाकिस्तान को सहयोग का प्रस्ताव दिया है। सोशल मीडिया ‘ट्रुथ’ पर रविवार को एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, ताकि ‘हजार साल बाद भी सही’, कश्मीर पर कोई समाधान निकाला जा सके। ज्ञात हो कि कश्मीर मध्य पर भारत और पाकिस्तान के बीच का मुद्दा भारत की दृष्टि से हमेशा द्विपक्षीय रहा है। दूसरी ओर, यह मुद्दा 1947 में पाकिस्तान की अस्तित्व में आने के बाद का है, जिसे ट्रंप हजारों साल पुराना बता रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति की जानकारी इसी सोशल मीडिया के माध्यम से दी थी। वहीं, आज फिर उनका एक बयान आया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व पर गर्व है, जिन्होंने समझदारी और साहस दिखाया। यह सही समय था आक्रोश को रोकने का, जिससे भारी विनाश और लोगों की मौत हो सकती थी। अमेरिका को इस ऐतिहासिक फैसले में मदद करने पर गर्व है। उन्होंने बिना किसी चर्चा के यह घोषणा की कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार ‘काफी हद तक’ बढ़ाएंगे। कश्मीर मुद्दे को लेकर उन्होंने पहली बार खुलकर यह संकेत दिया कि अमेरिका इसमें एक सक्रिय भूमिका निभा सकता है।

## दीपिका ने महिला रिकर्व श्रेणी में जीता कांस्य पदक

- - पुरुष रिकर्व वर्ग में पार्थ सालुंखे को भी मिला कांस्य पदक
- - भारत ने तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में 7 पदक जीते

**नई दिल्ली/शंघाई (आईएएनएस)।** अनुभवी तीरंदाज रांची की दीपिका कुमारी और पार्थ सालुंखे ने कांस्य पदक जीते और इसी के साथ भारत ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में सात पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। कांस्य पदक के लिए हुए तनावपूर्ण मुकाबले में दीपिका ने टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता कोरिया की कांग चाएयंग को 7-3 के स्कोर से हराया। उनकी जीत ने महिला रिकर्व श्रेणी में भारत का इस साल का पहला पदक और व्यक्तिगत विश्व कप में उनका 12वां पदक चिह्नित किया। उन्होंने दो बेहतरीन अंतिम सेट खेले, जिसमें उन्होंने परफेक्ट 30 और लगभग परफेक्ट 29 का स्कोर बनाया, जिससे जीत सुनिश्चित हुई। दीपिका महिला रिकर्व सेमीफाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र गैर-कोरियाई थीं, जिन्होंने सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक चैंपियन लिम सिह्योन से 1-7 से हारने के बाद कांस्य पदक जीतकर कोरियाई टीम को जीत से रोका। वहीं, मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन महाराष्ट्र के पार्थ सालुंखे ने पुरुष रिकर्व वर्ग में अपना पहला विश्व कप पदक जीता। उन्होंने पेरिस ओलंपिक पदक विजेता फ्रांस के बैप्टिस्ट एडिस को कांटे की टक्कर वाले कांस्य पदक मैच में 6-4 से हराया। पार्थ ने इससे पहले दक्षिण कोरिया के किम वू जिन के खिलाफ सेमीफाइनल में कड़ी टक्कर दी थी, उन्होंने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच को बराबर कर दिया था, लेकिन शेष पेज 11 पर

**इंडिया**

## युद्धविराम की रणनीति पर सवाल उठाते देशभक्त और विरोधी

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत एक भावुक देश है और यह इसकी ताकत भी है और कमजोरी भी। ताकत इसलिए कि देश पर जब संकट आता है तो सभी आपसी मतभेद भूलकर एक हो जाते हैं और कमजोरी इसलिए कि भावनात्मक मुद्दों पर लोगों को भड़काना भी आसान है । अभी सोशल मीडिया पर अनेक लोग जाने अनजाने पीएम मोदी के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं और उनकी राय में भारत को पाकिस्तान पर भयंकर सैन्य कार्रवाई करनी चाहिए न कि युद्ध विराम। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की कार्रवाई से बिलबिलाते पाकिस्तान ने परमाणु बम की डींगे हांकना छोड़ अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत हुई जिसमें पाकिस्तान ने बिना किसी शर्त के सहमति जताई। युद्ध विराम ऐसे समय में हुआ है जब सशस्त्र बलों ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर सहित कुल 9 आतंकी अड्डों पर सटीक हमला किया था। पाकिस्तान ने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर मिसाइलों और ड्रोनों को लॉन्च किया जो कथित युद्ध विराम के बाद जारी है। भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणालियों ने इन हमलों को सफलतापूर्वक रोक दिया था। भारत ने युद्ध विराम पर वार्ता के बीच स्पष्ट किया है कि संघर्ष विराम समझौते के बावजूद सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अटारी में एकीकृत चेक-पोस्ट बंद रहेगी । पाकिस्तान से सभी आयातों पर प्रतिबंध जारी रहेगा, चाहे वह सीधे आयात हो या किसी अन्य देश के माध्यम से। इसके अलावा, पाकिस्तान के जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में आने की अनुमति नहीं होगी और भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों तक जाने की अनुमति नहीं होगी। यह एक बहुत ही सख्त कदम है जो दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को प्रभावित करेगा।भारत ने पाकिस्तान से आने वाली या पाकिस्तान से होकर जाने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद

रखा गया है जिससे विदेशी विमान कंपनियों को अपने मार्ग बदलने पड़े और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में देश में प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तानी अभिनेताओं और कलाकारों पर प्रतिबंध जारी रखने का निर्णय लिया है।

यह कदम देश की सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग सेवाएं और बिचौलियों को पाकिस्तानी मूल की वेब सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य डिजिटल सामग्री को बंद करने का निर्देश दिया गया है। यह कदम डिजिटल माध्यम से पाकिस्तानी सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए है। पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी प्रकार के वीजा पर रोक का निर्णय जारी रहेगा । पाकिस्तान के विभिन्न ठिकानों पर कार्रवाई को सेना की बड़ी विजय बताने वाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने युद्ध विराम कि बात आते ही अपने पत्र में लिखा, ‘मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले, ‘ऑपरेशन सिंदूर’ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के संघर्ष-विराम के लिए तैयार होने की घोषणा पर चर्चा करना अहम है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा और पहलगाम हमले, ‘ऑपरेशन सिंदूर’ और संघर्ष-विराम की घोषणा पहले वाशिंगटन और बाद में भारत व पाकिस्तान की सरकारों द्वारा किए जाने के मुद्दे पर चर्चा की जा सके।’ उरी और बालाकोट की सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के समय सबूत मांगने की तरह इस बार विरोधी पार्टियां और कुछ कथित बुद्धिजीवी देश के बदले हुए मूड को देखकर सीधे तो नहीं पर युद्धविराम की मांग के बाद अब राजनीति के नए विवाद खोजने में लगे हैं जैसे राफेल की कीमत जिसपर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय बहुत पहले ही आ चुका था । सवाल उठता है कि क्या युद्ध विराम को कायरता समझा जाए और विपक्ष,पाकिस्तान की या विश्व समुदाय की मांग को अनसुना किया जाए ताकि भारत को लोग बहादुर समझें ? वर्षों से चल रहे रूस-यूक्रेन या अन्य देशों ने पहले के युद्ध से हासिल क्या किया क्या हम इतनी बर्बादी झेलने को तैयार हैं ? सोशल मीडिया के बयानवीरों ने इसे शादी विवाह की आतिशबाजी समझ रखा है या जैसा कुछ टीवी चैनलों या सोशल मीडिया में वीडियो गेम्स जिसे घर पर देखकर चर्चा करते हुए शायद हम अंदाजा नहीं कर सकते कि इससे कितनी जानमाल की बर्बादी होगी ? वैसे इसे भारत सरकार की कूटनीतिक विजय भी मान सकते हैं । शिमला समझौते के तुरंत बाद से लेकर 1971 से ही युद्ध विराम का आजतक लगातार उल्लंघन के रिकॉर्ड को देखकर कहा जा सकता है सेना शासित बिगडैल पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगा और आतंकी हमला करेगा ही तब विश्व समुदाय भी भारत को पाकिस्तान के टुकडे करने से रोक नहीं पाएगा क्योंकि मामला आत्मरक्षा का होगा।

## मुझे मोदी जी पर भरोसा है कि यह लड़ाई आखिरी होगी : निशिकांत

- युद्धविराम पर बोले भाजपा सांसद

**नवीन मेल न्यूज नेटवर्क**

**रांची/नई दिल्ली ।** भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा पर झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि युद्धविराम दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने का एक जरिया मात्र है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, यदि अखबार पर भरोसा किया जाए, तो भारत में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद युद्ध माना जाएगा। मुझे पाकिस्तान के बारे में पता है कि आतंकवाद चलता रहेगा। मुझे मोदी जी पर भरोसा है कि यह लड़ाई आखिरी होगी। पूरा कश्मीर मुजफ्फराबाद तक हमारा होगा। सीजफायर दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने का एक जरिया मात्र है, तब बात नहीं रण होगा, संघर्ष महाभीषण होगा।

इससे पहले उन्होंने युद्धविराम उल्लंघन करने पर पाकिस्तान की आलोचना की थी।

उन्होंने अपने ‘एक्स’ हैंडल पर लिखा था, कुत्ते की दुम और पाकिस्तान में कोई अंतर नहीं है। ज्ञात हो कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार की शाम को युद्धविराम हुआ था।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया है, लेकिन महज तीन घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने युद्धविराम का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की। कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया।

## आकांक्षा कुमारी ने सीएसआईआर-यूजीसी नेट में पाई बड़ी सफलता

**लाइफ साइंस विषय में 97.69 प्रतिशत अंकों के साथ मिली जेआरएफ, गांव में खुशी की लहर**

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद।** पलामू जिले के मोहम्मदगंज प्रखंड अंतर्गत भजनिया गांव की आकांक्षा कुमारी ने सीएसआईआर-यूजीसी नेट की परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने लाइफ साइंस विषय में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) एवं सहायक प्राध्यापक की पात्रता प्राप्त की है। उनका ऑल इंडिया रैंक ओबीसी श्रेणी में 183 है। आकांक्षा, शिक्षक प्रेम चौधरी एवं गृहिणी लीलावती देवी की पुत्री हैं। उन्होंने रांची महिला कॉलेज से जूलॉजी विषय में एमएससी की उपाधि प्रथम डिस्टिंक्शन के साथ प्राप्त की थी। इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं परिवार के सहयोग को दिया है। आकांक्षा की उपलब्धि पर गांव में हर्ष का माहौल है। उनके भाई अभय चौधरी, जो वर्तमान में बोकारो में परिवहन विभाग में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं, ने भी अपनी बहन की सफलता पर प्रसन्नता जताई है। बधाई देने वालों में भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, सीबी रमन सिंह, राकेश चौरसिया, राजद अनुमंडल अध्यक्ष खुर्शीद खान, कलामुद्दीन खान, पूर्व मुखिया पंचम खान, नदीम खान समेत कई गणमान्य लोग शामिल हैं।

# अतिक्रमण हटाओ अभियान पर दो दिन का विराम सदाबह नदी को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग तेज

**प्रशासन ने अब तक दो मकान और अवैध निर्माण ढहाए, बाकी अतिक्रमण हटाने को चेतावनी जारी**

**नवीन मेल संवाददाता**

**हैदरनगर।** प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के हैदरनगर पूर्वी पंचायत अंतर्गत बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान शनिवार को प्रारंभ किया गया। सात वर्षों से लंबित इस मांग को लेकर स्थानीय सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार प्रशासनिक स्तर पर पत्राचार किया जा रहा था। प्रथम चरण की कार्रवाई में दो मकान और कुछ निजी ओटे व चबूतरों को बुलडोजर से हटाया गया। अभियान की निगरानी अंचलाधिकारी संतोष कुमार और अंचल निरीक्षक सुनील कुमार कर रहे हैं। कार्रवाई से पहले 19 चिन्हित घर मालिकों को चौथी बार नोटिस भेजी गई थी, किन्तु कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर प्रशासन ने बलपूर्वक अतिक्रमण हटाना शुरू किया। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय, समाजसेवी नवाजिश खान, अनूप कुमार सिंह, जयप्रकाश कुशवाहा व पूर्व मुखिया सफिउल्लाह खान ने प्रशासनिक पहल का स्वागत किया और मांग की कि सभी गली-मुहल्लों तथा सदाबह नदी की अतिक्रमित भूमि को भी खाली कराया जाए। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने आरोप लगाया कि सदाबह नदी के कई हिस्सों पर निजी उपयोग हेतु अतिक्रमण कर लिया गया है, जबकि यह इलाका जल निकासी और पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील है। वहीं मुख्य पथों पर मवेशी बांधने जैसे अराजक कार्यों पर भी प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई है। प्रशासन ने दो दिन के लिए बुलडोजर कार्रवाई स्थगित कर दी है, लेकिन चेताया है कि यदि अतिक्रमण स्वयं नहीं हटाया गया, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उपकरण के उपयोग का खर्च भी संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा।

## आंबेडकर चौक के समीप जाम से परेशानी

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद।** हुसैनाबाद में सड़क जाम आम बात हो गई है। हुसैनाबाद के जपला-छतरपुर जपला-दंगवार व जपला-हैदरनगर के अलावा आंबेडकर चौक से थाना रोड मे भी जाम लगने से लोगों की परेशानी बढ़ गई हैं। स्थानीय प्रशासन के निर्देश के बावजूद अनियंत्रित वाहन बाईक, ठेला लगने से जाम की स्थिति आये दिन होने लगी हैं। यहां णक की सिद्धनाथ पेट्रोल पंप के पास मुख्य सड़क तो मानो स्टैंड बन गया हैं। फ्लाईओवर से आने के बाद सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती हैं। उसके बाद भी प्रशासन मौन हैं। मुख्य मार्ग आये दिनों घंटों जाम हो जा रहा है, जिससे आम जनता एवं राहगीरों व स्कूली बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैनाबाद पुलिस के आने के बाद ही जाम समाप्त होता है। उल्लेखनीय है कि हुसैनाबाद में हो रहे पथर खनन एवं जपला-छतरपुर मुख्य सड़क निर्माण में करीबन सौ से अधिक विभिन्न प्रकार के हाइवा का परिचालन प्रतिदिन होने से हुसैनाबाद के सड़कों पर यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वही नगर पंचायत हुसैनाबाद की ओर से कई अस्थाई टैक्सी स्टैंड बनाये जाने से सभी छोटी बड़ी वाहन सड़कों पर ही खड़ी रहती है, जो सड़क जाम का मुख्य कारण है। इधर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार ने बताया कि हुसैनाबाद शहरी इलाका से कुछ दूरी पर सभी रूटों के लिए स्थायी बस व टैक्सी स्टैंड का निर्माण अस्थाई कराया गया है। परंतु वहां एक भी वाहन नहीं लगते हैं। अगर कार्यपालक पदाधिकारी को चाहिए कि इसका निदान करें। जिससे शहर में सड़क जाम की समस्या से मुक्ति मिल सके।

## काशीसोत डैम को पर्यटक व जैव विविधता विरासत स्थल घोषित करने की मांग तेज

**नवीन मेल संवाददाता**

**मोहम्मदगंज।** जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक में जहां भीमचूल्हा और पर्वतीय निरीक्षण भवन को लेकर डीपीआर तैयार करने का निर्णय लिया गया, वहीं अब काशीसोत डैम को भी पर्यटन स्थल और जैव विविधता विरासत क्षेत्र घोषित करने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। ग्रामीणों की बैठक में मुखिया शोभा देवी की अध्यक्षता में समिति का गठन कर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि गोड़ाडीह पंचायत क्षेत्र में स्थित काशीसोत डैम 171 एकड़ वन भूमि से घिरा हुआ है। यहां खेल मैदान, सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजन के स्थल के साथ-साथ पारंपरिक औषधीय और छायादार वृक्षों की प्रचुरता इसे जैव विविधता की दृष्टि से भी विशिष्ट बनाती है। समिति के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि प्रस्ताव झारखंड जैव विविधता पर्षद को भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में निराशा है।

**अन्य धरोहरों को भी जोड़ने की मांग**

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने काशीसोत डैम के अलावा लकड़ही पहाड़, गोलापत्थर की अजूबा चट्टान, पहड़वा बाबा, लिखलाही गुफा, नगरुआ पहाड़ और सीताचुंआं जैसी कई धरोहरों को भी भीमचूल्हा कोरिडोर में शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन सभी स्थलों का सौंदर्यीकरण व संरक्षण कर पर्यटक दृष्टिकोण से विकसित किया जाए, जिससे क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार और बाजार के नए अवसर खुलेंगे। जिला पार्षद अंजू देवी, प्रखंड प्रमुख अर्चना देवी, उपप्रमुख नगीना सिंह, अश्विनी कुमार सिंह, शुभम कुमार सिंह, सुशील कुमार मेहता, ममता देवी, पंचम खान, उमेश राम, नीलेश्वर कुमार सिंह, सत्यनारायण सिंह, रामजन्म राम और राहुल सिंह सहित कई लोगों ने इस मांग का समर्थन किया है।

## प्रखंड मुख्यालय में लगेगा सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

**विधायक डॉ. मेहता के निर्देश पर लेस्लीगंज में सीसीटीवी लगाने की योजना, सर्वे कार्य पूर्ण**

**नवीन मेल संवाददाता**

**नीलाम्बर-पीताम्बरपुर।** पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता के निर्देश पर लेस्लीगंज पंचायत मुख्यालय में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना तैयार की गई है। यह कदम दुकानदारों, व्यवसायियों और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। विधायक के आदेश पर मुख्य चौक, भीड़-भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों का सर्वे कर उन्हें चिन्हित किया गया है। योजना के अनुसार, कैमरों की निगरानी लेस्लीगंज थाना से की जाएगी, जिससे आपराधिक घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। यह मांग लंबे समय से स्थानीय लोगों और व्यवसायियों द्वारा की जा रही थी। अब इस पर कार्रवाई शुरू होते देख लोगों में हर्ष का माहौल है। सभी ने विधायक डॉ. मेहता के प्रति आभार जताया और इस पहल की सराहना की। सर्वे कार्य में विधायक प्रतिनिधि छोटेलाल प्रसाद सोनी और सौरभ जयसवाल भी मौजूद रहे। लोगों को उम्मीद है कि सीसीटीवी कैमरों की निगरानी से क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण होगा और सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा।

## पूर्व पंसस सरफुद्दीन अंसारी को मातृ शोक

**चैनपुर।** प्रखंड के नेउरा पंचायत निवासी एवं पूर्व पंचायत समिति सदस्य सरफुद्दीन अंसारी की मां मरियम बीबी का शनिवार की रात निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं और पिछले दो महीनों से बीमार चल रही थीं। उन्होंने अपने पीछे एक पुत्र और पांच पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ा है। रविवार को नेउरा कब्रिस्तान में धार्मिक रीति-रिवाज के साथ उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके निधन की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने के लिए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। जनाजे की नमाज में जिप सदस्य फैजाएल अहमद, सदर अब्दुल मुतलिब, मुखिया पति एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष आलेहसन अंसारी, पूर्व मुखिया लुकमान अंसारी, इश्तियाक अहमद समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने स्वर्गीय मरियम बीबी के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की।

## न्यूज बॉक्स

### स्व. प्रधानाध्यापक भरत राम की पुण्यतिथि पर विधायक ने अर्पित की श्रद्धांजलि

**हुसैनाबाद।** ऊर्दवार पंचायत के सरहू गांव निवासी एवं पूर्व प्रधानाध्यापक स्व. भरत राम जी की चौथी पुण्यतिथि रविवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुसैनाबाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार, डॉ. राकेश कुमार, तरुण, गढ़वा सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे। पुण्यतिथि के अवसर पर मां पार्वती हॉस्पिटल क्लिनिक गढ़वा एवं डॉ. राकेश कुमार तरुण सर्जन के सौजन्य से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें दवा वितरण के साथ जरूरतमंदों को अंगवस्त्र भी वितरित किए गए। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर डॉ. दीपक कुमार सिन्हा एवं डॉ. मिथिलेश कुमार पासवान ने संयुक्त रूप से किया। विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. भरत राम के पुण्यतिथि के अवसर पर जनसेवा करना एक सराहनीय पहल है। चिकित्सा शिविर के माध्यम से क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। कार्यक्रम में गढ़वा सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, डॉ. टी. पीयूष, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. शशांक कुमार, डॉ. परवेज आलम, समाजसेवी जाकिर अली उर्फ राज अली, प्रमोद कुमार सिंह, शंभू पासवान, कृष्णा कुमार, सुनिल पासवान, शुशिला देवी, नीलम कुमारी, रेणु कुमारी, बेला कुमारी, पूनम कुमारी, संजय कुमार, मृत्युंजय कुमार, सुनिल नागर, रावत प्रेम कुमार पासवान, विनय कुमार पासवान, दरोगा चक्रवर्ती पासवान एवं शैलेश कुमार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही।

### हजरत दाता पीर बख्श रह. का सालाना उर्स संपन्न

**हुसैनाबाद।** हुसैनाबाद के दाता पीर बख्श का सालाना उर्स शनिवार की रात संपन्न हो गया। दाता पीर बख्श रह. की मजार पर दोनों समुदाय के लोगों ने अपने साथ देश, राज्य व क्षेत्र की सुख-शांति की दुआ मांगी। इस मौके पर इब्राहिम सेठ के सौजन्य से शानदार कव्वाली मुकाबला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव व इब्राहिम सेठ की धर्मपत्नी सायरा बानो ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि सूफी फकीरों की मजारों पर सभी समुदाय के लोग बेझिझक पहुंचते हैं। वह सभी की सुनते भी हैं। हमें भी उनके आदर्शों को अपना कर भेदभाव और द्वेष भावना से ऊपर उठकर क्षेत्र, राज्य व देश की सुख-शांति के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कव्वाली का आनंद लेने सभी जाति और धर्म के लोग एक साथ जुटे हैं। यही भारत की असली तस्वीर है। यह देश हमेशा एक दूसरे से मिलजुल कर रहने की संस्कृति वाला है। इसे कुछ लोग तोड़ना चाहते हैं, मगर वह कभी कामयाब नहीं होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह और समाजसेवी शेर अली भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान और संचालन राज अली ने किया। इस मौके पर कव्वाल बाबू गुलाम साबरी ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति और अल्लाह की शान में कव्वाली पेश कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं कव्वाला रौनक परवीन ने भी देशभक्ति और नातिया कलाम के अलावा कुछ भोजपुरी प्रस्तुतियां दी, जिन्होंने खूब वाहवाहीं लूटी। उपस्थित श्रोताओं ने पूरी रात कव्वाल और कव्वाले के शानदार मुकाबले में खोए रहे। इस मौके पर दाता पीर बख्श की मजार पर बड़ी संख्या में लोगों ने फातेहा किया और चादरपोशी की। इब्राहिम सेठ की ओर से पहली चादरपोशी की गई। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी सायरा ने भी दाता पीर बख्श की मजार पर मुल्क में अमन और शांति की कामना की। कार्यक्रम में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अनुमंडल पुलिस प्रशासन ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की थी।

## बिजली पोल में आग लगने से मचा हड़कंप

**सतबरवा।** रविवार को सतबरवा मेला टांड़ में बिजली पोल में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। मौके पर मौजूद फनिश मिश्रा, कलिम मिंया, अमारीक साव, चंदन कुमार समेत दर्जनों लोगों का कहना है कि आग मिस्त्री द्वारा सही तरीके से कनेक्शन का तार न जोड़ने के कारण लगी। हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन आग को देखकर लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोगों का मानना है कि अगर यह घटना बुधवार को होती, जब बड़ा बाजार का दिन होता, तो परिणाम बहुत ही गंभीर हो सकते थे। वहीं, हरीजन मोहल्ला के निवासी अर्जुन राम, महेंद्र राम, शिवराम, देवेंद्र राम, और पुरानचंद राम ने बताया कि उनके मोहल्ले में अब तक एक भी पोल नहीं गाड़ा गया है। उन्होंने कई बार बिजली विभाग से पोल लगाने की मांग की, लेकिन विभाग का कहना था कि उनके मोहल्ले में पोल लगाने का आदेश नहीं है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि यदि उनके इलाके में भी पोल नहीं गाड़े गए तो इस तरह की घटनाएं और भी गंभीर हो सकती हैं, क्योंकि पूरे मोहल्ले का कनेक्शन इसी पोल से जुड़ा है।

## बुद्ध पूर्णिमा विशेषः सहारविहरा सहित अन्य कई क्षेत्रों में मौजूद हैं भगवान बुद्ध से संबंधित प्राचीन अवशेष

**नवीन मेल संवाददाता**

**मोहम्मदगंज।** इस साल बुद्ध पूर्णिमा सोमवार को मनाई जा रही है, जो भगवान बुद्ध के जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। बौद्ध ग्रंथों के अनुसार, वैशाख पूर्णिमा के दिन ही भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था, इसीलिए इसे विशेष रूप से बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाना जाता है। इस अवसर पर सोन और उत्तर कोयल नदी की घाटी में स्थित ढाई हजार वर्ष पुराने बौद्ध अवशेषों का महत्व बढ़ जाता है। सोन घाटी पुरातत्व परिषद, जपला के अध्यक्ष और इतिहासकार डॉ. अंगद किशोर ने इस क्षेत्र में बौद्ध स्तूप, प्रतिमाओं, बौद्ध मंदिरों और अन्य अवशेषों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मोहम्मदगंज प्रखंड के सहारविहरा गांव में पक्की ईंटों से बना एक टीला स्थित है, जिसमें एक विशाल प्रस्तर-स्तंभ जमींदोज पाया गया है। इस स्तंभ पर भगवान बुद्ध की मूर्ति के साथ एक देवी की आकृति भी उकेरी गई है। इसके अलावा पंसा गढ़ और हुसैनाबाद प्रखंड के महुअरी, नील कोठी, दंगवार, चनकार कस्तूरी, और झरहा टोंगरा में बौद्ध स्तूप के अवशेष मौजूद हैं। छेछौरी गांव में बौद्ध मंदिर का खंडहर भी पाया गया है, जो भूतल से लगभग तीस फीट ऊंचा था और इसमें पत्थर से बना गर्भगृह और पक्की ईंटों से निर्मित मीनार था। इसके अलावा, हैदरनगर प्रखंड के सजवन गांव में सिर खंडित बुद्ध की प्रतिमा भी मिलती है, जिसे स्थानीय लोग पूजा करते हैं। डॉ. किशोर ने बताया कि इस क्षेत्र के कई गांवों के नाम भी भगवान बुद्ध से संबंधित हैं, जैसे बुधुआ, सजवन, हेमजा, लूंबा, और तारा। पलामू जिले में मौजूद इन प्राचीन अवशेषों को बौद्ध सर्किट से जोड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। 2018 में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने कबरा कलां में उत्खनन किया था, जिसमें बुद्धकालीन टेराकोटा के रिंग वेल मिले थे, जो यह दशार्ते हैं कि यह क्षेत्र बुद्ध काल में समृद्ध और आबाद था।

## जपला सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बाल-संसद व मंत्रीमंडल का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद।** शनिवार को नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जपला के परिसर में विद्यालय के भैया-बहनों के बीच गठन हुए बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य कुशजी पाण्डेय ने मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण अर्पित कर किया। बाल-संसद के अंतर्गत शिशु भारती, बाल भारती व कन्या भारती, किशोर भारती के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया। विदित हो कि दिनांक -3 मई को लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराए गए थे। प्रधानमंत्री के रुप में अभिषेक कुमार यादव, उप प्रधानमंत्री विराट सिंह, सेनापति कार्तिक सिंह, सह सेनापति धर्मवीर कुमार तथा कन्या भारती के अंतर्गत प्रधानमंत्री हर्षिका कुमारी, सेनापति सांवली कुमारी, उप सेनापति अनन्या, अध्यक्ष बबली कुमारी, उपाध्यक्ष सान्वी कुमारी का शपथग्रहण कराया गया। इसके अलावा अनुशासन विभाग, स्वच्छता, घोष दल, शारीरिक, खेल, चिकित्सा, ध्वनि, बागवानी, पेयजल, मध्यावकाश व्यवस्था इन पदों पर चयनित भैया-बहनों को दायित्व दिया गया। वहीं विद्यालय के अन्य शाखा शिवपुरी कालोनी स्थित नर्मदेश्वर तिवारी सरस्वती शिशु मंदिर में भी शिशु भारती के अंतर्गत बाल संसद के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। प्रधानाचार्य कुशजी पाण्डेय ने अपने संबोधन कहा कि इस प्रकार के आयोजन से भैया-बहनों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। यही से जीवन में कार्य करने के लिए सीखने की प्रक्रिया शुरू होती है। छात्र-संसद ऐसा मंच है, जो बच्चों में जिम्मेदारियों का भाव जागृत करता है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास में यह काफी सहायक है। विद्यालय के विकास के लिए काम करने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य शशि कुमार, छाया कुमारी, हर्षदा चौबे, राजकुमार सिंह, अभिषेक पाठक, रणजीत मिश्रा, राजेश्वर सिंह यादव, दीपक पाण्डेय, मृत्युंजय प्रसाद, धर्मेन्द्र कुमार, योगेंद्र महतो, अरविंद यादव सहित सभी आचार्य-शिक्षिका उपस्थित थे।

**विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिभाशाली छात्रों को किया गया सम्मानित**

## मातृ दिवस पर छात्रों ने व्यक्त की अपनी भावनाएं, किया मां को सम्मानित

**नवीन मेल संवाददाता**

**हैदरनगर।** प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में मातृ दिवस के अवसर पर भावनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। किड्स जोन, आरएम पब्लिक स्कूल, माता देवरानी पब्लिक स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भावुक भाषण, कविता पाठ और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले छात्रों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा सम्मानित भी किया गया। सम्मान पाने वालों में आरुषि, आलोक, आरोही, अर्पित, अपराजिता और आनंद प्रमुख रहे। विद्यालय के निदेशक जयप्रकाश कुशवाहा, प्रबंधक कमरान, सहायक शिक्षिका पुनम कुमारी और शिक्षक आलोक कुमार ने कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए मातृ दिवस के महत्व को रेखांकित किया और माताओं के समर्पण व त्याग को सराहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्रों के माता-पिता, विशेषकर माताएं उपस्थित रहीं। अनन्या, फलक, रोमा, खुशी, जैनब, मीनाक्षी, लवकुश, अरमान, राजा, अनुष्का, अरीबा, वानिया, शिफा और जिक्रा जैसे विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में अपने माता-पिता के प्रति आदर और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

## जल जीवन मिशन में देरी पर ग्रामीणों ने जताई चिंता

**समय पर मिशन पूरा नहीं हुआ तो जल संकट भयावह रूप ले सकता हैः सतेंद्र ठाकुर**

**नवीन मेल संवाददाता**

**पंडवा (पलामू)।** पंडवा प्रखंड के पंडवा पंचायत निवासी युवा समाजसेवी सतेंद्र ठाकुर ने जल जीवन मिशन के कार्यों में हो रही देरी पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन भूमिगत जलस्तर में गिरावट और अन्य जल स्त्रोतों की स्थिति खराब होना आने वाले समय में गंभीर जल संकट की ओर संकेत कर रहा है। सतेंद्र ठाकुर ने कहा कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की एक सराहनीय योजना है, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ और शुद्ध जल पहुंचाना है। समय पर इस योजना के लागू होने से आमजन को जल संबंधी दिक्कतों से राहत मिलेगी और दैनिक जरूरतों की पूर्ति सुचारू रूप से हो सकेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अपील की कि यदि किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा योजना की प्रगति में आ रही है, तो उसका शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए ताकि लोगों को समय पर जल सुविधा उपलब्ध हो सके।

# शहर में गर्मी का प्रकोप जारी, अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** शहर सहित आस-पास के क्षेत्रों में इन दिनों तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के लिहाज से काफी अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जिससे रात के समय भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल सकी।

सुबह की नमी 63 प्रतिशत रही जबकि शाम तक यह घटकर 42 प्रतिशत रह गई। इससे साफ है कि दिन भर तेज धूप और लू के कारण वातावरण में सूखापन बढ़ता गया। वहीं शाम 5:30 बजे तक बारिश नहीं हुई, जिससे तापमान में किसी तरह की गिरावट नहीं आ सकी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से लगातार गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। सुबह से ही सूरज की किरणें तीव्रता से तपने लगती हैं और दोपहर में स्थिति असहनीय हो जाती है। शहरवासी छांव और ठंडी जगहों की तलाश में रहते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में भी तापमान में विशेष गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर हल्के बादल छाने की संभावना जताई गई है, लेकिन बारिश की कोई ठोस उम्मीद फिलहाल नहीं दिख रही।

डॉक्टरों की मानें तो इस तरह की गर्मी में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। खुले में अधिक देर तक रहने से बचें और घर से बाहर निकलते समय छाता या टोपी का उपयोग करें। साथ ही शरीर में पानी की कमी न हो, इसका ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। गर्मी से बचने के लिए शहर में शीतल पेय पदार्थों की बिक्री में भी इज़ाफा देखा जा रहा है। ठंडे पानी, नींबू पानी, शिकंजी और अन्य पेय पदार्थों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

फिलहाल मौसम में राहत की कोई संभावना नजर नहीं आ रही, जिससे शहरवासियों को आने वाले दिनों में भी गर्मी से जूझने के लिए तैयार रहना होगा।

## विहिप का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न संगठनात्मक मजबूती पर दिया गया जोर

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और महिला शाखा मातृशक्ति-दुर्गा वाहिनी का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग रविवार को विहिप पलामू जिला कार्यालय में संपन्न हुआ। इसके उपरांत जिला बैठक भी आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष अजीत पाठक ने की और संचालन जिला मंत्री अमित तिवारी ने किया। प्रशिक्षण में जिला पालक दामोदर मिश्र ने विहिप की बैठक प्रारंभ और समापन की विधि, इतिहास, उपलब्धियों और विभिन्न आयामों की जानकारी दी।

वक्ताओं ने प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं और संगठन को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। साथ ही आगामी प्रांतीय वार्षिक प्रशिक्षण वर्ग को लेकर भी कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श हुआ।

इस प्रशिक्षण सह बैठक में विभाग मंत्री महेंद्र नाथ, जिला संगठन मंत्री संतोष प्रसाद यादव, विशेष संपर्क प्रमुख किशोर पांडेय, संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता, दुर्गा वाहिनी संयोजिका कामिनी सिंह, विद्यार्थी प्रमुख विवेक सिंह, बलोपासना प्रमुख पप्पू लाठ, देवराज शर्मा, अंकित सिंह सहित विभिन्न प्रखंडों से दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## रजवाडीह मध्य विद्यालय की शिक्षिका निशा को पितृ शोक

● विद्यालय में शोकसभा आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** सदर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मध्य विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती निशा के पिता सागर लाल का 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे बेगूसराय निवासी और सेवानिवृत्त असिस्टेंट इंजीनियर थे। हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और दो पुत्रियाँ छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विद्यालय में शोकसभा आयोजित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी, शिक्षिका प्रियंका कुमारी, पूनम रानी, शिक्षक विजय कुमार ठाकुर एवं लैब इंस्पेक्टर अनूप कुमार मिश्रा ने शोकसंतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

## संत मरियम स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** स्थानीय रेडमा स्थित ग्रैंड जयश्री होटल में शनिवार को संत मरियम स्कूल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पलामू प्रमंडल के कई वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने शिक्षकों और कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श दिया।

शिविर का उद्घाटन संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव, प्राचार्य कुमार आदर्श, सुप्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. राजीव नयन, ऑर्थो सर्जन डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ, ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा तथा डेंटिस्ट डॉ. राजेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। चेयरमैन श्री देव ने सभी चिकित्सकों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

शिविर में सैकड़ों शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और ईसीजी, बीपी, शुगर जैसी स्वास्थ्य जांचों के साथ चिकित्सकीय परामर्श भी प्राप्त किया। शिविर के दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने शिक्षकों को स्वस्थ जीवनशैली, खान-पान एवं नियमित जांच जैसे विषयों पर जागरूक किया।

चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि संत मरियम स्कूल केवल शिक्षा नहीं, बल्कि समाज के व्यापक हित में भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा सशक्त समाज की आधारशिला हैं और इन दोनों का समन्वय समाज को नई दिशा दे सकता है। श्री देव ने भविष्य में समय-समय पर ऐसे और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की घोषणा की।

कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य एस. बी. साहा ने किया। इस अवसर पर प्रवीण दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रिजवाना परवीन, रोशन राज, निकिता गुप्ता, विकास विश्वकर्मा, और श्याम किशोर पांडेय सहित कई लोग सक्रिय रूप से शामिल रहे।

## जोड़ गांव में मेडिकल दुकान का शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगी राहत

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** सदर प्रखंड के ग्राम जोड़ में एक नई मेडिकल स्टोर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रुचिर तिवारी ने कहा कि गांव स्तर पर मेडिकल दुकान का खुलना यहां के निवासियों और दूर-दराज के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात है। अब ग्रामीणों को दवाई के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और कम लागत में उनके पास सभी प्रकार की दवाइयां उपलब्ध होंगी।

दुकान के प्रोप्राइटर कमलेश तिवारी ने बताया कि यहां प्राथमिक उपचार की सुविधा भी प्रदान की जाएगी, जिसमें पानी चढ़ाना, इंजेक्शन लगाना, मरहम पट्टी करना, बैंडेज करना आदि शामिल है।

उद्घाटन समारोह में शिवध्यान तिवारी, राम राज तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, सुमेर मिश्रा, पूरन पांडेय, सुनील सिंह, रुपेश तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण, शनि मंदिर व सदर अस्पताल में चला 'समृद्धि की रोटी' अभियान

● जरूरतमंदों को पूड़ी-सब्ज़ी व केला वितरित, समाजसेवियों का मिला सहयोग

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित 'समृद्धि की रोटी' अभियान के तहत रविवार को जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया। इस दौरान शनि मंदिर परिसर और सदर अस्पताल परिसर में सैकड़ों जरूरतमंद, बुजुर्ग, दिव्यांग और राहगीरों को पूड़ी-सब्ज़ी और केला का पैकेट वितरित किया गया।

संस्था की ओर से बताया गया कि इस बार अंबेडकर पार्क के पास दोना-पत्तल और दातून बेचने वालों की उपस्थिति कम रही, इसलिए वितरण का केंद्र शनि मंदिर और अस्पताल क्षेत्र रहा। शनि मंदिर के पास विशेष रूप से असहाय और दिव्यांग लोगों को चिन्हित कर उन्हें भोजन प्रदान किया गया। वहीं, सदर अस्पताल में मरीजों के परिजनों के बीच भोजन वितरित किया गया, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिल सके।

भोजन वितरण कार्यक्रम में समाजसेवियों और संस्था से जुड़े सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। राकेश पाण्डेय, रमेश जी, शबाना जी, बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, रंजीता, ममता, बेबी पाण्डेय, शिल्पी गोस्वामी और संध्या शेखर ने सक्रिय भूमिका निभाई। विशेष रूप से शेखर जी को संस्था ने उनके निरंतर योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

संस्था की ओर से बताया गया कि सदर अस्पताल की साफ-सफाई और व्यवस्था संतोषजनक रही। संस्था का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में संवेदना और सेवा की भावना को मजबूत करना है। 'समृद्धि की रोटी' अभियान ऐसे ही जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर कार्यरत है।

संस्था ने सभी सहयोगियों और भोजन दान करने वाले नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया और समाज से इस सेवा भावना को आगे बढ़ाने की अपील की।

## हवन-पूजन व भंडारे के साथ नौ दिवसीय रुद्रचंडी महायज्ञ का समापन

**चतरा/पत्थलगड़ा।** पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत नावाडीह-बाजोबार स्थित मोरशेरवा पहाड़ी पर नौ दिवसीय श्रीश्री 1008 श्री अष्टभुजी दुर्गा माता, शिव, हनुमान एवं विश्वकर्मा प्राण-प्रतिष्ठा सह रुद्रचंडी महायज्ञ का समापन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। अंतिम दिन विधिवत हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन किया गया। इसके पश्चात यज्ञमंडप में स्थापित सभी कलशों को बुद्ध नदी में वैदिक विधि से प्रवाहित किया गया। पूर्णाहुति के बाद श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें खीर-पूड़ी का प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी, जो यज्ञमंडप की परिक्रमा कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे थे। रात्रि में आयोजित भक्ति जागरण ने समापन कार्यक्रम को और अधिक भव्य बना दिया। जागरण में लोक कलाकारों और भजन मंडलियों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। महायज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष रमेश ठाकुर के साथ-साथ पूर्व मुखिया मेघन दांगी, राजेश दांगी, रामचंद्र दांगी, रघुवीर दांगी, गोपाल दांगी, प्रभा देवी, कृष्णदेव दांगी, आदित्य राणा, किरण देवी, भुवनेश्वर महतो, मनोज राणा, कुसुम देवी, विश्वजीत दांगी, रामा दांगी, युगेश्वर दांगी, सुरेश दांगी, केदार दांगी सहित कई स्थानीय लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यज्ञाचार्य एवं अन्य पंडितों को यज्ञ समिति की ओर से यथासंभव दक्षिणा एवं सम्मान के साथ विदा किया गया। संपूर्ण आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

## शेड जर्जर, खुले में हो रहे अंतिम संस्कार

● 48 लाख की डीपीआर तैयार श्मसान घाट का निर्माण कार्य अब तक अधूरा

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या चार स्थित टेढ़वा नाला श्मशान घाट में वर्ष 2015 में बना पक्का शेड अब जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। शेड की छत पर लगे टीन कई जगहों से टूटकर गिर चुके हैं, जिससे किसी भी समय हादसे की आशंका बनी रहती है। इसी डर से लोग शेड के नीचे नहीं, बल्कि खुले में ही शवों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं।

श्मशान घाट पर चारदिवारी, समुचित फर्श और पेयजल की व्यवस्था न होने से लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। एकमात्र चापाकल ही पानी का साधन है, जिससे एक से अधिक अंतिम संस्कार के समय काफी दिक्कत होती है। विशेष रूप से वर्षा और गर्मी के मौसम में खुले में संस्कार करना लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

नगर निगम ने जहां सूदना सहित अन्य श्मशान घाटों का पक्कीकरण, बाउंड्री वॉल, लाइटिंग और जलमीनार जैसी सुविधाएं बहाल की हैं, वहीं टेढ़वा नाला स्थित इस श्मशान घाट को अब तक उपेक्षित रखा गया है। बारालोटा, कचरवा, हनुमान नगर सहित करीब 2000 घरों के लोग इसी श्मशान घाट का उपयोग करते हैं। बावजूद इसके यहां फर्श और बाउंड्री का निर्माण तक नहीं किया गया है।

करीब एक दशक पूर्व तत्कालीन प्रमुख नीरा देवी द्वारा 13वें वित्त आयोग की सहायता से बनाए गए पीसीसी पथ की हालत भी अब खराब हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने जेसीबी के माध्यम से समतलीकरण कर रास्ता तो बनाया है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की कमी अब भी बनी हुई है।

इस संबंध में पूर्व वार्ड पार्षद व तत्कालीन मुखिया राजू राम ने बताया कि निगम को श्मशान घाट के जीर्णोद्धार एवं अन्य सुविधाओं की बहाली हेतु आवेदन दिया गया था। साथ ही 48 लाख रुपये की डीपीआर भी तैयार कर सौंपी गई थी। निर्माण कब होगा, इसकी जानकारी निगम से ही मिल सकती है।

इधर, नगर निगम कमिश्नर जावेद हुसैन ने बताया कि श्मशान घाट का निरीक्षण कराया जाएगा और आवश्यकता के अनुसार शीघ्र ही मरम्मत व विकास कार्य कराए जाएंगे, ताकि लोगों को सुविधा मिल सके।

### ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में दीक्षांत व दादा-दादी सम्मान समारोह संपन्न

## दादा-दादी अनुभव का सार व जीवन की झंकार होते हैं : प्राचार्य

● नवीन पीढ़ी व परंपरा का भावनात्मक संगम बना कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, मेदिनीनगर में आज छठी ग्रेजुएशन सेरेमनी सह दादा-दादी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा प्रेप से प्रथम कक्षा में पदोन्नत 101 छात्र-छात्राओं को गाउन, पदक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य नन्हें विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के साथ ही उनके साथ आए दादा-दादी, नाना-नानी व अभिभावकों का सम्मान करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसे शैक्षिक निदेशक सिम्मी मेहता, प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह और उपस्थित ग्रैंड पैरेंट्स ने संयुक्त रूप से संपन्न किया। गणेश वंदना के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने नृत्य, लघुनाटिका, गीत और शिवस्तोत्र की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें परिवार और परंपरा की महत्ता को भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय की यह दीर्घ परंपरा विगत और भावी पीढ़ियों के बीच मूल्य आधारित सेतु का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि दादा-दादी जीवन के अनुभवों का भंडार हैं। वे बच्चों में शिष्टाचार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का बीजारोपण करते हैं। हमें उनका सम्मान और सेवा आजीवन करना चाहिए। शैक्षिक निदेशक सिम्मी मेहता ने इस आयोजन को पीढ़ियों के बीच समन्वय का सशक्त माध्यम बताया और कहा कि इससे विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका शिवांगी आनंद और मीनू सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका तनुश्री द्वारा प्रस्तुत किया गया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

## चलंत पनशाला का शुभारंभ राहगीरों को मिलेगा शुद्ध ठंडा जल

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** मारवाड़ी युवा मंच, डाल्टनगंज शाखा द्वारा गर्मी में जनसेवा हेतु अमृतधारा कार्यक्रम के तहत इस वर्ष एक नई पहल करते हुए "चलंत पनशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शहर में किया गया।

इस चलंत पनशाला का उद्घाटन थाना प्रभारी देवब्रत पोद्दार ने नारियल फोड़कर, स्वस्तिक चिन्ह बनाकर व फीता काटकर किया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। यह चलंत पनशाला शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर जाकर राहगीरों को शुद्ध व ठंडा आरओ जल उपलब्ध कराएगी। मंच द्वारा इसे आगामी डेढ़ माह तक लगातार संचालित करने का प्रयास किया जाएगा। वर्तमान में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा शहर थाना और अग्रसेन भवन में दो स्थायी पनशाला तथा शहर के पाँच अन्य स्थानों पर अस्थायी पनशालाएं चलाई जा रही हैं। थाना प्रभारी पोद्दार ने मंच को समाजहित में निरंतर कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस विशेष पहल में पवन नेमला ने आरंभिक सहयोग देकर अहम भूमिका निभाई। मंच के अध्यक्ष संदीप केजरीवाल व सचिव सौरभ सराफ ने भविष्य में और भी चलंत पनशालाएं आरंभ करने की योजना की बात कही।

कार्यक्रम के उपरांत युवा सदस्यों ने जय भवानी चौक से बाटा रोड होते हुए पचमूहान चौक तक जल वाहन के साथ पैदल मार्च (वॉक ड्रिल) भी किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन विमल केजरीवाल, कृष्ण कुमार सराफ़, सुशील लाठ, निर्मल तुलस्यान, नवल तुलस्यान, सुरेश भिवानिया, संजय केजरीवाल, आलोक सवारिया, गिरधारी गर्ग, पीयूष तुलस्यान, सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। युवा वर्ग से संदीप केजरीवाल, सौरभ सराफ़, निशांत सिंघानिया, विकास उदयपुरी, सज्जन संघाई, दीपक नेमला, आलोक पसरी, ललित तुलस्यान, अंकित पोद्दार, हेमंत सोनी, अरुण संघाई, समेत अनेक सदस्य कार्यक्रम में सक्रिय रहे।

# दुलदुलवा को नशामुक्त बनाने के लिए एसडीएम ने दिलाया संकल्प

**नवीन मेल संवाददाता**

**गढ़वा।** गढ़वा सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने रविवार को दुलदुलवा पंचायत में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर गांव को नशामुक्त बनाने के लिए लोगों से संकल्प लिया। इस अवसर पर एसडीपीओ नीरज कुमार, मेराल सीओ यशवंत नायक, जेएसएलपीएस के डीपीएम विमलेश शुक्ला, मुखिया राम प्रताप शाह सहित कई विभागीय पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे। गांव के पंचायत भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 200 ग्रामीणों ने भाग लिया। तीन घंटे चले संवाद में अवैध शराब कारोबार से जुड़े परिवारों की काउंसलिंग की गई और उन्हें वैकल्पिक रोजगार के विकल्पों से अवगत कराया गया। एसडीएम ने कहा कि दुलदुलवा का नाम वर्षों से अवैध शराब के कारोबार से जुड़ा रहा है, लेकिन अब इसे सकारात्मक पहचान दिलाने का समय है। उन्होंने कहा कि प्रशासन गांव को गोद लेकर इसके विकास और पुनर्वास के लिए हरसंभव सहयोग करेगा, बशर्ते ग्रामीण शराब कारोबार से तौबा करें।

### माताओं को सौंपा गया नेतृत्व

मदर्स डे के मौके पर एसडीएम ने महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों का भविष्य संवारने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी माताओं की होती है। इसलिए वे इस अभियान की अगुवाई करें। उपस्थित महिलाओं ने भी संकल्प लिया कि वे गांव को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। जेएसएलपीएस के डीपीएम ने बताया कि दुलदुलवा में 580 महिला स्वयं सहायता समूह कार्यरत हैं जो लोगों को वैकल्पिक व्यवसाय के लिए प्रेरित करेंगी और मार्गदर्शन देंगी। एसडीएम ने कहा कि गांव के आसपास फैला बेल का जंगल दुर्लभ है। लोग शराब की भट्ठियों में जलावन के रूप में बेल की लकड़ी का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे यह वन समाप्त हो रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इसके रक्षक बनें, न कि विनाशक। बैठक में ग्रामीणों ने खेती में हाथियों से हो रहे नुकसान की बात कही, जिस पर अधिकारियों ने बताया कि महुआ शराब की गंध हाथियों को आकर्षित करती है। शराब निर्माण बंद होने पर यह समस्या भी दूर हो सकती है। अधिकारियों ने पीएम विश्वकर्मा योजना, फूलो झानो योजना, केसीसी, पीएम किसान, आयुष्मान कार्ड और मुख्यमंत्री गंभीर रोग उपचार योजना की जानकारी देते हुए बताया कि शराब कारोबार छोड़ने वालों को 25 हजार से 25 लाख तक ऋण सहायता दी जा सकती है। कार्यक्रम में वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष संतोष यादव, पत्रकार जितेंद्र सिंह सहित कई ग्रामीणों ने विचार रखे और अभियान को सफल बनाने का भरोसा दिलाया।

## किशोरी ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

**खरौंधी (गढ़वा)।** खरौंधी थाना क्षेत्र के कुशवादामर टोला चंदनी की रहने वाली 15 वर्षीय स्नेहा कुमारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका अशोक राम की पुत्री थी। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही चल सकेगा। इस घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और स्थानीय लोग सदमे में हैं। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।

## रंका: दामाद ने ससुराल में लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

**नवीन मेल संवाददाता**

**रंका।** सिरोई खुर्द पंचायत के ऊंचरी गांव में मध्यप्रदेश के कटनी निवासी 35 वर्षीय निखिल प्रजापति ने शनिवार देर रात ससुराल में एक बरगद के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपनी साली की शादी में शामिल होने आया था। 5 मई को तिलक और 8 मई को बारात संपन्न हुई थी। घटना रविवार तड़के 2 बजे की है। ग्रामीणों द्वारा सूचना मिलने पर रंका पुलिस सुबह 7 बजे मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम हेतु गढ़वा भेजा। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत मुखिया कमदयाल सिंह, चबीडीसी विनय यादव, भाजपा नेता बलराम यादव, नवल ठाकुर और वार्ड सदस्य नागवंशी देवी मृतक के परिजनों से मिले और सांत्वना दी। प्रशासन घटना की गंभीरता से जांच कर रहा है।

## मुख्य सड़क पर दर्दनाक हादसा: अनियंत्रित बाइक से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

**नवीन मेल संवाददाता**

**चिनिया।** रंका मुख्यालय निवासी 30 वर्षीय कुंदन चंद्रवंशी रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। वह अपनी ससुराल बेलवादामर, चिनिया से होते हुए खुथूवामोड़ मुख्य सड़क से गुजर रहा था। इसी दौरान रणपुरा गांव के समीप सलवाही जंगल के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे वह सड़क पर बुरी तरह घायल अवस्था में तड़पता रहा। सौभाग्यवश, उसी समय कुछ राहगीर वहां से गुजर रहे थे जिन्होंने घायल को देखकर तुरंत रणपुरा गांव में सूचना दी। खबर मिलते ही बीडीसी प्रतिनिधि दयानंद राम, चंदन कुमार साह, महबूब अंसारी सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस बुलाकर कुंदन को रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। फिलहाल घायल का प्राथमिक उपचार चल रहा है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों की मानवीय संवेदना और त्वरित प्रयासों से समय पर चिकित्सा मिल पाई, जिससे एक जान बच सकी।

## घरेलू विवाद के बाद युवक ने किया कीटनाशक सेवन, हालत खतरे से बाहर

**गढ़वा। चिनिया** थाना क्षेत्र के सिगसिगा गांव निवासी विजय साव के 40 वर्षीय पुत्र उमेश प्रसाद ने रविवार को घरेलू विवाद के बाद कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती कराया। परिजनों के अनुसार किसी पारिवारिक बात को लेकर घर में विवाद हुआ था, जिससे आहत होकर उमेश ने यह कदम उठाया। सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि मरीज की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है और उसका इलाज जारी है। गांव में इस घटना को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। परिजनों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित सहयोग की मांग की है।

## कॉफी विद एसडीएम : सैनिकों के परिजनों के सम्मान में होगा संवाद

**अनुमंडल क्षेत्र के सभी सैनिक परिवारों को 14 मई को कार्यालय में आमंत्रित किया गया**

**नवीन मेल संवाददाता**

**गढ़वा।** अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा चलाए जा रहे साप्ताहिक संवाद कार्यक्रम कॉफी विद एसडीएम के इस बार के सत्र में गढ़वा अनुमंडल क्षेत्र के उन सैनिकों के परिजनों को ससम्मान आमंत्रित किया गया है, जिनके परिजन वर्तमान में भारतीय सेना में राष्ट्र की सेवा में तैनात हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैनिक परिवारों की समस्याएं जानना, उन्हें प्रशासनिक सहायता प्रदान करना और क्षेत्रीय विकास हेतु उनके सुझाव लेना है। एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि सैनिकों की वजह से ही हम सभी नागरिक निर्भीक होकर अपने कार्य कर पा रहे हैं, अतः उनके परिजनों के सुख-दुख में सहभागी बनना प्रशासनिक और सामाजिक दायित्व है। यह संवाद 14 मई (बुधवार) को सुबह 11:00 बजे से अनुमंडल कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। एसडीएम ने सभी सैनिक परिवारों से अनुरोध किया है कि वे कार्यक्रम में भाग लें। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पिछले 23 सप्ताहों से प्रत्येक बुधवार को नियमित रूप से संचालित हो रहा है।

## डुमरो में लगातार हो रही दुर्घटनाओं से चिंतित प्रशासन, एसडीएम ने किया स्थल निरीक्षण

**एनएच अधिकारियों को दिए तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश**

**नवीन मेल संवाददाता**

**गढ़वा।** गढ़वा बाईपास स्थित डुमरो चौक पर हाल के दिनों में हुई लगातार सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए रविवार देर शाम अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने दुर्घटना-स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी शिकायतें सुनी और स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। ग्रामीणों ने बताया कि डुमरो चौक अब ह्यदुर्घटना संभावित क्षेत्रह्ण बन चुका है। पिछले कुछ समय में यहां तीन भीषण हादसे हो चुके हैं, जिनमें शनिवार को हुई एक दुर्घटना में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से न तो कोई चेतावनी पट्ट लगाया गया है, और न ही कोई ठोस सुरक्षा उपाय किए गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने मौके से ही एनएच के अधिकारियों को फोन पर निर्देशित किया कि वे अविलंब स्थल का निरीक्षण कर यह मूल्यांकन करें कि यहां बार-बार दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं, और तत्काल प्रभावी सुरक्षा उपाय जैसे–स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड, स्ट्रीट लाइट, डायवर्जन व्यवस्था आदि लागू करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की जान की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और यदि एनएचएआई स्तर से शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित एजेंसी पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के बाद एसडीएम संजय कुमार मृतक महिला के परिजनों से मिलने उनके घर भी पहुंचे। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और सरकारी प्रावधानों के तहत शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

## तीन बाइकों की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल

**`नवीन मेल संवाददाता**

**भवनाथपुर।** श्री बंशीधर नगर मुख्य पथ स्थित कड़िया धाम के पास बीती रात तीन बाइकों की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद भवनाथपुर पुलिस ने तत्काल घायलों को भवनाथपुर सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद विकास पासवान (पिता नागेंद्र पासवान), निवासी नावांडीह, खरौंधी को गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरा घायल दीपक राम (पिता ओमप्रकाश राम), निवासी बतो कला, केतार बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विकास पासवान नशे की हालत में श्री बंशीधर नगर की ओर जा रहा था, तभी विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकराकर गिर पड़ा। पीछे से आ रहा दीपक राम भी उसी बाइक से टकरा गया। घटना की जानकारी मिलते ही भवनाथपुर थाना प्रभारी रंजनी रंजन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गश्ती दल भेजा और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

## सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

मेदिनीनगर। शनिवार रात एनएच 98 फोरलेन पर हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार छतरपुर-मेदिनीनगर मार्ग पर सड़मा स्थित महेंद्रा एग्रो पेट्रोल पंप के सामने सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को पिकअप में टक्कर मार दी।जिस कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक का नाम चौखड़ा गांव के टोला तेनुडीह निवासी रामकेश यादव है।पिकअप के टक्कर मारने के बाद स्थानीय लोग घायल रामकेश को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर ले गए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने फोरलेन सड़क जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति रही मौके पर पुलिस ने पहुंचकर लोगों को समझाया। उन्होंने हर संभव मदद और सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद जाम समाप्त हुआ और यातायात सामान्य हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## व्यवसायी व समाजसेवी अनूप निराला का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

**श्री बंशीधर नगर।** शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता अनूप निराला (35 वर्ष) का शनिवार रात निधन हो गया। वे मुंह के कैंसर से पीड़ित थे और पटना स्थित महावीर कैंसर संस्थान में उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर से श्री बंशीधर नगर क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। बड़ी संख्या में लोगों ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार धमनी श्मशान घाट पर संपन्न हुआ। शोक प्रकट करने वालों में विधायक अनंत प्रताप देव, झामुमो नेता मुक्तेश्वर पांडेय, चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष शंभूनाथ सौदागर, हृद्यानंद कमलापुरी, गोपाल जायसवाल, धर्म चंद लाल अग्रवाल, अशोक सेठ, रामजी कांस्यकार, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुमार कनिष्क, विकास पांडेय सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।

## डीजे बजाने को लेकर विवाद: बदले की नीयत से भीड़ ने घर में घुसकर पिता-पुत्र व मां को पीटा

**नवीन संवाददाता**

**मझिआंव (गढ़वा)।** एक दिन पहले बारात में हुए विवाद ने रविवार की सुबह हिंसक रूप ले लिया। मझिआंव थाना क्षेत्र के आमर गांव के पश्चिम टोला में बदले की नीयत से पहुंचे लाठी-डंडों से लैस लोगों की भीड़ ने एक परिवार को अपना निशाना बना लिया। भीड़ ने घर में घुसकर पिता, पुत्र और मां को बेरहमी से पीटा, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान सुधीर विश्वकर्मा (23), उनके पिता अवध विश्वकर्मा (58) और मां सुशीला देवी (55) के रूप में हुई है। तीनों को स्थानीय लोगों की मदद से मझिआंव थाना लाया गया, जहां से पुलिस ने औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें रेफरल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए सुशीला देवी को सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया। घायलों ने थाना में आवेदन देकर जान-माल की सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, गांव में घटना के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है।

### जान से मारने की धमकी, जातिसूचक गालियों का आरोप

घायल सुधीर विश्वकर्मा ने थाने में दिए आवेदन में बताया कि रविवार सुबह जैसे ही वह घर से बाहर निकले, उन्होंने देखा कि सैफ अली खान अपने साथियों के साथ हथियारबंद खड़ा था। जब उसने उनसे पूछताछ की, तो वे लोग आक्रोशित हो गए और जातिसूचक गालियां देने लगे। कुछ ही देर बाद सैफ अली खान, इबरार खान, मुस्तकीम खान, हाका खान और करीब 8झ्र10 अन्य लोग लाठी-डंडों से लैस होकर लौटे और उनके घर में घुसकर तीनों को बुरी तरह पीटा।

### बारात में हुआ था डीजे को लेकर झगड़ा

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, शनिवार की रात बिशुनपुरा गांव में सत्येंद्र पासवान के बेटे की बारात गई थी। वहां डीजे के संचालन को लेकर बारातियों और डीजे पक्ष के लोगों के बीच विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि भूसुवा गांव निवासी सैफ अली खान, जो स्कॉर्पियो ड्राइवर है, डीजे पक्ष के समर्थन में था। इसी दौरान बारातियों ने उसके साथ मारपीट कर दी थी। घटना के बाद सैफ अली ने बारातियों से बदला लेने के लिए रविवार सुबह अपने साथियों के साथ हमला कर दिया। पीड़ितों का कहना है कि उनके परिवार का उस विवाद से कोई संबंध नहीं था, फिर भी सारा गुस्सा उनके ऊपर निकाला गया।

## अवैध बालू ढुलाई जोरों पर, प्रशासन मौन

**नवीन मेल संवाददाता**

**रंका।** रंका प्रखंड में रात्रि के अंधेरे में नदी से अवैध बालू की ढुलाई धड़ल्ले से जारी है, जबकि प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है। प्रतिदिन रात्रि 12 बजे से सुबह 6 बजे तक लगभग 40 ट्रैक्टर बालू लादकर रंका एनएच-343 भौंवरी मुख्य सड़क से अनुमंडल कार्यालय, रंका थाना मोड़, मुख्य बाजार होते हुए सैकड़ों ट्रिप बालू का अवैध परिवहन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि माफिया 3500 से 4500 रुपये प्रति ट्रिप की दर से बालू बेच रहे हैं, जिससे गरीब वर्ग बालू खरीदने में असमर्थ हो गया है। फलस्वरूप निचले तबके के लोग मजबूरी में डस्ट या पत्थर से घर बना रहे हैं। इससे सरकार को भी राजस्व की हानि हो रही है। बालू माफिया बेखौफ होकर तेज गति से वाहन चला रहे हैं, जिससे सड़क हादसों की आशंका बनी रहती है। पूछे जाने पर अंचलाधिकारी शिवपूजन तिवारी ने बताया कि इस मामले में स्थानीय थाना को सूचित किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। रंका थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह ने कहा कि क्षेत्र में नियमित छापामारी की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## युग पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के मासिक सत्संग का आयोजन

# भजन-कीर्तन, ग्रंथ-पाठ व सामूहिक प्रार्थना से गूंजा सत्संग स्थल

**नवीन मेल संवाददाता**

**गढ़वा।** युग पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के मासिक सत्संग का आयोजन रविवार को गढ़वा में गुरु भाई डॉ. सुशील प्रसाद (नेत्र चिकित्सक, राधिका नेत्रालय) के आवास पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत ठाकुर जी की तस्वीर पर माल्यार्पण से की गई, इसके पश्चात सभी धर्मग्रंथों का सामूहिक पाठ, भजन-कीर्तन और शंख ध्वनि के बीच ₹बंदे पुरुषोत्तम₹ का जयघोष किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक साथ सामूहिक प्रार्थना कर अध्यात्मिक वातावरण को जीवंत बना दिया। सत्संग में पलामू प्रमंडल के वरिष्ठ एसपीआर कुलदीप मिश्रा दादाजी, श्री बंशीधर नगर के एसपीआर विजय नंदन सिन्हा दादाजी और एसपीआर धृति लाल सुंदर दादाजी ने ठाकुर जी के जीवन दर्शन, शिक्षाएं और उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। मौके पर रघुवीर प्रसाद कश्यप, सियाराम पांडेय, अशोक प्रसाद, हरिद्वार प्रसाद केसरी, शंभू सोनी, राजकुमार समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सत्संग का वातावरण श्रद्धा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

## सर्पदंश से महिला जख्मी, हालत स्थिर

**प्राथमिक उपचार के बाद चिनिया से गढ़वा सदर अस्पताल किया गया रेफर**

**नवीन मेल संवाददाता**

**गढ़वा।** चिनिया थाना क्षेत्र के चिनिया गांव निवासी राकेश पासवान की 25 वर्षीय पत्नी दीपा देवी रविवार को विषैले जंतु (संभावित सर्प) के काटने से जख्मी हो गईं। घटना उस समय घटी जब दीपा देवी घर में घरेलू कार्य कर रही थीं। इसी दौरान उनके पैर में किसी विषैले जंतु ने काट लिया। परिजनों ने तत्काल उन्हें चिनिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दीपा देवी की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है। गांव में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई और एहतियात बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

# अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को कुचला एक की दर्दनाक मौत, दो गंभीर, मचा कोराम

- आक्रोशित ग्रामीणों ने उचित मुआवजा की मांग कर किया सड़क जाम

**नवीन मेल संवाददाता**

**चतरा/हंटरगंज।** जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हंटरगंज-प्रतापपुर मुख्य पथ पर नवाडीह भीमदहा के पास बीते देर रात्रि एक दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार हाइवा ने सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में गांव के 60 वर्षीय साधु मिस्त्री पिता पुन मिस्त्री की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 40 वर्षीय शिवराणी देवी और छत्तीसगढ़ राज्य निवासी 40 वर्षीय गिरधर भूमिहार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

जानकारी के अनुसार हंटरगंज की ओर से तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक वृद्ध की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद हाइवा ने एक मारुति वैन को टक्कर मारी और सीधे एक घर से जा टकराया, जिससे घर में सोए लोग अफरा-तफरी मच गई। हालांकि घर के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी प्रभात कुमार और अंचल अधिकारी अरुण कुमार मुंडा दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेजा और घायलों को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। तत्परता से पुलिस ने ग्रामीणों के चंगुल से हाइवा के ड्राइवर को निकालकर अपने साथ ले लिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह 8 बजे हंटरगंज-प्रतापपुर मुख्य पथ को जाम कर दिया। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा और वाहन की गति पर नियंत्रण किए जाने की मांग की। पुलिस ने दोपहर एक बजे ग्रामीणों को समझा-बुझा कर जाम हटवाया।

## मोटरसाइकिल बचाने में कार दुर्घटनाग्रस्त, कार सवार महिला गंभीर रूप से घायल

**चतरा।** गिद्धौर थाना क्षेत्र के पाण्डेय महुआ चौक में रविवार को एक अनियंत्रित कार ने अंबेडकर की प्रतिमा की बाउंड्री में जोरदार टक्कर मारी। इस दुर्घटना में कार में सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान पहरा गांव निवासी अनूप पाठक की पत्नी प्रभा देवी के रूप में की गई है। ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को टेंपो से चतरा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। दुर्घटना के समय कार में कुल पांच लोग सवार थे, और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। बताया गया कि कार इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना करके चतरा की ओर लौट रही थी, तभी पाण्डेय महुआ चौक के पास एक बाइक चालक अचानक सड़क पर मुड़ गया, जिससे कार अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में जा कर बाउंड्री से टकरा गई। बाइक चालक मौके से फरार हो गया।क

## रात्रि में लगी आग ने लील लिया दो लाख का सामान

- तरवाटांड़ टोला में जगदेव उरांव के घर में भीषण अग्निकांड, नगद समेत खाद्य सामग्री खाक

**नवीन मेल संवाददाता**

**लातेहार।** सासंग पंचायत अंतर्गत ग्राम पतरातु के तरवाटांड़ टोला निवासी जगदेव उरांव के घर में शनिवार की रात अचानक आग लग गई, जिससे करीब दो लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। घटना रविवार सुबह सामने आई जब पीड़ित ने जानकारी दी। पीड़ित जगदेव उरांव ने बताया कि रात करीब 2 बजे घर से धुआं और आग की लपटें उठती देखी गईं। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण जुटे और आग बुझाने में सहयोग किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। घर में रखे करीब एक लाख रुपये नगद, साथ ही चावल, गेहूं, महुआ, राय, उरद, बीटूरा, लहसुन सहित कई खाद्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मुखिया पति मंगलदेव उरांव एवं पंचायत समिति सदस्य नसबुलेन आलम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा पीड़ित को हरसंभव सहायता व मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। पीड़ित परिवार ने घटना को लेकर सदर थाना प्रभारी को आवेदन व अंचल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

## शपथ ग्रहण समारोह में बाल संसद के प्रधानमंत्री व सेनापति ने ली शपथ

**नवीन मेल संवाददाता**

**लातेहार।** सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बाल संसद के प्रधानमंत्री व सेनापति ने शपथ ग्रहण किया। मौके पर विभाग प्रमुख नीरज कुमार लाल ने बताया कि बाल संसद छात्रों का एक लोकतांत्रिक शैक्षिक संगठन है, जो प्रधानाचार्य के संरक्षण में छात्रों के लिए छात्रों द्वारा संचालित होता है। बाल संसद की स्थापना करने का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के सुचारू रूप से संचालन में छात्रों की अनुशासन युक्त सहभागिता सुनिश्चित कराना है। बाल संसद, संरक्षक व अध्यक्ष विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री व सेनापति को बताया कि शपथ ग्रहण के उपरांत आप सभी बाल सांसद परिषद व विभाग का बंटवारा अपने-अपने किशोर भारती, कन्या भारती, बाल भारती व शिशु भारती प्रमुख की देखरेख में संपन्न किया जाएगा। नए सत्र 2025-26 की शिक्षण व व्यवस्था पक्ष को सुचारू रूप से संचालन में अनुशासन युक्त सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री को गोपनीयता की शपथ बाल संसद अध्यक्ष द्वारा व सेनापति को गोपनीयता की शपथ विभाग प्रमुख द्वारा कराया गया। शपथ के बाद बाल संसद अध्यक्ष ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों, प्रधानमंत्री, सेनापति को फूल का माला पहनाकर व हनुमान चालिसा भेंट कर सम्मानित किया। बाल भारती प्रमुख धर्म प्रकाश प्रसाद ने चयनित प्रधानमंत्री को अपने मंत्रिमंडल गठन का विस्तार कर परिषद व विभागों का बंटवारा कर कार्यों का दायित्व सौपा। शपथ ग्रहण समारोह में विद्यालय के सभी आचार्य दीदी उपस्थित थे।

## स्व. रियाजुद्दीन अहमद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का विधायक ने किया उद्घाटन

- पहले मैच में बांसकरचा ने महुआडांड़ को हराया

**नवीन मेल संवाददाता**

**महुआडांड़।** प्रखंड के आवासीय विद्यालय स्टेडियम में स्व. रियाजुद्दीन अहमद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार को मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी विपिन कुमार दुबे, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिवपूजन बहेलिया, अंचल अधिकारी संतोष कुमार बैठा और थाना प्रभारी मनोज कुमार मौजूद थे। उद्घाटन मैच बांसकरचा बनाम महुआडांड़ के बीच खेला गया, जिसमें बांसकरचा की टीम ने जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 31,000 व ट्रॉफी तथा द्वितीय पुरस्कार 21,000 व ट्रॉफी निर्धारित है।

विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं की खेल प्रतिभा उभरती है और शारीरिक व मानसिक विकास में मदद मिलती है। उन्होंने युवाओं से खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की।

इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख कंचन कुजूर, उपप्रमुख अभय मिंज, कांग्रेस प्रदेश प्रतिनिधि इफ्तेखार अहमद, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अमीर सुहेल, प्रखंड के सभी मुखिया और अनेक खेलप्रेमी उपस्थित थे।

### चंदवा में गूंज रहा ब्रह्माकुमारीज का नशा मुक्त भारत अभियान

## 'अज्ञान नींद से जागो कुंभकर्ण' झांकी बनी जागरूकता का प्रतीक

**नवीन मेल संवाददाता**

**चंदवा (लातेहार)।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, गुमला सेवा केंद्र द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी पहचान बना चुका है। राजयोगिनी शांति दीदी के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के तहत 'अज्ञान नींद से जागो कुंभकर्ण' शीर्षक से तैयार झांकी चंदवा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर रही है, जो जनमानस को नशा मुक्ति का संदेश दे रही है।

शनिवार को ग्रीनफील्ड एकेडमी, खीस्त राजा मध्य विद्यालय, ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल सहित कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों के प्राचार्य अन्ना कुट्टी और कुलदीप टोप्पो ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान युवाओं को सही दिशा देने में सहायक होगा।

लातेहार सेवा केंद्र की ब्रह्माकुमारी अमृता बहन ने विद्यार्थियों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया और उन्हें नशामुक्त जीवन की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि कई लोगों को इस ध्यान विधि से नशे की आदत से छुटकारा मिल चुका है।

यह अभियान भारत सरकार के सहयोग से देशव्यापी स्तर पर चलाया जा रहा है। जागरूकता बढ़ाने वाली झांकी 'कुंभकर्ण' की गहरी नींद से प्रतीकात्मक रूप से समाज को अज्ञान और नशा से जगाने का आह्वान करती है।

### ठाकुरबाड़ी मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा पर भक्ति जागरण आयोजित

## कलकत्ता, रांची और धनबाद से आए कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

**नवीन मेल संवाददाता**

**चंदवा (लातेहार)।** अलौदिया स्थित प्रसिद्ध ठाकुरबाड़ी मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। कोलकाता, रांची और धनबाद से आए कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत और नाट्य प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में माता पार्वती, भगवान शिव व गणेशजी के संवाद, गणेश वंदना और शिव तांडव की आकर्षक प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना और भक्ति भाव का विकास होता है।

इस अवसर पर संतोष सिंह, प्रतिमा देवी, मृत्युंजय सिंह, मनीष सिंह, कृष्णा पटवारी, डॉ. रोहित कुमार, स्वर्णलता देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों की सक्रिय सहभागिता रही।

## अनियंत्रित बोलेरो पेड़ से टकराई, पूजा को जा रहे परिवार के छह लोग घायल

**चतरा।** लावालौंग थाना क्षेत्र के लमटा-बगरा मुख्य सड़क पर रविवार को एक अनियंत्रित बोलेरो पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में वाहन सवार लगभग आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल ठाकुरडीह, कटिया पंचायत निवासी सत्येंद्र राम के परिजन बताए जा रहे हैं, जो पूजा के लिए नगर मंदिर जा रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब बोलेरो लमटा पंचायत मुख्यालय से लगभग एक किलोमीटर दूर थी, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सीधे सड़क किनारे खड़े एक मोटे पेड़ से टकरा गया। हादसे में सत्येंद्र राम की पुत्री समेत कई परिजन घायल हुए हैं, जबकि चालक की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों का इलाज बगरा स्थित पारस अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं, घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई और आसपास के ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घटना की जानकारी लेने पहुंचे पत्रकारों और पंचायत प्रतिनिधियों को परिजनों ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

### चंदवा में सात बाल श्रमिक मुक्त, तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई शुरू

## उपायुक्त के निर्देश पर चला बाल श्रम उन्मूलन अभियान

**नवीन मेल संवाददाता**

**चंदवा।** उपायुक्त लातेहार के निर्देश पर चंदवा प्रखंड में बाल श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान तीन अलग-अलग स्थानों से कुल 7 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया।

मुक्त कराए गए बच्चों में एक बालिका श्रमिक शंभू शरण गुप्ता के मेन रोड स्थित आवास से, दो बाल श्रमिक मेसर्स चंदन मसाला (अलौदिया) से और चार बालिका श्रमिक मेसर्स राजू गरम मसाला (अलौदिया) से पाए गए। सभी तीनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

श्रम विभाग ने नियोजकों को बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश भी दिया है।

अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह, रंजीत कुमार, अशोक विश्वकर्मा, वेदिक सोसायटी से प्रेम प्रकाश, चाइल्ड हेल्पलाइन से मुक्ति प्रकाश खलखो, अनुज कुमार तिग्गा तथा चंदवा थाना पुलिस टीम शामिल रही।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 57 करोड़ से अधिक की राजस्व वसूली, 10977 मामलों का निष्पादन

**चतरा।** व्यवहार न्यायालय, चतरा के सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष शंभु लाल साव की अध्यक्षता में किया गया। वादों के निष्पादन हेतु कुल सात बेंचों का गठन किया गया था। लोक अदालत में कुल 10977 मामलों का निष्पादन करते हुए 57 करोड़ 58 लाख 13 हजार 106 रुपये की राजस्व वसूली की गई।

इस अवसर पर एक 12 वर्ष पुराने भूमि विवाद का भी समाधान किया गया, जिससे दोनों पक्ष संतुष्ट दिखे। अपने संबोधन में पीडीजे शंभु लाल साव ने कहा कि लोक अदालत शीघ्र, सस्ता और सुलभ न्याय प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन प्राधिकार के सचिव तारकेश्वर दास ने किया। आयोजन के दौरान सभी सातों बेंच के न्यायिक अधिकारी, पैनल अधिवक्ता एवं अन्य न्यायिक कर्मी उपस्थित रहे।

### मॉडल विद्यालय नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित

## चंदनडीह केंद्र पर 59 में से 41 परीक्षार्थी हुए शामिल

**नवीन मेल संवाददाता**

**लातेहार।** जिले के राजकीयकृत उच्च विद्यालय चंदनडीह में रविवार को मॉडल विद्यालय में नामांकन के लिए कक्षा छह की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा सुबह 11:00 बजे से शुरू होकर 1:15 बजे तक चली।

जिले भर में तीन मॉडल विद्यालयों के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई, जिसके लिए चंदनडीह को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। कुल 59 परीक्षार्थियों में से 41 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 18 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा केंद्र की प्रभारी प्राचार्य रुचिका कुमारी ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संचालित हुई। सफल छात्रों को जिले के मॉडल विद्यालयों में नामांकन का अवसर मिलेगा।

### महुआटांड़ में सात दिवसीय श्री मारुति नंदन महायज्ञ का विधिवत समापन

## हनुमान मंदिर परिसर में आस्था, श्रद्धा व भक्ति से सराबोर रहा समापन दिवस

**नवीन मेल संवाददाता**

**बारियातू (लातेहार)।** अमरवाडीह पंचायत अंतर्गत चेडरा ग्राम स्थित महुआटांड़ में नवनिर्मित हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्री मारुति नंदन महायज्ञ का समापन शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चारण और हवन-पूजन के साथ श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ।

अंतिम दिन यज्ञ में महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञाचार्य महंत रविन्द्र नाथ पांडेय के नेतृत्व में पूर्णाहुति और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मुख्य यजमान दीपक कुमार व उनकी पत्नी निशा देवी सहित अन्य यजमानों ने विधिपूर्वक पूजन किया। समापन अवसर पर विशाल भंडारा का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर सांसद कालीचरण सिंह, जिप सदस्य रमेश राम, मुखिया सुशीला देवी समेत कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यज्ञ आयोजन को सफल बनाने में यज्ञ समिति अध्यक्ष संतोष यादव व उनकी टीम की भूमिका सराहनीय रही।

## किसानों को कृषि चौपाल कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया

- उन्नत नस्ल की मुर्गी पालन करने की दी गई जानकारी

**नवीन मेल संवाददाता**

**बालूमाथ।** कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि चौपाल का सीधा प्रसारण किसानों को दिखाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि के नवीनतम तकनीकी जैसे बागवानी, टपक सिंचाई, सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन आदि के बारे में कृषि अनुसंधान निदेशालय द्वारा किसानों को बताया गया। कार्यक्रम में कोमर व पुक्चु गांव के 30 महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक ने किसानों को आगामी योजना के अंतर्गत पोल्ट्री की नई किस्म झारखंड सिम के डेमोंसट्रेशन के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड सिम द्वारा झारखंड के उन्नत नस्ल के मुर्गी है, जिसका अंडा देने की क्षमता 175 से ज्यादा है। इसका किसान पालन कर अधिक अंडा उत्पादन कर सकते हैं। ग्रामीण परिवेश के लिए यह किस्म काफी उपयुक्त है। किसानों का प्रशिक्षण के लिए चयन भी किया गया। उनको कुछ ही दिनों में चूजा देने के बाद कही गई है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों में जवा उरांव, राजकुमारी उरांव, सुनीता मिंज, मधुबनी देवी, मुकेश उरांव के नाम शामिल है। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र से मुनी सिंह, संजय कुमार, सिद्धार्थ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

आदिवासी बहुल मकुन्दा गांव में जल संकट गहराया

# सोलर जलमीनार एक माह से खराब दूषित कुएं के पानी पर निर्भर ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

**भंडरा/लोहरदगा।** भंडरा प्रखंड के भीठा पंचायत अंतर्गत आदिवासी बहुल मकुन्दा गांव में पेयजल संकट दिन-प्रतिदिन विकराल होता जा रहा है। लगभग दो हजार की आबादी वाला यह गांव पिछले एक महीने से गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। गांव में बड़की टोली और सियार टोली में लगाए गए सोलर जलमीनार एकमात्र स्वच्छ पेयजल स्रोत थे, जो पिछले एक माह से पूरी तरह बंद पड़े हैं। जलमीनार के बंद हो जाने से ग्रामीणों को अब दूषित कुओं और खेतों में दूर स्थित जलस्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। गर्मी के इस मौसम में जलस्तर लगातार नीचे गिर रहा है, जिससे पानी की उपलब्धता और भी कम हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि विकल्प न होने के कारण वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे डायरिया, त्वचा रोग और अन्य बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। मदन उरांव, सोहराई उरांव, शिव उरांव सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार की मरम्मत के लिए कई बार प्रखंड कार्यालय और संबंधित पदाधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव के अधिकांश चापाकल या तो खराब हैं या उनका जलस्तर इतना नीचे चला गया है कि बहुत कम पानी निकलता है। इससे लोगों को पानी के लिए लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता है।
ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सोलर जलमीनार की मरम्मत अविलंब कराई जाए और वैकल्पिक जल स्रोतों जैसे टैंकर या हैंडपंप की व्यवस्था की जाए। जल संकट के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो यह संकट जनस्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

## दहेज के लिए बहू को प्रताड़ित करने का आरोप, चार पर केस दर्ज

**पति, ससुर, सास और देवर के खिलाफ एफआईआर, जांच में जुटी पुलिस**

नवीन मेल संवाददाता

**सेन्हा (लोहरदगा)।** सेन्हा थाना क्षेत्र के एकागुरी निवासी पूर्णिमा पाण्डेय ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाना में दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि वर्ष 2021 में उसकी शादी रांची जिले के नेवरी विकास ग्राम निवासी कुमार अभिषेक के साथ सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी। शादी के कुछ ही समय बाद ससुराल पक्ष द्वारा दस लाख रुपये नकद दहेज की मांग की जाने लगी। पूर्णिमा ने आरोप लगाया कि उसके पति अभिषेक समेत ससुर शालिग्राम पाण्डेय, सास शोभा देवी और देवर कुमार श्रेयांस लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते रहे। उसे गालियां दी जाती थीं, अपमानित किया जाता था और कई बार मायके भेज देने की धमकी दी जाती थी। थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (पति या परिजन द्वारा क्रूरता), 323 (मारपीट), 504 (अपमान), और दहेज निषेध अधिनियम की धाराओं के तहत कांड संख्या 54/2025 दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है और आरोपियों से जल्द पूछताछ की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है तथा चिकित्सकीय परीक्षण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इस गंभीर मामले में त्वरित न्याय दिलाने के लिए पुलिस ने आश्वासन दिया है कि कानूनी कार्रवाई में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

## ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता पर मारवाड़ी समाज ने किया सुंदरकांड पाठ, वीर सैनिकों को दी बधाई

- भारतीय सैनिकों की सुरक्षा शक्ति और साहस के लिए ईश्वर से प्रार्थना की

नवीन मेल सवांददाता

**लोहरदगा।** पहलगाम में हुई नृशंस घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा किए गए साहसिक "ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता पर लोहरदगा जिला मारवाड़ी सम्मेलन की महिलाओं ने वीर सैनिकों को बधाई दी और उन्हें देश का गौरव बताया। सम्मेलन के जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ के आवास पर सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में महिलाओं ने हनुमान जी का भव्य दरबार सजाकर विविध व्यंजनों से भोग अर्पित किया। पाठ के उपरांत महाआरती और प्रसाद वितरण भी किया गया। महिलाओं ने इस अवसर पर भारतीय सैनिकों की सुरक्षा, शक्ति और साहस के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने वीरगति को प्राप्त हुए शहीदों के परिवारों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना भी की। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों को भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया है और उनकी कमर तोड़ दी है। समाज की महिलाओं ने प्रधानमंत्री द्वारा आतंकवाद के खिलाफ लिए गए कठोर निर्णयों और महिलाओं के सम्मान हेतु उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस निर्णायक कार्रवाई के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर ममता बंका, अनीता पोद्दार, कल्याणी पोद्दार, अंजली सर्राफ, दीपा पोद्दार, मंजू पोद्दार, नेहा अग्रवाल, अंकिता बंका, नीलू शर्मा, रितु शर्मा, मीना बंका, निधि, रेखा बंका, रश्मि अग्रवाल, संगीता मित्तल, रिशु पोद्दार, नीतू मित्तल, आकांक्षा सर्राफ, रीना सर्राफ, मोनिका पोद्दार, रेखा मोदी, आशा पोद्दार, सुनीता चौधरी, सुधा बर्मन, सोनिया पोद्दार, श्वेता मित्तल, पायल अग्रवाल, अंजू सर्राफ, रेनू सर्राफ, रीता मिश्रा, संतोष शर्मा, सुनैना ठाकुर समेत समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दीपक सर्राफ, आशीष कुमार, सत्यम सर्राफ और अतुल कुमार की भी विशेष सहभागिता रही।

## भरनो में दो बाइकों की जोरदार टक्कर, छह युवक घायल

**भरनो (गुमला)।** एनएच 23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर रविवार शाम भरनो थाना क्षेत्र के मिशन चौक के पास दो बाइकों के बीच हुई जोरदार टक्कर में छह युवक घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही भरनो पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुम्बो, भगतटोली गांव निवासी गणेश उरांव (25), रोशन बाड़ा (18) एवं राहुल उरांव (8) एक बाइक पर सवार होकर दुम्बो से भरनो की ओर जा रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर जूरा गांव निवासी मनीष उरांव (17), अमृत बाड़ा (18) एवं अनमोल बाड़ा (18) भरनो की ओर आ रहे थे।

## अंजुमन इस्लामियां कुडू के सदर मोज़म्मिल अहमद, ग्यास खान बने सेक्रेटरी

नवीन मेल संवाददाता

**कुडू-लोहरदग़ा।** अंजुमन इस्लामिया कुडू का चुनाव शनिवार को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। मेन रोड स्थित मदरसा परिसर में बाद नमाज़ असर शुरू हुए मतदान में अध्यक्ष एवं सचिव पद सहित कुल तीन पदों के लिए कुल 2118 वोट पड़े।

इसके बाद देर रात तक सरपरस्तों और चुनाव कमेटी की निगरानी में मतों की गिनती शुरू हुई। इसमें मोज़म्मिल अहमद 508 वोट से जीत हासिल कर अंजुमन इस्लामिया कुडू के सदर बने। मतों की गिनती में मोज़म्मिल अहमद को 602 और सलीम अमीर को 94 वोट पड़ा। सेक्रेटरी के लिए ग्यास खान को 568, दावर राशिद को

137 वोट मिले वहीं नायब सदर के लिए मो नसीम 347, जुनाब आलम 290 और शमशेर खान को 59 वोट मिले। 21 वोट निरस्त हुए। वहीं नावेद आलम निर्विरोध नायब सेक्रेटरी चुने गए। जबकि मास्टर मोइन साहब सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष मनोनीत किये गए। अंजुमन के सरपरस्त ज़फ़र खान, शमीम खान, हाजी जावेद गौहर, मौलाना शौकत अली काशमी, शमशेर खान, इस्लाम खलीफा, मस्जिद के इमाम हसीब अली काशमी आदि ने विजयी प्रत्याशियों को प्रमाणपत्र और फूल-माला पहनाकर स्वागत किया।

## बिशुनपुर के जामुन जंगल में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

**बिशुनपुर (गुमला)।** बिशुनपुर थाना क्षेत्र के हकाजंग गांव स्थित जामुन जंगल में रविवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ बरामद हुआ। मृतक की पहचान 20 वर्षीय जयप्रकाश सिंह, पिता बहादुर सिंह, निवासी ओरवाई थाना क्षेत्र लातेहार के रूप में हुई है।

युवक का शव सखुआ के पेड़ से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ पाया गया। सूचना मिलने पर बिशुनपुर थाना के सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

## कैरो में होनेवाली विश्व कल्याण रूद्र महायज्ञ की तैयारी पूरी

नवीन मेल संवाददाता

**कैरो/लोहरदगा ।** प्रखंड कैरो क्षेत्र में 16 मई से होने वाली विश्व कल्याण रूद्र महायज्ञ की तैयारी पूरी कर ली गई है।आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया कि कैरो पंचायत के ऊतका शिव मंदिर प्रांगण में विश्व कल्याण रूद्र महायज्ञ की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस निमित यज्ञ प्रांगण में पिछले एक सप्ताह से अयोध्या धाम से चल कर आए भगवतानंद जी महराज के द्वारा प्रतिदिन शायकालीन भगवत कथा का अमृतपान दर्शकों के बीच कराया जा रहा है। वही 16 मई से 24 मई तक चलने वाले इस विश्व कल्याण रूद्र महायज्ञ में देश के कोने कोने से साधु संत प्रवचन कर्ता जैसे झांसी से मंदाकिनी जी,वाराणसी से कल्याण जी महराज,एव धर्माचार्य रमेश उरांव,सूर्य कांत त्रिपाठी जी महराज के अमृत वाणी का रसपान करने का सुअवसर क्षेत्रवासियों को होगी। आचार्य कौशल कांत त्रिपाठी जी के आचार्यत्व मे समस्त पूजन अनुष्ठान संपन्न होंगे।

अंजुमन इस्लामिया अदलिया कमिटी ने किया कई मामले की सुनवाई

## कोर्ट कचहरी से पहले अपने अंजुमन से करें संपर्क : रउफ अंसारी

नवीन मेल संवाददाता

**लोहरदगा।** अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के अदलिया कमिटी द्वारा रविवार को अंजुमन कार्यालय में सदर अब्दुल रउफ अंसारी, सेक्रेटरी शाहिद अहमद बेलू, नाइब सदर सैयद आरीफ हुसैन, सहसचिव अनवर अंसारी, अदलिया कमिटी सदस्य इरशाद अहमद, ऑफिस सेक्रेटरी मौलवी अबुल कलाम तैगी, मोहम्मद असगर तैगी की उपस्थिति में अदलिया में दर्जन भर मामलों की सुनवाई हुई, जिसमें एक मामले का निपटारा किया गया। पहले मामले में कुरैशी मुहल्ला लोहरदगा निवासी कयामुद्दीन कुरैशी बनाम कमरूज्जमा कुरैशी के बीच जमीन विवाद की सुनवाई हुई, जिसमें पुनः सुनवाई की अगली तारीख

दिया गया। दूसरा मामला लोहरदगा पावरगंज निवासी जैनुल हुसैन बनाम जावेद हुसैन के बीच जमीन विवाद की सुनवाई की गई, जिसमें पुनः सुनवाई की अगली तारीख दिया गया।

उसी तरह तीसरा मामला लोहरदगा शहरी क्षेत्र के कुरैशी मुहल्ला निवासी संजीदा खातून बनाम शमीम कुरैशी एवं ताज कुरैशी के बीच चली आ रही आपसी जमीन संबंधित की सुनवाई की गई, दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत अदलिया कमिटी के मेंबर्स द्वारा जांच कर अगली तारीख को विवाद का निपटारा करने की बात कही गई। जबकि चौथा मामला लोहरदगा जिले कुडू निवासी साबिर अंसारी बनाम रफीक अंसारी के बीच चली आ रही जमीन से संबंधित विवाद की सुनवाई की गई। सुनवाई के उपरांत अदलिया कमिटी द्वारा स्वयं जांच करने की बात कही गई।

## सेवा भारती का 152वां स्वास्थ्य शिविर में 37 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

**लोहरदगा।** सेवा भारती लोहरदगा के द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय प्रांगण में रविवार सुबह 7:30 बजे से 152वें सप्ताह का निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्घाटन जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ. कुमुद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल एवं अनामिका भारती ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित और पुष्प अर्पित कर किया। उद्घाटन के पश्चात सभी ने भारत माता की जय के नारों के साथ जय हिंद का उद्घोष कर भारतीय सेना के सम्मान में सलामी दी। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में कुल 37 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में हीमोग्लोबिन,

यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, ब्लड शुगर, बीपी, वजन, हृदय गति, ऑक्सीजन स्तर आदि की मुफ्त जांच की गई। इसके अतिरिक्त अन्य पैथोलॉजी जांचें आधे खर्च पर उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा, "हमारी सेना दिन-रात देश की रक्षा में लगी है। उनकी सेवा और बलिदान को सलाम करते हुए हमें समाज सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए। जीव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।" डॉ. कुमुद अग्रवाल ने स्वास्थ्य जांच की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि "नियमित जांच से बीमारियों को समय पर पहचाना और रोका जा सकता है। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारी सेना के पराक्रम पर हमें गर्व है।
उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, अनामिका भारती एवं सुबोध प्रसाद महतो ने कहा कि यह शिविर प्रत्येक रविवार को एक घंटे के लिए आयोजित किया जाता है, जिसमें लोग निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं। शिविर में अनामिका भारती, अंजलि सर्राफ, सुबोध महतो, अतुल सर्राफ, अजय पोद्दार, उमा देवी, साणीउल्लाह अंसारी, जैकेस पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

सीएम से पूर्व सांसद धीरज साहू के मुलाकात को कांग्रेस नेता निश्चय वर्मा ने सराहा, कहा

## विकास की गति होगी तेज

नवीन मेल संवाददाता

**लोहरदगा।** अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा झारखंड युवा प्रदेश अध्यक्ष सह कांग्रेस पार्टी के युवा नेता निश्चय वर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि राज्यसभा के पूर्व सांसद और कांग्रेस के दिग्गज नेता धीरज प्रसाद साहू ने रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच ग्रामीण विकास, खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ साथ झारखण्ड को विकसित राज्य की श्रेणी में लाने जैसी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं में चर्चा हुई, इन सब बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने से एक बात स्पष्ट रूप से सामने आ जाती है कि, धीरज प्रसाद साहू एक दूरदर्शी सोच वाले नेता है, जो भविष्य की जरूरतों का आकलन कर उसे पूर्व में ही व्यवस्थित करना चाहते है, ऐसे ही विकास पुरुष की जरूरत जनता को होती है, जो समस्या का सामना मजबूती से करे और क्षेत्र की जनता को विकास के पथ पर ले जाए, ऐसे नेता सदियों में मिलते है, जैसे कि धीरज प्रसाद साहू जी है।

वही दूसरी ओर देखे तो आजकल बयानवीर नेता बाजार में ज्यादा घूम रहे है, उन्हें क्षेत्र की समस्याओं से न कोई मतलब है न ही चिंता उन्हें तो बस टीवी और अखबार में आना है, श्री वर्मा ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण जनता के बीच रहकर होता है न की बयानबाजी से, इस क्षेत्र की जनता को भी पता है कि असली नेता कौन और एक्टर कौन है। धीरज प्रसाद साहू और उनके परिवार का योगदान हमेशा से क्षेत्र के विकास में रहा है।

इन्होंने निस्वार्थ भाव से क्षेत्र की सेवा की है, आज लोहरदगा में मजदूर यूनियन का इतना बड़ा अधिवेशन जिसमें लगभग 40000 की संख्या में लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने,जो धीरज प्रसाद साहू से मजदूरों का प्रगाढ़ प्रेम को प्रदर्शित करता है जिन्हें सुनने के लिए लोग चिलचिलाती धूप में भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए,आज मजदूर भी जान चुके है कि हमारे मेहनत का सही हक कोई दिला सकता है तो वह है धीरज प्रसाद साहू ।

## अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दंपति घायल

**भंडरा ।** भंडरा - लोहरदगा मुख्य पथ में मसमानो मोड़ के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पति-पत्नी बुरी तरह से घायल हो गए। जिसे स्थानीय ग्रामीणों की मदद से भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर दोनों घायल पति-पत्नी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया है । बता दे कि भंडरा थाना क्षेत्र के भैंसमुंदो निवासी भूतपूर्व सैनिक जोरजॉन बाड़ा अपनी पत्नी फूलमानी बाड़ा के साथ भंडरा से अपना कुछ काम निपटाकर अपने घर जा रहे थे इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन ने ठोक दिया जिसमें दोनों पति-पत्नी बुरी तरह से घायल हो गए हैं सड़क दुर्घटना में जोरजॉन बाड़ा वह फूलमानी बाड़ा का एक पैर टूट गया।

भरनो में विभाग स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक संपन्न

## विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर

**भरनो (गुमला)।** सीताराम साव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भरनो में विद्या भारती की योजनानुसार विभाग स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार, संकुल प्रमुख संजीव कुमार सिन्हा, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय, अध्यक्ष किशोर साहू एवं सचिव श्रीकांत केशरी ने भारत माता की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार ने बैठक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के समग्र विकास हेतु कई महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में वर्षभर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं एवं आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही बच्चों को केवल पाठ्यक्रम आधारित नहीं बल्कि बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से बेहतर एवं संस्कारयुक्त शिक्षा देने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ किया गया। बैठक में गुमला विभाग के सभी प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

## प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, कड़ी कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

**गुमला।** जिले में नशीले पदार्थों की बढ़ती बिक्री और इसके दुष्प्रभाव को लेकर झारखंड प्रदेश प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन की अध्यक्ष देवकी देवी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने गुमला के पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की।

देवकी देवी ने बताया कि जिले में ब्राउन शुगर, डेंड्राइट, गांजा और चुल्लू शराब जैसी नशीली चीजों की खुलेआम बिक्री हो रही है। इनका सबसे ज्यादा असर युवाओं और स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि अब कई लड़कियां भी ब्राउन शुगर की लत की चपेट में

आ चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा कुछ तस्करों को जेल भेजा गया, लेकिन रिहा होने के बाद वे दोबारा इसी गंदे धंधे में सक्रिय हो जाते हैं। देवकी देवी ने नशा बेचने वालों के खिलाफ कठोर और स्थायी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने यह भी बताया कि शहर के कई इलाकों में चुल्लू शराब की बिक्री हो रही है, जो शरीर को दीमक की तरह खोखला कर देती है। इसकी वजह से कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक महिलाएं विधवा हो चुकी हैं।

इसके अलावा, शहर के विभिन्न हिस्सों में टेम्पो और पिकअप चालकों द्वारा वाहनों के अंदर जुआ खेलने की गतिविधियों की भी शिकायत की गई है। गुमला थाना को कई बार सूचित करने के बावजूद इन मामलों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन ने प्रशासन से अपील की है कि नशे और जुए जैसी सामाजिक बुराइयों पर तत्काल और सख्त कदम उठाए जाएं ताकि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके और समाज में शांति कायम हो।

## सड़क दुर्घटना में एक युवती घायल

**भंडरा ।** थाना क्षेत्र के भौंरो मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में एक युवती घायल हो गई। जिसे स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी। बता दें कि भंडरा थाना क्षेत्र के नगड़ी गांव निवासी दशरथ उरांव की पुत्री आरती कुमारी (18 वर्ष) कुम्हरिया अंबा टोली गांव निवासी बुधनाथ उरांव के पुत्र किशोर उरांव के साथ मोटरसाइकिल से कहीं घूमने गई हुई थी। इसी दौरान अपने घर लौटने के क्रम में भौंरो मोड़ के समीप मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इससे आरती कुमारी घायल हो गई। जिसे स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया गया।

## चौकीदार शेख ताहिर का सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

**कुडू (लोहरदगा)।** कुडू थाना परिसर में शनिवार को चौकीदार शेख ताहिर के सेवानिवृत्ति पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता थाना प्रभारी मनोज कुमार ने की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त चौकीदार शेख ताहिर को अंगवस्त्र, शाल, माला एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति सरकारी सेवा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिस दिन कोई व्यक्ति नौकरी प्रारंभ करता है, उसी दिन से उसके सेवानिवृत्ति की तिथि तय हो जाती है। शेख ताहिर ने 60 वर्ष की उम्र तक ईमानदारी व निष्ठा से अपनी सेवाएं दीं, यह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि अब यह जीवन की नई पारी की शुरुआत है, जिसे स्वस्थ, तनावमुक्त और पारिवारिक सुख-संतोष के साथ बिताना चाहिए। इस मौके पर पुअनि कुंदन कुमार रवानी, अश्विनी कुमार, चौकीदार सूफेदा खातून, मालती देवी सहित दर्जनों पुलिसकर्मी, कर्मचारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# टनल में नहीं मिला शव, परिजनों ने पुतला का किया अंतिम संस्कार

## 80 दिन बाद संतोष की प्रतीकात्मक विदाई, बेटे ने पुतले को दी मुखाग्नि

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** तेलंगाना के नागरकुलम टनल हादसे में लापता गुमला जिले के तिर्रा गांव निवासी मजदूर संतोष साहू की मौत की अब पुष्टि भले ही हो गई हो, लेकिन उसका शव आज तक नहीं मिला। हादसे के 80 दिन बाद जब सारी उम्मीदें टूट गईं, तो रविवार की सुबह परिजनों ने संतोष के नाम का पुतला बनाकर हिंदू धर्म के अनुसार विधिपूर्वक अंतिम संस्कार किया। सुबह छह बजे से ही तिर्रा गांव में शोक का माहौल था। परिजनों ने पहले पुतला तैयार किया, फिर पूरे विधि-विधान से शवयात्रा निकाली गई। गांव के सैकड़ों लोग इसमें शामिल हुए। संतोष का प्रतीकात्मक शव जब श्मशान पहुंचा, तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। अंतिम संस्कार की सभी परंपराएं निभाई गईं।

गौरतलब है कि 22 फरवरी को तेलंगाना के नागरकुलम क्षेत्र में सुरंग निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हुआ था। इस हादसे में तिर्रा गांव निवासी मजदूर संतोष साहू सुरंग में फंस गया था। रेस्क्यू अभियान कई दिनों तक चला, लेकिन संतोष का कोई सुराग नहीं मिला। अंततः तेलंगाना सरकार ने टनल क्षेत्र को 'रेड जोन' घोषित कर खोज अभियान रोक दिया। शव न मिलने के बावजूद सरकार ने परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र सौंप दिया। साथ ही, मुआवजे के तौर पर तेलंगाना सरकार की ओर से गुमला उपायुक्त के माध्यम से 25 लाख का चेक संतोष के परिवार को दिया गया। संतोष की पत्नी संतोषी देवी ने बताया कि झारखंड सरकार की ओर से अब तक किसी प्रकार की मदद नहीं मिली है। उन्होंने राज्य सरकार से रोजगार और बच्चों की बेहतर शिक्षा की व्यवस्था की मांग की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार की ओर से बच्चों की पढ़ाई को लेकर केवल मौखिक आश्वासन मिला था, लेकिन कोई ठोस पहल अब तक नहीं हुई।

संतोष के बहनोई श्रवण साहू ने बताया कि हादसे के बाद उपायुक्त कार्यालय के निर्देश पर वे और बहनोई पंकज साहू, अविनाश पाठक तथा सब-इंस्पेक्टर निखिल के साथ करीब एक माह तक तेलंगाना में डटे रहे।

संतोष के प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। ग्रामीणों की आंखें नम थीं और हर कोई परिवार को ढांढस बंधा रहा था। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता और गरीब श्रमिकों की असुरक्षा की कहानी भी है।

### सात वर्षीय बेटे ने दी मुखाग्नि

सबसे मार्मिक क्षण तब आया, जब संतोष के सात वर्षीय बेटे ऋषभ ने पुतले को मुखाग्नि दी। बच्चों की रोती-बिलखती आंखों से निकलते आंसुओं ने हर किसी की आंखें नम कर दीं। संतोष की पत्नी संतोषी देवी बदहवास थीं। तीनों बच्चे — 12 वर्षीय रीमा, 10 वर्षीय राधिका और छोटा बेटा ऋषभ — पिता की तस्वीर से लिपटकर बिलखते रहे।

# 13 लाख की ब्राउन शुगर के साथ अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तीन तस्कर गिरफ्तार

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** गुमला पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन तस्करों को धर-दबोचा है। उनके पास से करीब 13 लाख रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर, दो लग्जरी गाड़ियां, एक देसी पिस्टल, जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल ने की। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ तस्कर दो गाड़ियों में सवार होकर भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ गुमला के रास्ते दूसरे राज्य की ओर जाने वाले हैं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमला-घाघरा मुख्य मार्ग पर नाकेबंदी की गई। इस दौरान दो संदिग्ध गाड़ियों को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में ब्राउन शुगर और हथियार बरामद हुए।

पुलिस ने पिंटू कुमार, विकाश कुमार सिंह और रिषव साहू को किया गिरफ्तार।

# भाभी ने देवर की लाठी-डंडे से की हत्या

**नवीन मेल संवाददाता**

**चैनपुर।** चैनपुर थाना क्षेत्र के चितरपुर में एक घटना सामने आई है, जहां एक भाभी ने अपने देवर की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान रामलाल सियोर पिता सुखी मुंडा (25 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना की जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम को परिवार के सभी सदस्य एक साथ खाना खा रहे थे। इसी दौरान मृतक रामलाल सियोर ने कुछ विवाद के चलते घर में झगड़ा शुरू कर दिया। इस बीच, उसकी भाभी लालो सियोर ने गुस्से में आकर घर में रखी लकड़ी की लाठी उठाई और रामलाल पर हमला कर दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के बाद आक्रोशित भाभी ने हत्या में प्रयुक्त लाठी को सुबह उठाकर आग में जला दिया। शव को घर में रखकर स्थानीय ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्होंने चैनपुर थाना को सूचित किया। थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया। वहीं, आरोपी भाभी लालो सियोर को भी पुलिस थाने लाया गया, जहां उससे पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। इस घटना ने लोगों में हड़कंप मचा दिया है और लोग इस प्रकार के घरेलू विवादों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# चोरी से किसानों में दहशत का माहौल

**चैनपुर।** चैनपुर थाना क्षेत्र के छिछवानी गांव में शनिवार रात को एक गंभीर चोरी की घटना हुई है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीणों के बीच चिंता और दहशत का माहौल बन गया है। कहरु ग्वाला, जो कि एक स्थानीय निवासी हैं, ने आरोप लगाया है कि रात नौ बजे उनके घर से तीन बकरियाँ और तीन बकरें चुरा लिए गए।कहरु ग्वाला के अनुसार, चोरों ने अपने चेहरे पर काला कपड़ा बांध रखा था और उन्होंने उन्हें धमकी दी कि यदि उन्होंने इस बारे में पुलिस को बताया, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना ने न केवल कहरु ग्वाला को बल्कि पूरे गांव को असुरक्षित महसूस कराया है।चोरी की इस घटना के बाद ग्वाला ने चैनपुर थाना में आवेदन देकर न्याय की मांग की है। स्थानीय पुलिस ने इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जांच प्रारंभ कर दी है और चोरों की तलाश में जुट गई है।ग्रामीणों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से उचित कदम उठाने की अपील की है। घटना के बाद से गांव में भय की स्थिति बनी हुई है। सभी को उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही इस मामले का हल निकालेगी और चोरों को गिरफ्तार करेगी।

# मदर्स डे पर माताओं को किया गया सम्मानित

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** रविवार को लायंस भवन में अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में भावपूर्ण वातावरण में मदर्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष द्वारा अतिथि एवं सदस्यों के स्वागत से हुई। इस अवसर पर सचिव अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत एना जार्विस ने अपनी मां को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से की थी, जिनका निधन मई माह में हुआ था। चूंकि रविवार को अवकाश होता है, इसलिए उन्होंने इस दिन को चुना। मुरली मनोहर प्रसाद ने माताओं के योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। जिला अध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि मां के प्यार और देखभाल के लिए हर दिन खास होता है, लेकिन मदर्स डे एक विशेष अवसर है, जब हम उन्हें खुले दिल से 'थैंक यू' कह सकते हैं। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डॉ. शंकर लाल जाजोदिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसके उपरांत उपस्थित सभी माताओं को तौलिया, पेन और डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में प्रमुख रूप से कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, मनमोहन केसरी, विशाल कुमार बिट्टू, शिवकुमार लाल, संजय अग्रवाल, गुलाबचंद सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। सम्मानित होने वाली माताओं में किरण जायसवाल, रीता देवी, अनुराधा प्रसाद, रीता कुमारी गुप्ता, सुषमा सरोज कुजूर, मोनिका टोपो, पुनीत एक्का, उपासना टोप्पो, शांति मिंज, ओह्मानी लकड़ा, एलिस कुल्लू, दुलारी टोप्पो, लिली गणेश टोप्पो, सैंडी कुजूर, सरोज तिर्की, दीपाली देवी और पी. रो. योगेंद्र प्रसाद साहू का नाम प्रमुख रहा।

### स्कूल रुआर कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

# डीईओ ने नामांकन विवरण अपलोड करने में लापरवाही पर जताई नाराजगी

- 13 मई तक गूगल फॉर्म भरकर नामांकित बच्चों का विवरण अनिवार्य रूप से साझा करें।

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो की अध्यक्षता में स्कूल रूआर कार्यक्रम 2025 के तहत एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी शिक्षक संघ प्रतिनिधियों के साथ एसडीपीओ गुमला भी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के पोषक क्षेत्र में ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान, नए नामांकन की समीक्षा एवं सड़क सुरक्षा व नशामुक्ति को लेकर जनजागरूकता फैलाना रहा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट किया कि राज्य स्तरीय शैक्षणिक आंकड़ों में गुमला जिले की स्थिति संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण जिले की रैंकिंग प्रभावित हो रही है। समीक्षा में यह सामने आया कि अधिकांश विद्यालयों ने बच्चों का नामांकन तो किया है, लेकिन दो तिहाई से अधिक विद्यालयों ने राज्य स्तरीय गूगल लिंक में बच्चों की जानकारी अपलोड नहीं की है। शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया।

डीईओ कविता खलखो ने सभी शिक्षक संघों से आग्रह किया कि वे अपने स्तर से प्रयास कर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यालय 13 मई तक गूगल फॉर्म भरकर नामांकित बच्चों का विवरण अनिवार्य रूप से साझा करें। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उपायुक्त के आदेशानुसार सभी सरकारी उच्च एवं प्लस टू विद्यालय 14 मई तक छात्र कोष और विकास कोष से संबंधित विवरण जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

तकनीकी युग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए डीईओ ने शिक्षकों से अपील की कि वे समयबद्ध रिपोर्टिंग के प्रति गंभीर रहें और विभागीय कार्यों को ऑनलाइन माध्यम से समय पर पूरा करें।

इस दौरान एसडीपीओ गुमला ने सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठकों में अभिभावकों को जागरूक किया जाए कि वे अपने नाबालिग बच्चों को मोटर बाइक चलाने की अनुमति न दें, क्योंकि इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

# संत जॉन कैथोलिक परिसर में धूमधाम से मना बाबा दिवस

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** चैनपुर स्थित संत जॉन कैथोलिक परिसर में रविवार को बाबा दिवस समारोह बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर फादर डीन जेविरियानुस किंडो और सह-अनुष्ठानकर्ता फादर पवन ने पवित्र मिश्रा पूजा संपन्न कराई। फादर डीन ने अपने संदेश में कहा कि प्रभु ईसा मसीह के पालक पिता संत जोसेफ ने जिस प्रकार से उनका पालन-पोषण किया, उसी तरह हर पिता को अपने बच्चों के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में मेल, प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना सिर्फ अपनों के साथ नहीं बल्कि सभी के साथ होनी चाहिए। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि फादर डीन के स्वागत से हुई। उन्हें मंच तक लाया गया जहां उन्होंने बाबा दिवस का झंडा फहराया। मंच पर अन्य अतिथियों का स्वागत बाबाओं ने पुष्पगुच्छ व माला पहनाकर किया। इसके पश्चात चैनपुर पारिसक्षेत्र से आए बाबाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर फादर पवन लकड़ा, फादर अगस्टुस, फादर अदिप, जीप सदस्य मेरी लकड़ा, पूर्व प्रिंसिपल फिल्मोंन कुजूर, कई धर्म बहनें एवं बड़ी संख्या में धर्मविश्वासी मौजूद रहे। समारोह में समर्पण, संस्कृति और सामुदायिक सौहार्द्र की अद्भुत झलक देखने को मिली।

# अवैध निकासी की जांच करने सोनुआ बीआरसी पहुंचे डीईओ

**चाईबासा।** पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ बीआरसी की लेखापाल सह कंप्यूटर ऑपरेटर रोमा चक्रवर्ती द्वारा 6 लाख 24 हजार रुपए की अवैध निकासी की जांच करने शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो के नेतृत्व में जिला की टीम बीआरसी पहुंची. टीम ने इस मामले में लेखापाल से हर बिंदु पर पूछताछ की. सोनुआ बीआरसी पहुंची टीम ने लेखापाल द्वारा बीआरसी के बीपीओ राजीव सिन्हा व एमडीएम ऑपरेटर आशीष प्रमाणिक के खिलाफ की गई शिकायत की भी जांच की. तीनों कर्मियों को कड़ी फटकार भी लगाई। टीम बीआरसी कार्यालय में विभिन्न मद में हुए भुगतान से सम्बन्धित रजिस्टर को भी साथ लेते गई. डीईओ ने कहा कि फिलहाल अवैध निकासी के आरोप की जांच की गई है. हालांकि, शिकायतकर्ता के अनुपस्थित रहने के कारण कई बिंदु पर जानकारी नहीं मिल पाई.सोनुआ बीआरसी के लेखापाल द्वारा अवैध निकासी व दबाव देकर शिक्षकों से अपने करीबी वेंडर से सामग्री की खरीदारी कराने की यह पहली घटना नहीं है. इससे पूर्व भी इस तरह के आरोप बीआरसी के लेखापाल पर लगते रहे हैं. शिकायतकर्ता द्वारा डीसी के नाम दिए गए पत्र डीईओ पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं. लेकिन इस मामले की जांच का आदेश स्वयं डीईओ द्वारा निकाला गया है. डीईओ स्वयं मामले की जांच करने अधिकारियों के साथ सोनुवा बीआरसी पहुंचे थे. इससे यह चर्चा का विषय बना हुआ कि जिस पर आरोप लगा है, वही मामले की जांच कर रहा है. ऐसे में जांच पर अभी से सवाल उठने लगे हैं।

# पारंपरिक जेठ जतरा का आयोजन कल

**भरनो (गुमला)।** भरनो प्रखंड के दक्षिणी भरनो पंचायत अंतर्गत जेठ जतरा बगीचा में आगामी 13 मई को 21 पड़हा भरनो के तत्वावधान में पारंपरिक जेठ जतरा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश उरांव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जेठ जतरा को पारंपरिक रीति-रिवाज और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान रात्रि में नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जो स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। समिति के सदस्य उत्साहपूर्वक तैयारियों में जुटे हुए हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।

# मदर्स डे पर बच्चों ने बनाया मां के नाम कार्ड

**नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़**

मदर्स डे परवरिश एडुकेयर स्कूल, कुंदरियाबांध कुजू में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें स्कूली बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन किया।

विद्यालय प्रबंधक ने पीजी नर्सरी से लेकर वर्ग 9वीं तक के बच्चों के लिए मदर्स डे संबंधित चित्रांकन कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे कक्षा पीजी नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने भी अपनी मां के लिए ब्रौच कार्ड बनाया। जबकि कक्षा एक से लेकर चार के विद्यार्थियों ने अपनी मां के लिए अपने हाथों से कार्ड बनाया और कक्षा पांच से लेकर नौ तक के बच्चों ने मदर्स डे संबंधित पोस्टर बनाया। वहीं, विद्यालय प्रबंधन ने सफल बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र कुमार व प्रबंध निदेशक विकास कुमार सिंह ने मदर्स डे पर बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ ही हमारी पहली शिक्षक, दोस्त और सबसे बड़ा शुभचिंतक है। वो हमारी हर मुस्कान के पीछे रहकर हर आंसू को चुपचाप अपनी ममता से पोंछ देती है। मदर्स डे ही एक ऐसा दिन जो पूरी तरह से मां को समर्पित है। लेकिन क्या एक दिन मां के लिए काफी है शायद नहीं मां के लिए तो हर दिन हर पल समर्पित होनी चाहिए। इधर, विद्यालय की समन्वयक रश्मि कुजूर ने मौजूद माताओं को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को मदर्स डे का महत्वों से अवगत कराया। कहा कि मां ही एक ऐसा शब्द है, इसके महत्व के विषय में जितनी भी बात की जाए कम है। हम मां के बिना अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकती है। यही कारण है कि मां को ईश्वर का रूप माना गया है। एक मां अपने बच्चों से सबसे अधिक प्रेम करती है। मां ही शिक्षक से लेकर पालनकर्ता जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है।

## अंडर 17 बालिक वर्ग में शकीला तो लड़कों में देवव्रत प्रथम

**धनबाद।** गोविंदपुर प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसमें प्रखंड के सभी प्लस तू व हाई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया. अंडर 17 एकल बालिका वर्ग में शकीला खातून प्रथम व अंशिका कुमारी द्वितीय रही, जबकि बालक वर्ग में देवव्रत गोप प्रथम विजय कुमार द्वितीय रहे, वहीं, अंडर-19 बालिका में राखी कुमारी प्रथम व बालक वर्ग में सोनू कुमार मुंडा प्रथम व जाहिद अंसारी द्वितीय रहे. इसी प्रकार अंडर 17 बालक युगल में जगदीश मंडल व खेमलाल मंडल विजेता तथा सुमित कुमार दास व पंकज मालाकार उपविजेता बना। नदीम अंसारी व निसार अंसारी विजेता तथा दीपक कुमार व आशुतोष शर्मा उपविजेता बना।

# महिला महाविद्यालय की छात्राओं का भविष्य अंधेरे में, एक भी स्थायी शिक्षक नहीं

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला ।** राज्य सरकार द्वारा गुमला में बनवाया गया महिला महाविद्यालय इन दिनों गंभीर शिक्षकीय संकट से गुजर रहा है। लाखों की लागत से तैयार यह मॉडल कॉलेज अब 278 छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करता नजर आ रहा है क्योंकि यहां एक भी स्थायी प्राध्यापक तैनात नहीं है। सिर्फ एक स्थायी प्राचार्य, एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी और तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के भरोसे यह संस्थान चल रहा है। कॉलेज में वाणिज्य, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, हिंदी, अंग्रेजी, नागपुरी, संस्कृत जैसे विषयों में नामांकन लिया जाता है।

पहले सत्र में 30 और दूसरे सत्र में 248 छात्राओं का नामांकन हुआ, अब कुल 278 छात्राएं अध्ययनरत हैं। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए कॉलेज प्रशासन ने रांची विश्वविद्यालय से कई बार पत्राचार किया, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन मिला है। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सीमा नंद खुद समय निकालकर कई विषय पढ़ा रही हैं, जिससे पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो पा रहा है। आज गुमला के युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने देवेंद्र लाल उरांव और नेल्सन भगत की अगुवाई में कॉलेज का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्राचार्या से मिलकर विस्तृत चर्चा की और शिक्षकों की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की। छात्रा सुषमा उरांव ने कहा, "शिक्षकों की भारी कमी के कारण हमारी पढ़ाई बाधित हो रही है। यदि सरकार बहाली करती तो हम बेहतर शिक्षा प्राप्त कर पाते।" एम. मणि बखाला ने कहा, "कॉलेज

# धार्मिक स्थलों की घेराबंदी और सौंदर्यीकरण कराने की मांग

**नवीन मेल संवाददाता। डुमरी**

जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने बीडीओ डुमरी को पत्र सौंप कर विभिन्न पंचायतों में स्थित धार्मिक स्थलों की घेराबंदी और सौंदर्यीकरण कराने की मांग की है।जिप सदस्या ने मटियोबेड़ा दुर्गा मंडप की घेराबंदी कराने,मटियोबेड़ा शिव मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,मधवाडीह हनुमान मंदिर की घेराबंदी कराने,नाथडीह सुरंगी पहाड़ी मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,तेलियाटुण्डा शिव मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,चरकीटोंगरी हनुमान मंदिर की सौन्दर्यीकरण एवं घेराबंदी कराने,लक्ष्मणटुण्डा दुर्गा मंदिर की घेराबंदी एवं सौन्दर्गीकरण कराने,सीताराम ठाकुरबाड़ी लक्ष्मणटुंडा की सौन्दर्याकरण एवं घेराबंदी कराने, लक्ष्मणटुंडा पुरानी दुर्गा मंदिर की घेराबंदी कराने,लक्ष्मणटुण्डा बजरंगटांड़ की सौन्दर्यीकरण एवं घेराबंदी कराने,रांगामाटी मनोकामना धाम मंदिर की सौन्दर्गीकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, डुगडुगिया हनुमान मंदिर की सौन्दर्यीकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,रांगामाटी यादव टोला हनुमान मंदिर की घेराबंदी,सौन्दर्याकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,गट्टीगढ़ा हनुमान मंदिर की घेराबंदी एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी बाजार दक्षिणी,पहाड़ी शिव मंदिर की घेराबंदी एवं सौन्दर्याकरण कराने,अरगाघाट स्थित सूर्य मंदिर की सौन्दर्याकरण,घेराबंदी,पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, पंजाबी टोला हनुमान मंदिर की घेराबंदी,सौन्दर्थीकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी राधा कृष्ण ठाकुरबाड़ी की सौन्दर्याकरण कराने,पारसनाथ स्टेशन के पीछे शिव मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,इसरी के हटियाटांड़ दुर्गा मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,बस स्टैण्ड हनुमान मंदिर की घेराबंदी एवं सौन्दर्यीकरण कराने,दुधपनिया की शमशान घाट की घेराबंदी,शेड निर्माण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने, मधगोपाली शमशान घाट में शेड निर्माण व घेराबंदी कराने,घुटवाली की शमशान घाट में शेड निर्माण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,जामतारा पुल के पस श्मशान घाट,शेड निर्माण,घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,जामतारा जमुनिया नदी में श्मशान घाट में शेड निर्माण,घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,जामतारा पिपराडीह के श्मशान घाट में घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी दक्षिणी की जमुनिया नदी के श्मशान घाट में शेड निर्माण एवं घेराबंदी,पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी दक्षिणी स्थित मुक्तिधाम की घेराबंदी,शेड निर्माण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,गट्टीगढ़ा की श्मशान घाट में शेड निर्माण, घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने, बजरंगटांड़ के पास श्मशान घाट में सौन्दर्गीकरण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। बगजोगरा शमशान घाट की घेराबंदी,शेड निर्माण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,तेलियाटुण्डा करमादाह शमशान घाट की घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,महरामहुआ शमशान घाट की घेराबंदी, शेड निर्माण में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने एवं मटियोबेड़ा श्मशान घाट की घेराबंदी, सौन्दर्गीकरण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

# मित्रता हो तो श्री कृष्ण और सुदामा जैसी : त्रिदेव शास्त्री

**धनबाद।** गोविंदपुर के गोसाईंडीह में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापह हो गया. कथा के अंतिम दिन कथा व्यास त्रिदेव शास्त्री ने मित्रता का मर्म समझाया. कहा कि मित्रता अगर देखनी हो तो श्री कृष्णा और सुदामा की देखें. एक महाराजा और दूसरा दरिद्र ब्राह्मण. दोनों की मित्रता अंतरात्मा से थी. लेकिन आज लोगों में दोस्ती कामर्शियल हो गई है. लेन-देन हो, व्यापार चलता हो तो मित्रता है, अन्यथा नहीं. व्यापार और लेन-देन छुटते ही मित्रता समाप्त हो जाती है. उन्होंने कहा कि सुदामा पोटली में चावल बांधकर श्री कृष्ण से मिलने द्वारिका गए थे. सुदामा को देखते ही श्री कृष्ण ने उनकी स्थिति जान ली थी. सुदामा जब वापस लौटने लगे, तो बार-बार कहा कि अब मैं जा रहा हूं. उन्हें लगा कि श्री कृष्ण जाते वक्त कुछ दे देंगे, पर इसके पहले ही श्री कृष्ण ने उनकी झोपड़ी को महल में बदल दिया था. जब सुदामा अपने घर पहुंचे तो झोपड़ी ढूंढने लगे, परंतु वह झोपड़ी थी ही नहीं।

# स्टेडियम के वॉकिंग ट्रैक पर सोलर लाइट लगाने का लिया निर्णय

**नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग**

शहर के साकेतपुरी स्थित स्व.संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम का हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद सह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने संघ के सदस्यों के साथ निरीक्षण कर जायजा लिया। स्टेडियम के आस-पास के महिलाओं और बुजुर्गों के सुबह- शाम टहलने के लिए स्टेडियम के वॉकिंग ट्रैक पर शीघ्र ही सोलर लाइट स्थापित करने का निर्णय लिया जाएगा। एचडीसीए के निजी मद से यह कार्य किया जाएगा ताकि वॉकिंग ट्रैक की रोशनी बेहतर हो और यहां टलने वालों को सहूलियत हो। इस स्टेडियम को क्रिकेटरों के अनुरूप उन्नत क्रिकेट स्टेडियम के तौर पर विकसित किया गया है। ग्राउंड की हरियाली देखते ही बनती है और यहां नाइट टूर्नामेंट के लिए फ्लड लाइट भी अधिष्ठापित किया गया है। ग्राउंड का पवेलियन भी आकर्षक बनाया गया है। यहां राज्यस्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भी आयोजन हो रहा है।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

मानसिक दैनंदिनी रखना अच्छी बात है। रात में सोने से पहले थोड़ी देर के लिए बैठो और उस दिन पर पुनर्विचार करो। देखो कि तुम क्या बनते जा रहे हो। क्या तुम अपने जीवन के प्रवाह से प्रसन्न हो? यदि नहीं, तो इसे बदल डालो। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

## संपादकीय

# युद्ध रोकने की रणनीति

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को पर्यटकों पर किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में एक प्रभावी और निवारक प्रतिक्रिया जरूरी थी। सवाल यह था कि आखिर यह प्रतिक्रिया किस स्तर की होनी चाहिए? पूरे देश की ओर से 'बदला' और बड़े पैमाने पर प्रतिशोध का आह्वान किया गया। बहुत कम ही लोगों को इस बात का अहसास हुआ कि पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध नहीं हो सकता। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरुआती दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने हस्तक्षेप करते हुए 16 सितंबर, 2022 को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहा था, "यह युद्ध का युग नहीं है"। इन शब्दों ने जहां प्रधानमंत्री मोदी को पूरे विश्व में सराहना दिलाई, वहीं, भारत में उन्हें एक राजनेता और शांति कायम करने वाले नेता के रूप में प्रशंसा दिलाई। दुनिया के कई देशों ने पीएम की बातों को याद करते हुए निजी तौर पर भारत को सलाह भी दी। युद्ध शुरू न करने के और भी कारण थे पहला, रूस-यूक्रेन संघर्ष या इस्राइल-हमास संघर्ष के विपरीत, भारत-पाकिस्तान टकराव में खास बात यह थी कि दोनों पक्ष परमाणु शक्ति संपन्न थे। दूसरा, दुनिया युद्ध के प्रति असहिष्णु हो गई है। वर्तमान में चल रहे दो बड़े युद्धों में अब तक यूक्रेन में 13,000 और गाजा में 50,000 लोगों की जानें जा चुकी हैं। इसके अलावा रूस और इस्राइल में भी सैकड़ों लोग मारे गए हैं। ऐसे में दो परमाणु शक्तियों के बीच एक और बड़ा युद्ध विश्व की स्थिरता और अर्थव्यवस्था को विनाश के कगार पर ले आता। प्रधानमंत्री मोदी ने इन बाधाओं को महसूस करते हुए बुद्धिमानी से चुनिंदा लक्ष्यों तक सीमित और संतुलित सैन्य प्रतिक्रिया को चुना। मंगलवार, 7 मई 2025 को भारतीय सेना ने नौ लक्ष्यों (पाकिस्तान में 4 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 5) पर मिसाइल और ड्रोन दागे तथा आतंकवादी ठिकानों के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। यह पैमाने और समय दोनों के लिहाज से जानबूझकर किया गया सीमित अभियान था और इसने अपने उद्देश्य में सफलता भी हासिल की। यह आतंकवाद से पीड़ित एक देश की वैध प्रतिक्रिया थी। भारत ने जवाबी कार्रवाई में नागरिक बस्तियों या संपत्तियों को निशाना नहीं बनाया और न ही इसका लक्ष्य पाकिस्तान का सैन्य ढांचा था। यह तो माना ही जा रहा था कि पाकिस्तान इस पर प्रतिक्रिया देगा, सो पाकिस्तान ने सेना के जनरलों और आईएसआई के प्रभाव में आकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार गोलीबारी की। अगर पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू कर दिया होता, तो उसे ओआईसी समेत कई देशों का कोपभाजन बनना पड़ता। हालांकि, यह मान लेना बेवकूफी होगी कि पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आने वाले दिनों में और भी आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई नहीं करेंगे। इसके अलावा, यह मान लेना भी गलत होगा कि 7 मई को आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हमले के बाद तीनों संगठन - द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) खत्म हो गए। उनका नेतृत्व अभी भी बरकरार है और पहले भी उन्होंने यह दिखाया है कि वे मारे गए नेताओं के स्थान पर नए नेताओं को सामने लाने में सक्षम हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तान में ऐसे युवा भी हैं, जो भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भर्ती होने, प्रशिक्षित होने और प्रेरित होने के लिए तैयार हैं, जिसमें आत्मघाती बनना तक शामिल है।

> *दुनिया के कई देशों ने पीएम की बातों को याद करते हुए निजी तौर पर भारत को सलाह भी दी।*

# हर एक व्यक्ति नदी का एक द्वीप है!

हर व्यक्ति एक संपूर्ण इकाई है। हर कोई जीवन का अन्तिम दर्शन अपने जीवन से पाता है। वह किसी के सीख से सबक नहीं लेता है, बल्कि वह सीखता है- उन वेदनाओं में जो मांजती है, पीड़ा जो व्यस्क बनाती है, और धीरे-धीरे एक मुक्कमल आदमी बना देती है। समाज का अंग होते हुए भी हम उसी समाज की तीव्रगामी धाराओं, भंवरों और तरंगो के बीच अपने भीतर एक द्वीप की तरह लगातार बनते, बिगड़ते और फिर बनते रहते है। इस तरह हर व्यक्ति नदी के एक द्वीप की तरह है। जहां जीवन कभी-कभी तो सुंदर और खुशियों से भरा होता है, लेकिन उसकी सुंदरता ज्यादा समय तक नहीं रह पाती। हर समय उस द्वीप को खतरा बना रहता है, डूबने का। हम सबका जीवन भी ज्ञान, विचार, सीख और शब्दों की नदी में प्रवाहित होता रहता है। कब इस द्वीप का किनारा टूट जाए, पता नहीं होता है। ऐसे में जीवन खुद निरंतर बहते रहना है और उस बहाव के साथ खुद को जोड़कर बस आनंद में रहना है।

उत्कृष्टता की ओर आरोहण करने में अज्ञेय का साहित्य सर्वोपरि है। वह मनोवैज्ञानिक की भांति मानवीय चेतना के उदात्त भावों को उजागर करते हैं। व्यक्ति के चित्त पर चोट करते हैं और चिंतन को एक नये क्षितिज की ओर ले जाते हैं। उनका उपन्यास " नदी के द्वीप " हिंदी साहित्य के कुछेक बेहतरीन बौद्धिक दर्शन पर आधारित किताब है, जिसमें उन्होंने व्यक्ति के विकसित आत्म को निरुपित करने की सफल कोशिश की है। उनके उपन्यास " शेखर एक जीवनी "की संरचना और शिल्प विकासीशील व्यक्ति और उसकी व्यवस्थाओं के इर्द गिर्द रहीं, जबकि "नदी के द्वीप "का शिल्प आंतरिक रूप से विकसित व्यक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। समाज के जिस अल्पसंख्यक हिस्से से इस उपन्यास के पात्रों का सम्बन्ध है, वह अपनी संवेदना की गहराई के चलते आज भी समाज की मुख्यधारा में नहीं है ! 'नदी के द्वीप' के चारों पत्र मानव-अनुभूति के उस संवेदना-प्रवण वर्ग की ईमानदार अभिव्यक्ति करते हैं ! 'इसके सामाजिक संसार के संबंध में खुद अज्ञेय कहते है कि-दर्द से मंजकर व्यक्तित्व का स्वतंत्र विकास, ऐसी स्वतंत्रता की उद्भावना जो दूसरे को भी स्वतंत्र करती हो! हिंदी साहित्य में कुछेक रचनाएं कालजयी और विश्व के उत्कृष्ट सृजन में स्थान रखते हैं, उनमें यह उपन्यास! 'नदी के द्वीप' निश्चित रहेगा। इसे चार प्रमुख किरदारों भुवन, गौरा, रेखा और चन्द्रमाधव के जीवन को केंद्र पर रख कर लिखा गया है। यह एक प्रेम कहानी है जहाँ रेखा और गौरा भुवन से प्यार करते हैं और उसके जीवनशैली से बहुत हद तक प्रभावित होते हैं। दोनों ही के जीवन में उसका आगमन बहुत अलग तरह से होता है। रेखा से उसकी मुलाकात उसके मित्र चन्द्रमाधव के माध्यम से होती है जो मूलतः एक पत्रकार होता है और साहित्य जगत से जुड़ा होता है। वहीं भुवन कॉस्मिक रश्मियों पर शोध करने वाला देश का उभरता हुआ एक वैज्ञानिक होता है। गौरा से उसका पुराना परिचय रहता है। भुवन एक मास्टर के रूप में बचपन से उसे हिडिम्बा के नाम से चिढ़ाया करता है तथा जीवन के मुश्किल क्षणों में उसका मार्गदर्शन करता रहता है। चन्द्रमाधव स्वभाव से कुटिल होता है और रेखा से प्रेम कर बैठता है परंतु रेखा को भुवन की और आकर्षित होते देख उसके सीने पर साँप लौटने लगते हैं और वो खुद को महान बताने के प्रयास में जो भी कदम उठाता है वो सब पैतरे उसपर ही भारी पड़ते हैं।

आज की बात

**डॉ मयंक मुरारी**

अज्ञेय के इस उपन्यास को पढ़ते हुए विश्व विख्यात उपन्यासकार फ्योदोर दोस्तोवास्की के उपन्यास " ब्रदर्स कार्मोझोव " का स्मरण हो आया। इसमें भी चार पात्रों के इर्द गिर्द कथाएं घूमती हैं। दोस्तोवास्की चार भाईयों की अंतर्कथाओं के माध्यम से बेइंतहा प्यार, कत्ल और आध्यात्मिक खोज की यात्रा कराते हैं। यहां अर्थपूर्ण है कि खुद दोस्तोवास्की अपना नाम फ्योदोर कर्मोझोव और उसके चार पुत्र को देते है। इसमें सबसे छोटा उपन्यास का नायक है। मनुष्य और उसकी समस्याओं के प्रति उनकी अंतदृष्टि किसी मनोचिकित्सक से बेहतरीन है। अज्ञेय भी अपने उपन्यास में एक लेखक से ज्यादा मनोवैज्ञानिक के रूप में समसामयिक एवं भविष्य का मानसचिंतन करते हैं। " ब्रदर्स कार्मोझोव " में एक पात्र कहता है कि यदि ईश्वर होगा, तो मैं अपना टिकट वापस कर दूंगा। तुने मुझसे पूछे बैगर मुझे इस धरती पर क्यों भेजा ? इसी प्रकार अज्ञेय के उपन्यास में चित्त के उलझन और ज्ञान की पहेलियों के कई छोटे-छोटे द्वीप हैं। उस प्रवाह से घिरे हुए भी, उससे कटे हुए भी। भूमि से बँधे और स्थिर भी, पर प्रवाह में सर्वदा असहाय भी...। एक पात्र एक जगह कहता है कि तुमने एक ही बार वेदना में मुझे जना था, माँ । पर मैं बार बार अपने को जनता हूँ, और मरता हूँ। पुनः जनता हूँ और पुनः मरता हूँ और फिर जनता हूँ, क्योंकि वेदना में मैं अपनी ही माँ हूँ। मानवीय संबंधों के उलझे जाल को प्रकट करने के लिए फ्योदोर दोस्तोवास्की को 936 पन्नें खर्च करने पड़े, जबकि अज्ञेय को 310 पन्नों में उकेरना पड़ा। क्या अज्ञेय के इस उपन्यास पर फ्योदोर दोस्तोवास्की के उपन्यास का प्रभाव था ? कहना कठिन है, लेकिन दो उपन्यास कालजयी है।

अज्ञेय की दृष्टि तत्कालीन घटनाओं से ज्यादा व्यक्ति की आंतरिक चिंतन धारा और मानसिक उथल-पुथल पर अधिक होती है। वह खोजते है कि आदमी अपने अंदर से एक सदी में भी कहां बदला है ? अज्ञेय से लगाव इसलिए है क्योंकि वह घटनाओं के बारे में उतना नहीं लिखते। वह अंतर मन के बारे में लिखते हैं। वह कहते है कि आनंद अनुभूति में नहीं है, किसी भी अनुभूति में नहीं, आनंद मन की एक प्रवृति है, जो सभी अनुभूतियों के बीच बनी रह सकती है। जब भुवन रेखा के सामने शादी का प्रस्ताव रखता है तो वो बेबाक होकर अपनी राय रखती है और बोलती है कि यह घटना परिमामस्वारूप हुई है ना कि कारणस्वरूप अगर आप मेरे साथ रात ना गुजारते तो शायद आप ये मांग ना रखते । मुझे आपसे बस प्रेम चाहिए। इस उपन्यास में कोई केंद्रीय पात्र नहीं है, बल्कि नदी के द्वीप में चारों किरदारों की भूमिका, उनका जीवन चरित्र परिस्थितियों के अनुकूल किया गया है। किसी एक को प्रधान मान कर उसे महान बताने की चेष्ठा नहीं की गई है और पाठकों को ये सुविधा दी गयी है कि वो हर किरदार का अपने विवेक के अनुरूप आँकलन कर सकें। इस कहानी के संवाद बहुत गहरे, जटिल और सभ्य तरीके से पेश किए गए हैं। कुछ संवाद भावविभोर कर रख देते हैं तो कुछ संवाद दर्शन की गूढ़ विचार है।

अपने इस उपन्यास के माध्यम से अज्ञेय ने प्रेम कहानी की धारा को बदल दिया। प्रेम कहानी के साथ साथ सामाजिक मुद्दे और मनोवैज्ञानिक स्तर पर ये उपन्यास बहुत अहम सवाल खड़ा करता है और सोचने पर विवश करता है। एक जगह वर्णन है कि-असल में सब सिद्धान्त क्षतिपूरक होते हैं। आप जो हैं, जैसे हैं, उससे ठीक उल्टा सिद्धान्त गढ़ कर उसका प्रचार करते फिरते हैं। इससे एक तो हम अपने लिए एक सन्तुलन स्थापित कर लेते हैं, दूसरे औरों को गलत लीक पर डाल देते हैं, ताकि खुद को ठीक-ठीक कोई पकड़ न पा सके। यह जीवन की सच्चाई है, जिसे मानते सभी है लेकिन स्वीकार कोई बिरला ही कर पाता है। रेखा और भुवन दोनों ही इसके सश्क्त उदाहरण हैं, जो लोगों को अपने मन में चल रही बातों से अवगत कराना पसंद नहीं करते हैं और हर बार एक नई थ्योरी को जन्म देकर लोगों को मन के भीतर झाँकने वाले द्वार से भटकाते रहते हैं। रेखा को हम "गुनाओं का देवता" के पम्मी से भी जोड़ कर देख सकते हैं और दोनों किरदारों की समानता और विचार सशक्त नारी का एक बेजोड़ नमूना दिखा जायेंगे। रेखा शुरू से अंत तक किस्मत की मारी स्त्री तो है किंतु टूटी हुई और दुर्लभ स्त्री नहीं है। वह बताती है कि प्रेम ऐसी भावना है कि जिस पर हर एक का निजी अधिकार और अनुभव होता है। अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है प्रेम। आदर्शों को परे धकेलते हुए। जीवन प्रेम में होने का पर्याय है। फिर प्रेम देह से हो या देह की स्मृति से।

इस किताब के बारे में दार्शनिक ओशो ने कहा कि यह उपन्यास उन लोगों के लिए है जो ध्यान करना चाहते हैं। यह ध्यानी का उपन्यास है। टॉल्सटॉय या चेखक द्वारा लिखे गए किसी भी अन्य उपन्यास की तुलना इससे नहीं की जात सकती है। इसलिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह हिंदी में लिखा गया है। ओशो का कहना तब सही लगता है जब इस किताब को पढ़ते हुए हम मानवीय अभिव्यक्ति की दिव्य ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं, जब एक बार भुवन रूकते हैं और अपनी प्रेमिका के शरीर को अपनी बांहों में लेने के उस सबसे प्रतीक्षित क्षण से ठीक पहले ये शब्द कहते हैं- चलो ऐसा न करें... चलो अछूते की सुंदरता को वैसे ही रहने दें और इसे खराब न करें। इस किताब का नाम 'नदी के द्वीप' बहुत समीचीन प्रतीत होता है। पात्र एक दूसरे को देखते हैं, बात करते हैं, लेकिन कभी मिलते नहीं है। इससे उनके बीच के दिव्य प्रेम अक्षुण्ण रहती है।

**(यह आलेख साहित्यकार अज्ञेय के उपन्यास "नदी के द्वीप" पर आधारित है।)**

# युद्धरत आम आदमी मांग रहा हिसाब

पाकिस्तान एक बार फिर अपने नापाक इरादों को लेकर बेनकाब हो गया है। आतंकी संगठन उसकी गोद में पल रहे हैं, और वह खुद को मासूम दिखाने की कोशिश में वैश्विक मंचों पर दोगलापन ओढ़े हुए है। हाल की घटनाओं में निर्दोष पर्यटकों पर हुए हमले ने न केवल भारत को झकझोर दिया है, बल्कि एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि आतंकवाद पाकिस्तान की सरकारी नीति बन चुका है। घटनाओं की श्रृंखला में जम्मू-कश्मीर में हुए ताजा आतंकी हमले में मासूम पर्यटकों की निर्मम हत्या हुई। न कोई वर्दी थी, न कोई बंदूक केवल भारत से प्रेम लेकर वह धरती देखने आए थे। लेकिन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने उनकी सांसें छीन लीं। उनके पीछे रोती मांएं, टूटती मांगें, बेसहारा बच्चे और सुन्न पिता रह गए। सरकार ने तुरंत 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और अब भारतीय सेना जवाब दे रही है, उसी भाषा में जिसमें पाकिस्तान समझता है। मगर इस पूरे परिदृश्य में जो सबसे ज्यादा घायल है, वह है भारत का आम आदमी। वह जो रोज रोटी के लिए मेहनत करता है, अब देश की रक्षा की कीमत भी चुका रहा है। वह जानना चाहता है, आखिर ये सिलसिला कब रुकेगा? क्यों आतंक की जड़ें खत्म नहीं हो रहीं? आखिर कितनी और चिताएं जलेंगी? कितने और शव तिरंगे में लिपटेंगे? भारत का मुसलमान भी इस युद्ध में दोहरी पीड़ा झेल रहा है। एक ओर वह भारत का वफादार नागरिक है जिसने गंगा-जमुनी तहज़ीब को जिया है, और देश की हर लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान उसकी धार्मिक पहचान का गलत इस्तेमाल कर उसे शक की नजरों में लाने की साजिश कर रहा है। यह खतरनाक है। आतंक का कोई धर्म नहीं होता, और न ही कोई मजहब मानवता की हत्या का समर्थन करता है। पाकिस्तान की सोच अब भी 1947 में अटकी हुई है। वहां की फौज, वहां के कट्टरपंथी नेता और आईएसआई, सभी इस्लाम के नाम पर नफरत का कारोबार चला रहे हैं। वे भारत को अस्थिर करने के लिए हर दिन कोई नई साजिश रचते हैं। लेकिन भारत अब 21वीं सदी का भारत है, जो संयम भी रखता है और जरूरत पड़ने पर "सर्जिकल स्ट्राइक" और बालाकोट की तरह हमला भी करता है। घर में घुसकर मारता है। दुनिया के नक्शे पर भारत ने यह साबित कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति "जीरो टॉलरेंस" की है। लेकिन सिर्फ सैनिक कार्रवाई काफी नहीं हमें एक बड़ी रणनीतिक, वैचारिक और कूटनीतिक लड़ाई भी लड़नी होगी। और इसमें सबसे बड़ी भूमिका है देश के नागरिकों की। भारत का आम आदमी अब चुप नहीं है। वह सवाल कर रहा है।

आपकी बात

**डॉ. दीपक प्रसाद**
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

**(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

# "ऑपरेशन सिंदूर : संघर्ष विराम में ही छुपा हुआ है कल्पना से भी बड़ी सजा का रहस्य"

पहलगाम में हुए कायराना हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जारी तनातनी के बीच भारत पाकिस्तान के बीच विगत दस मई को संघर्ष विराम की अनपेक्षित सूचना आ गई। इस सूचना के सार्वजनिक होते ही भारत के आम लोगों में स्पष्ट तौर पर नाराजगी देखने को मिली। इसको लेकर कहीं से प्रदर्शन वगैरह के समाचार तो नहीं आए परन्तु सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोगों की भरपूर नाराजगी दर्ज की गई। इस नाराजगी के अपने कारण हैं जबकि संघर्ष विराम की यह सूचना "कल्पना से भी बड़ी सजा देने" वाली घोषणा के बिल्कुल उलट था और ऐसा पहली बार हुआ जब भारत के बजाय अमेरिका की तरफ से ऐसी कोई घोषणा सामने आई। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद भारत ने भी इसपर सहमति जता दी जबकि विगत तीन दिनों चली आ रही लड़ाई में भारतीय सेना के द्वारा बढ़त हासिल करने के बावजूद संघर्ष विराम को लेकर अपनाए गए इस तरीके पर सवाल उठ रहे थे। संघर्ष विराम की यह घोषणा पाकिस्तान के लिए भी थे और समाचार यह आया कि पाकिस्तान की गुहार के बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों देशों के बीच सहमति बनाने की यह कोशिश की है। अब सच्चाई कुछ भी हो, इस संघर्ष विराम के लिए दस मई के शाम पाँच बजे की डेडलाइन तय की गई थी। निर्धारित समय पर यह लागू भी हो गया और एक बार यह लगने लगा कि भारतीय संकल्प पूरा होने के पहले ही भारत अब विश्राम के लिए बाध्य होने वाला है। लेकिन नहीं, पटकथा की कहानी अभी बाकी थी और महज चार पाँच घंटों बाद ही बुरी तरह से पीटे जाने के बावजूद पाकिस्तान ने फिर से हमले शुरू कर दिये। संघर्ष विराम के निर्धारित संकल्प के विरुद्ध जाकर किए जा रहे इस हरकत ने सबको न केवल आश्चर्य में डाल दिया बल्कि भारतीय हुक्मरानों के लिए अपनी साख बचाए रखने की एक बड़ी चुनौती सामने रख दी। ऐसा इसलिए कि पहलगाम घटना के बाद का यह पूरा कालखंड बहुत संवेदनशील रहा है। उल्लेखनीय है कि इस तरह की परिस्थितियों के कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं और इस संदर्भ में तुरंत किसी प्रकार का कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। प्रसंगवश पहला विषय तो यह है कि संघर्षविराम के पहले से ही पाकिस्तान-चीन गठजोड़ की बातें सार्वजनिक पटल पर हैं। इन दोनों देशों के सहसंबंध के अनेकों कारण हो सकते हैं परंतु पहला कारण तो यही है कि आर्थिक मोर्चे पर आज भारत व चीन न केवल परस्पर प्रतियोगी हैं बल्कि यह चीन की एक बड़ी चिंता का कारण बना हुआ है। ऐसे में निरंतर आगे की ओर बढ़ते भारतीय अर्थव्यवस्था से भयभीत चीन के पास किसी छद्म युद्ध के माध्यम से भारतीय अश्वमेध के घोड़े को रोकने के लिए पाकिस्तान से अच्छा टूलकिट शायद ही मिल पाता। नतीजा सामने है और पाकिस्तान की राजनैतिक महत्वाकांक्षा के विरुद्ध वहाँ के लिए शक्तिशाली समझे जाने वाले सेना ने चीन के भरोसे संघर्ष विराम की उपेक्षा का निर्णय लेकर फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। इस लड़ाई के दीर्घकालीन नतीजे क्या होंगे यह भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ विषय है परन्तु तात्कालिक स्तर पर अवधारणा यही बन रही है कि पाकिस्तान में जारी सत्ता संघर्ष, राजनैतिक नेतृत्व के बौनेपन और चीन की शह पर नाचने की उसकी फितरत के कारण ही उसने इस तरह के आत्मघाती कदम को अंगीकार कर लिया है। इस अवधारणा के और भी कारण हो सकते हैं जबकि जमीनी हकीकत यही है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में कोई किसी का हमदर्द नहीं होता। इसी तरह इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि चीन कभी भी किसी के लिए भरोसेमंद साथी नहीं रहा है। ऐसे में चीन के भरोसे ताल ठोक रहे जनरल मुनीर के साथ क्या कुछ होनेवाला है, इसकी भविष्यवाणी करनी अभी जल्दबाजी होगी। आब समाचार है कि संघर्ष विराम के बावजूद भारत व पाकिस्तान के दरम्यान सोमवार को डायरेक्टर जनरल (मिलीट्री ऑपरेशंस) स्तर की बातचीत फिर से शुरू हो रही है। तय एजेंडे के अनुसार यह बैठक दोनों देशों के सैनिक-गतिविधियों तक ही सीमित रहेगी और इस बातचीत में भविष्य के लिए द्विपक्षीय मंच की संभावना भी नजर आ रही है। इधर पेंच यह है कि इसके एजेंडे में कहीं भी सिंधु जल-संधि को निष्क्रिय करने संबंधी भारतीय घोषणा की कोई चर्चा ही नहीं है।

देश की बात

**केदारनाथ दास**

**(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

## फेसबुक वॉल से

## एक्स से

## आज का दोहा

कहता था वह शेर है, भौं भौं किया हमेश।
धांय धांय का देश अब, हाय हाय का देश।।
**सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)**

## रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444
**संपादक**

# लिंगभेद व विकास की अवधारणा

लैंगिक(जेंडर) विकास की अवधारणा प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा, आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी के साथ सशक्त बनाने के बारे में है। यह सोचना होगा कि लिंग विकास प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करता है? यह विकास प्रक्रिया कैसे सभी लिंगों को सशक्त बनाती है और समानता को बढ़ावा देती है। 1970 में समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर जोर देने के लिए विकास में महिलाओं (डब्ल्यूआईडी,उमेन ईनडेवलपमेंट) की अवधारणा बनाई गई थी। फिर 1980 के दशक में, पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक संबंधों पर जोर देने के लिए लिंग और विकास (जीएडी,जेंडरएनडडेवलपमेंट) की एक अलग अवधारणा उभरी। इसका उद्देश्य समान शक्ति और स्थिति का हस्तांतरण करना था। इसलिए देश के विकास में पुरुष और महिला दोनों का योगदान है। जब हम लिंग(जेंडर) के बारे में बात करते हैं तो हम आम तौर पर लैंगिक समानता के बारे में सोचते हैं जो सभी व्यक्तियों के लिए समान अवसर चाहे वाहकी भी जाति, लिंग, या शिक्षा के स्तर का हो उसे सभी संसाधनों की सुविधा मिलनी चाहिए। लैंगिक समानता का अर्थ सभी को उनकी आवश्यकता और इच्छा के अनुसार समान अवसर देना है। लिंग केवल पुरुष और महिला ही नहीं बल्कि ट्रांसजेंडर जैसे अन्य लिंग भी होते हैं जिन्हे तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) कहा जाता है। इसे सुप्रीम कोर्ट से मान्यता भी प्राप्त है। हमें समझना होगा की लैंगिक (जेंडर) और यौनिक (सेक्स) पहचान अलग होती है। अमेरिका जहां आज अलग लिंग को मान्यता देने से इनकार करता है, वहीं भारत इसके विपरीत अलग लिंग को बदावा दे रहा है। अक्टूबर 2024 में बिहार ने पुलिस बल में तीन ट्रांसजेंडरों को नियुक्त करने वाला भारत का पहला राज्य बनकर ऐतिहासिक मिसाल कायम की है। जीएडी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें उन सामाजिक मानदंडों और शक्ति संरचनाओं का विश्लेषण करने में मदद करता है जो पुरुषों और महिलाओं को प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से, महिलाएं और अन्य लिंग, पुरुषों की तुलना में अधिक दबे हुए और गरीब हैं। लिंग और विकास की अवधारणा पदानुक्रमित और मातृसत्तात्मक संरचनाओंको नहीं मानती या उसे बरखास्त करती है। जीएडी महिलाओं की उत्पादक और प्रजनन सेवाओं के बारे में बात करता है। महिला की प्रजनन सेवाओं की उपेक्षा करके केवल उसकी उत्पादक सेवाओं को ही ध्यान में रखा जाता है। इसलिए जीएडी इस बात पर जोर देता है कि महिलाओं की प्रजनन सेवाओं को मान्यता दी जानी चाहिए। लिंग और विकास महिलाओं को केवल विकास प्राप्तकर्ता के बजाय परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप में देखता है। जीएडी का कहना है कि महिलाएं अपनी जाति, संस्कृति और औपनिवेशिक इतिहास के आधार पर अलग-अलग तरह से उत्पीड़न का अनुभव करती हैं। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में सभी महिलाओं को एक जैसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता है। यह उनके समाज और संस्कृति पर निर्भर करता है। लेकिन कुल मिलाकर महिलाएं खुद को दबा हुआ महसूस करती हैं। यह राजनीतिकरण, समाजीकरण और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी के बारे में बात करता है। महिलाएं न केवल घरेलू गतिविधियों में बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती हैं। यह महिलाओं और अन्य लिंगों के कानूनी अधिकारों और स्वतंत्रता के बारे में बात करता है।दशकों बाद भी समाज पितृसत्तात्मक है। केवल लिंग को मुख्यधारा में लाने से महिलाओं का विकास सुनिश्चित नहीं होगा। लैंगिक भेदभाव के प्रति लोगों की मानसिकता बदलनी होगी। झारखंड सरकार ने महिलाओं को बढ़ावा देने और सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। "मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना"। यह योजना झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई है। यह एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना है। तो लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। जिन महिलाओं के पति की मृत्यु हो गई हो, जिन महिलाओं को उनके पतियों ने छोड़ दिया हो या 45 वर्ष से अधिक उम्र की एकल महिलाएं हों, उन्हें 1000 रुपये दिए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण के लिए झारखंड सरकार द्वारा कई अन्य योजनाएं चलाई जा रही हैं जैसे "मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना", "विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना" और "उदयोगिनी" योजना , जो समाज में परिवर्तन लाने का प्रयास है।

अलग बात

**ले कर्नल अभिषेक कुमार**
आयुध अधिकारी
भारतीय सेना

**(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

# मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में नारियल, माला और प्रसाद चढ़ाने पर प्रतिबंध

**मुंबई (आईएएनएस)**

मुंबई के प्रभादेवी इलाके स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा कारणों से 11 मई से मंदिर में नारियल, माला और प्रसाद चढ़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। सिद्धिविनायक मंदिर गणपति बप्पा के भक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है, रोजाना हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यहां भक्त अपनी मनोकामनाओं के लिए बप्पा के दर्शन करने आते हैं। लेकिन अब, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं को बिना किसी हार-माला, नारियल या प्रसाद के दर्शन करने होंगे। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए लिया गया है। मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा जांच को और प्रभावी बनाने के लिए यह कदम जरूरी था। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस फैसले का खुले दिल से स्वागत किया है। कई भक्तों का कहना है कि भगवान के दर्शन के लिए केवल साफ मन और सच्ची श्रद्धा की आवश्यकता होती है। एक श्रद्धालु ने कहा, "बप्पा के सामने मन की शुद्धता ही सबसे बड़ी भेंट है। सुरक्षा के लिए मंदिर प्रशासन का यह फैसला स्वागत योग्य है।

## "सुरक्षा पहले: सिद्धिविनायक में नए नियमों के बीच श्रद्धालुओं की आस्था अडिग"

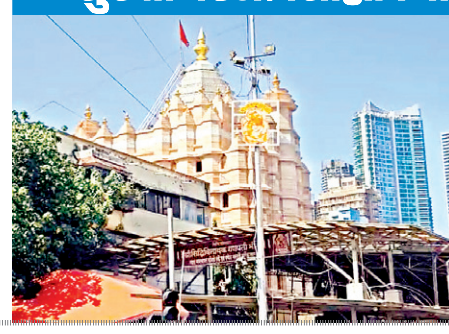

श्रद्धालु सुनीता शर्मा ने बताया, "हमें बप्पा के दर्शन से ही सुकून मिलता है। अगर सुरक्षा के लिए यह नियम बनाया गया है, तो हम इसका सम्मान करते हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस नए नियम का पालन करें और मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचें। इसके साथ ही, मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है और प्रवेश द्वार पर कड़ी जांच की जा रही है। यह निर्णय न केवल सिद्धिविनायक मंदिर की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा, बल्कि अन्य धार्मिक स्थलों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। सिद्धिविनायक मंदिर में बप्पा के दर्शन के लिए अब भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ है और वे इस बदलाव के साथ अपनी आस्था को और मजबूत कर रहे हैं।

## भारतीय सेना पर लोगों को गर्व है व देश के नेतृत्व पर भरोसा है

**पटना (आईएएनएस)**

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद सीजफायर की घोषणा को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत के लोगों को अपनी सेना पर गर्व है जिसने अपने शौर्य को एक बार दिखा दिया।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत के लोगों को अपने नेतृत्व पर भरोसा है। भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का सिर ऊंचा किया है। हम गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ किए जाने पर उन्होंने कहा कि यह समय ऐसा है, जो देश के खिलाफ बोलेगा, जनता उसे स्वीकार नहीं करेगी। चिदंबरम ने जो कहा है, देश का मिजाज वैसा ही है। विपक्ष द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की जनता ने जो मांग की उसको प्रधानमंत्री ने पूरा कर दिया है। आतंकी हमले को देश के खिलाफ हमला बताए जाने की शर्तों को लेकर उन्होंने कहा कि इससे बड़ी बात कुछ हो भी नहीं सकती है। कुछ लोग प्रधानमंत्री के खिलाफ कहते रहेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सेवा करते रहेंगे।

बता दें कि पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद देश आक्रोशित था। इस घटना के बाद देशभर में बदले और बड़ी सैन्य कार्रवाई की मांग उठने लगी।

## अरुण साव बोले- सिंदूर सिर्फ रंग नहीं, भारत की आत्मा है

**रायपुर (आईएएनएस)**

भारत-पाक के बीच तीन दिनों तक चले लंबे संघर्ष के बाद शनिवार को सीजफायर की घोषणा हुई। सीजफायर पर कांग्रेस के सवालों पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार और हमारी सेना ने पूरी दुनिया को दिखाया कि भारत में सिंदूर की क्या कीमत होती है।

रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन सिंदूर की बड़ी जीत यह है कि अब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और भारत उसी के अनुसार सैन्य कार्रवाई के साथ जवाब देने के लिए स्वतंत्र होगा। यह भारत के लिए एक बड़ी जीत है और देश के पक्ष में एक महत्वपूर्ण निर्णय है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए। सिंधु जल संधि निलंबित की गई। पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा निरस्त किया गया। ऑपरेशन सिंदूर को जिस प्रकार से अंजाम दिया गया। यह हमारी बहुत बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर जाकर उसके 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। सेना के इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकी मारे गए।

## आज का राशिफल

**मेष :** मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

**वृष :** दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

**मिथुन :** घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

**कर्क :** सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

**सिंह :** कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

**कन्या :** आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

**तुला :** व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

**वृश्चिक :** कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

**धनु :** यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

**मकर :** मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

**कुंभ :** परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

**मीन :** अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

## पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

# रक्षा मंत्री और एनएसए समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे मौजूद

**नई दिल्ली (आईएएनएस)**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने आवास पर शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। यह बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जहां फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, लेकिन रात में शांति रही। इससे पहले, पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का पालन करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा की थी और नई दिल्ली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है।

इस बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है और ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत के कड़े जवाब के बाद अमेरिका से शांति की मध्यस्थता की मांग की थी। इसके बाद उसने भी संघर्ष विराम की घोषणा की, लेकिन बाद में फिर से उल्लंघन किया। भारत ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल भेजना बंद कर दिया। भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्रीनगर, गुजरात के कुछ हिस्सों और राजस्थान के बाड़मेर सहित जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए, जिसके बाद उन्हें रोका गया। इतना ही नहीं, कई सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैकआउट करना पड़ा। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है और भारतीय सशस्त्र बल इसका उचित और कड़ा जवाब दे रहे हैं। शनिवार देर रात प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि भारत ने इन उल्लंघनों को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, "हम पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वह इन उल्लंघनों को रोकने और स्थिति को गंभीरता तथा जिम्मेदारी से संभालने के लिए उचित कदम उठाए। सशस्त्र बल स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा पर किसी भी उल्लंघन का कड़ाई से जवाब देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

## केंद्र सीमावर्ती इलाकों में टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा बढ़ाएगा

**नई दिल्ली (आईएएनएस)।** केंद्र सरकार ने सीमा सटे जम्मू और कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान और गुजरात के उत्तर-पश्चिम इलाकों में मौजूद टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त श्रीनगर और लेह में महत्वपूर्ण आईएमडी इंस्टॉलेशन की सुरक्षा भी बढ़ाई जाएगी। केंद्रीय साइंस एवं टेक्नोलॉजी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर देश भर में टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और साइंटिफिक एवं टेक्निकल विभागों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक बुलाई थी। इस बैठक का फोकस विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, लद्दाख और भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में रिसर्च और साइंटिफिक सुविधाओं की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा पर था।

केंद्रीय मंत्री ने विशेष रूप से सीएसआईआर- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसन (आईआईआईएम), जम्मू, सीएसआईआर- सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट ऑर्गेनाइजेशन (सीएसआईओ), चंडीगढ़, सीएसआईआर- केंद्रीय लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएलआरआई), जालंधर और अन्य प्रमुख संस्थाओं के साथ श्रीनगर में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इंस्टॉलेशन, लद्दाख और आसपास के क्षेत्रों में अर्थ साइंस रिसर्च स्टेशनों की तैयारियों और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा की।

## अमेरिकी दबाव में सरकार झुकी पीओके हाथ से निकला: राशिद

**नई दिल्ली (आईएएनएस)**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भारत-पाक संघर्ष के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिका के दबाव में सीजफायर किया। ऐसा करने की जरूरत नहीं थी और हमने ऐसा करके पीओके को वापस हासिल करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया।

रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान राशिद अल्वी ने कहा कि जब पूरा देश एक साथ होकर भारत सरकार के साथ आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए खड़ा था तो ऐसे समय में भारत ने अमेरिका में दबाव में सीजफायर किया। तीन दिनों में हमारी सेना ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाई। लेकिन क्या भारत सरकार ने वो मकसद हासिल कर लिया, जिसके लिए यह सब कुछ किया गया था। भारत सरकार ने सीजफायर की घोषणा की, लेकिन क्या इस फैसले से पहले उन्हें सभी राजनीतिक दलों से एक बार विचार-विमर्श नहीं करना चाहिए था? उन्होंने कहा कि आज पूरा देश सरकार के साथ है। हमारी सेना तैयार है, लेकिन पीओके पाकिस्तान के पास रह गया। हमें उसे लेना चाहिए था। इससे बेहतर मौका और नहीं हो सकता था। अमेरिका के दबाव में हमें सीजफायर नहीं करना चाहिए था।

## यह दर्द असहनीय, हमारी कोशिश जंग खत्म करने की होगी : महबूबा

**श्रीनगर (आईएएनएस)**

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को सरहद पार से हुई गोलीबारी में घायल हुए लोगों से अस्पताल जाकर मुलाकात की। इस दौरान महबूबा मुफ्ती ने घायलों का हाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह दर्द राजनीति नहीं है, यह मानवीय है और यह असहनीय है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक बयान में कहा, "हमारे घायल अस्पतालों में हैं। हमारे परिवार आश्रय स्थलों में डरे हुए हैं। हमारे घर मलबे में तब्दील हो गए हैं, इसलिए कश्मीर शांति की पुकार करता है, युद्ध की नहीं। उन्होंने आगे कहा, "जो युद्ध की बात करते हैं, वे हमारे बच्चों को रोते हुए नहीं सुनते और वे हमारे माता-पिता को डर और नुकसान के बोझ तले टूटते नहीं देखते। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बड़े हों, न कि दफनाए जाएं। हमें घर चाहिए, बंकर नहीं। युद्ध की धमकी बंद होनी चाहिए। मैं उरी के पास नियंत्रण रेखा की ओर जाते हुए उन परिवारों से मिल रही हूं, जो अपने घर छोड़कर भागे हैं, उनकी असहनीय पीड़ा की कहानियां सुन रही हूं। पुरुष, महिलाएं, बच्चे सभी संघर्ष से आहत हुए हैं। सभी बिना डर के जीने के साधारण अधिकार की चाहत रखते हैं।

## केंद्र सरकार सीजफायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाए : मनोज झा

**नई दिल्ली (आईएएनएस)**

भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर की घोषणा के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। सीजफायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि बिल्कुल बुलानी चाहिए। जिस तरह से सीजफायर की घोषणा हुई, वह कहीं न कहीं लोगों को असहज करती है।

राजद सांसद ने रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि सीजफायर की हमारी ओर से घोषणा करने से पहले अमेरिका की ओर से बयान जारी कर दिया जाता है कि उनकी मध्यस्थता में भारत-पाक सीजफायर के लिए राजी हुए हैं। राजद सांसद ने कहा कि भारत ने आज तक कभी युद्ध की पहल नहीं की। हम पर युद्ध थोपा गया। एक बार फिर यही हुआ है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को छोड़ दीजिए, उससे पहले भी हम सीमा पार से प्रायोजित बर्बर हिंसा के शिकार हुए हैं। हमने हरसंभव प्रयास किए हैं और हम अपनी सेना की बहादुरी को सलाम करते हैं।

सीजफायर के फैसले पर मनोज झा ने कहा कि मैं उस मामले में नहीं आना चाहता हूं, मेरी चिंता दूसरी है। सीजफायर करने से हमें क्या हासिल हुआ। हमारी प्रेस ब्रीफ में बताया जाता है कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने सीजफायर के लिए कॉल किया। लेकिन, पाकिस्तान के पीएम अपने संबोधन में अमेरिका की तारीफ करते हैं। मन में कई सवाल उठ रहे हैं। इसीलिए, केंद्र सरकार से अपील करेंगे कि वह इस मामले में संसद का एक विशेष सत्र बुलाए।

## सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य

**नई दिल्ली (आईएएनएस)**

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने रविवार को कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हैं और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण सिक्योरिटी चेक प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। साथ ही डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी कि वे उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले पहुंच जाएं जिससे सिक्योरिटी चेकप्वाइंट पर संभावित देरी से बचा जा सके। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर अनवेरिफाइड कंटेंट साझा करने से बचें। इसके अतिरिक्त बढ़े हुए सुरक्षा उपायों के कारण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने भी एक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से कहा है कि वे निर्धारित प्रस्थान समय से पहले पहुंचे। साथ ही यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे सरकार द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट, वीजा, टिकट/बोर्डिंग पास अपने पास रखें, जिससे आसानी से निरीक्षण किया जा सके।

## हाई-प्रोफाइल आतंकियों का सफाया ऑपरेशन सिंदूर बना दुश्मनों का काल

**नई दिल्ली (आईएएनएस)**

भारतीय सेना ने अपनी शौर्य और संकल्प की मिसाल पेश करते हुए हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान में छिपे कई हाई-प्रोफाइल आतंकवादियों को मार गिराया गया। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट किया।

भारतीय सेना ने 6 और 7 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' अभियान की शुरुआत करते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें 10 से ज्यादा प्रमुख आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से बौखलाहट में लगातार भारत पर हमले किए और इसके जवाब में भारतीय सेना की ओर से ऑपरेशन सिंदूर जारी रहा। नए अनुमानों के मुताबिक, पहलगाम हत्याकांड का बदला लेने के लिए भारत द्वारा किए गए हमलों में कम से कम 130-140 आतंकवादी मारे गए। इस ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के बड़े सरगनाओं को निशाना बनाया गया। मारे गए बड़े आतंकियों में आईसी-814 का अपहरणकर्ता यूसुफ अजहर, लश्कर के मुरीदके मुख्यालय का प्रमुख अबू जुंदाल उर्फ मुदस्सर, 2016 के नगरोटा हमले के साजिशकर्ता का बेटा जैसे कुख्यात आतंकी शामिल हैं। इन जिहादी कमांडरों की मौत पाकिस्तान के सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी अबू जुंदाल भारत के खिलाफ कई साजिशों में शामिल था। इसके अंतिम संस्कार में एक सरकारी स्कूल में प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें लश्कर का एक जनरल और एक आईजी शामिल हुए। हाफिज मुहम्मद जमी भी जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध था और मौलाना मसूद अजहर का साला था। मोहम्मद यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहब भी मौलाना मसूद अजहर का साला था और 1998 के आईसी-814 विमान अपहरण मामले में वांछित था। खालिद उर्फ अबू आकाशा लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। यह आतंकी जम्मू-कश्मीर में कई हमलों और अफगानिस्तान से हथियार तस्करी में शामिल था।

# भड़काऊ संदेश पर 'मंगलुरु मुस्लिम युवासेना' के सदस्य से पूछताछ

## सुहास शेट्टी हत्याकांड से जुड़ी कार्रवाई

**बेंगलुरु (आईएएनएस)**

कर्नाटक के मंगलुरु शहर में 'मंगलुरु मुस्लिम युवासेना' नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में भड़काऊ संदेश भेजने के आरोप में एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई सुहास शेट्टी हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर फैल रही भड़काऊ और नफरत भरी सामग्री पर निरंतर निगरानी और सख्ती का हिस्सा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर हत्याकांड के संबंध में उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान दक्षिण कन्नड़ जिले के विटला निवासी मोहम्मद अनस के रूप में हुई है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या और उससे जुड़े सांप्रदायिक तनाव के बाद सोशल मीडिया पर भड़काऊ व सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाली सामग्री पर नकेल कसते हुए शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई हुए 'बियरी रायल नवाब' नाम के एक इंस्टाग्राम पेज को निष्क्रिय कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, इस पेज पर कथित तौर पर आपत्तिजनक और दो समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ाने वाले पोस्ट किए जा रहे थे।

## मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित पोस्ट करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

**मुंबई (आईएएनएस)**

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस की कार्रवाई जारी है। महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के बाद ऐसे ही एक मामले में 20 वर्षीय युवक को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई के कुर्ला इलाके में रहने वाले 20 वर्षीय एक युवक ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित टिप्पणी की थी। आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें भारत के खिलाफ टिप्पणी की गई थी। मुंबई पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम साहिल जहरुद्दीन खान है। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना करने पर एक महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मुंबई पुलिस के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना करने पर मुंबई के मालवणी पुलिस स्टेशन ने एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मालवणी पुलिस ने महिला सलमा रफीक खान (उम्र 40) के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसे नोटिस भी भेजा है। बता दें कि महिला सलमा रफीक खान मुंबई के मलाड इलाके में स्थित मालवणी में ब्यूटी पार्लर भी चलाती है। महिला पर आरोप है कि उसने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित विवादित पोस्ट शेयर की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित पोस्ट शेयर करते हुए महिला ने लिखा था कि जब सरकारें बिना सोचे-समझे फैसले लेती हैं, तो दोनों तरफ के निर्दोष लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

### रावलपिंडी तक सुनी गई भारत की सेनाओं की धमक

# 'आपरेशन सिंदूर' ने दिलाया पीड़ित परिवारों को इंसाफ : राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली/लखनऊ (आईएएनएस)**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरा शहर लखनऊ भारत के डिफेंस सेक्टर को मजबूत करने में एक बड़ा योगदान दे, वह सपना अब पूरा हो रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला करके कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है। इसके लिए आज सारा देश भारतीय सेनाओं का अभिनंदन कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति की क्षमता और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है। हमने दिखाया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

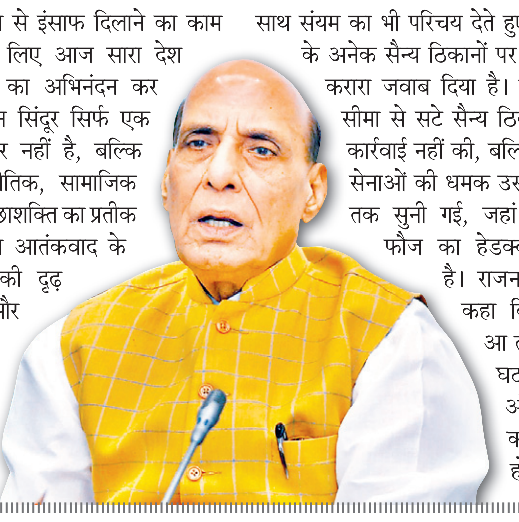

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को वर्चुअली रूप से संबोधित करते हुए आगे कहा, "भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है।

## आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' में ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम को देखा होगा, नहीं तो पाकिस्तान से पूछ लें : सीएम योगी

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है, जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाला नहीं, उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। सीएम योगी ने कहा कि इस दिशा में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है, जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे। उन्होंने और सीएम योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक 'ब्रह्मांड' का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है।

## पाकिस्तान की शांति व युद्धविराम का वादा महज धोखा है : बलूच लिबरेशन आर्मी

**ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** बलूचिस्तान में सक्रिय विद्रोही समूह बलूच लिबरेशन आर्मी ( बीएलए )ने कहा है कि वह न तो किसी का मोहरा है और ना ही मूक दर्शक। उसने भारत को सतर्क करते हुए कहा कि पाकिस्तान की शांति व युद्धविराम का वादा महज धोखा है। उसने कहा कि पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय बीत चुका है। बीएलए ने भारत को भरोसा दिलाया कि यदि वह पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है, तो वह पूर्वी व पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। उसने यहां तक कहा कि पाकिस्तान को खत्म किए बिना इलाके में कभी भी स्थायी शांति नहीं हो सकती है।सोशल मीडिया पर जारी किए लिखित बयान में बीएलए ने कहा, "बलूच लिबरेशन आर्मी चल रहे व बढ़ते संघर्षों और क्षेत्रीय तनावों की पृष्ठभूमि में अपनी स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करती है। हम इस विचार को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं कि बलूच राष्ट्रीय प्रतिरोध किसी राज्य या शक्ति का प्रतिनिधि है। बीएलए न तो मोहरा है और न ही मूक दर्शक; बलूच लिबरेशन आर्मी एक गतिशील और निर्णायक पार्टी है। इस क्षेत्र के वर्तमान और भविष्य के सैन्य, राजनीतिक और रणनीतिक गठन में हमारा अपना उचित स्थान है और हम अपनी भूमिका से पूरी तरह अवगत हैं।" उसने कहा, "ऐसे समय में जब पाकिस्तान अपनी विफल सैन्य नीतियों और कूटनीतिक अलगाव से निराश होकर पारंपरिक धोखे व झूठी शांति के नारे लगा रहा है, हम भारत को एक बहुत ही स्पष्ट और स्पष्ट संदेश देना चाहते हैंः पाकिस्तान की ओर से शांति, युद्ध विराम और भाईचारे की हर बात महज एक धोखा, एक युद्ध की रणनीति और एक अस्थायी चाल है। इस राज्य का इतिहास टूटे वादों, पीठ में छुरा घोंपने और आतंकवाद के संरक्षण में लिखा गया है। यह एक ऐसा राज्य है जिसके हाथ खून से रंगे हैं और जिसका हर वादा खून से लथपथ है।" बीएलए ने कहा है, "हम भारत और क्षेत्र के अन्य देशों से कहते हैं कि पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय बीत चुका है। अब समय आ गया है कि उपमहाद्वीप व दुनिया इस आतंकवादी राज्य के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। पाकिस्तान न केवल वैश्विक आतंकवादियों के लिए प्रजनन स्थल रहा है, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा जैश-ए-मोहम्मद व आईएसआईएस जैसे घातक आतंकवादी समूहों के राज्य प्रायोजित विकास का केंद्र भी रहा है। आईएसआई इस आतंकवाद के पीछे का नेटवर्क है और इसके तत्वावधान में पाकिस्तान हिंसक विचारधारा वाला एक परमाणु राज्य बन गया है, जो अपने लोगों व पूरी दुनिया के लिए ज्वालामुखी बन रहा है।उन्होंने कहा, "मातृभूमि बलूचिस्तान पर हमारा सशस्त्र संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि बलूच राष्ट्र बिना किसी बाहरी सैन्य या वित्तीय सहायता के अपनी धरती पर दुनिया के सातवें परमाणु राज्य को हरा रहा है। हमने पहाड़ी मोर्चों, शहरी मोर्चों और हर दूसरे मोर्चे पर दुश्मन को असहाय कर दिया है। अगर हमें दुनिया से - खासकर भारत से - राजनीतिक, कूटनीतिक व रक्षा समर्थन मिले तो बलूच राष्ट्र इस आतंकवादी राज्य को खत्म कर सकता है और एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्वतंत्र बलूचिस्तान की नींव रख सकता है। एक ऐसा बलूचिस्तान जो न केवल उपमहाद्वीप में आतंकवाद के निर्यात को स्थायी रूप से रोकेगा बल्कि इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि का एक नया अध्याय भी शुरू करेगा।

बीएलए इस बात पर भी जोर देता है कि पाकिस्तान जैसे संकट को खत्म किए बिना उपमहाद्वीप में स्थायी शांति कभी नहीं हो सकती। जब तक यह राज्य मौजूद है, यह निर्दोषों के गले में फंदे कसता रहेगा और काबुल से कश्मीर तक बारूद की गंध फैलती रहेगी। इस क्षेत्र की नई पीढ़ियों को नफरत, उग्रवाद और आतंकवाद सिखाया जाता रहेगा। अब समय आ गया है कि दुनिया पाकिस्तान राज्य को - आतंकवादियों के निर्माता - एक आतंकवादी इकाई के रूप में पहचाने और उसके साथ उसी तरह का व्यवहार करे। उन्होंने कहा, हम क्षेत्र के हर जागरूक और शक्तिशाली पक्ष को चेतावनी देते हैंः यदि पाकिस्तान को बर्दाश्त किया जाता रहा तो आने वाले वर्षों में इस राज्य का अस्तित्व ही पूरी दुनिया को बर्बाद कर सकता है। एक कट्टरपंथी सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा परमाणु हथियारों पर नियंत्रण एक टाइम बम है - न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए। बीएलए ने कहा कि हम भारत को भरोसा दिलाते हैं कि यदि वह पाकिस्तान के आतंकवादी राज्य को खत्म करने का अंतिम फैसला लेता है, तो बलूच लिबरेशन आर्मी पूरे देश के साथ पश्चिमी सीमा से हमला करने के लिए तैयार है। हम न केवल इस फैसले का स्वागत करेंगे बल्कि इसकी व्यावहारिक और सैन्य शाखा बनेंगे। हम पाकिस्तान को पूर्वी व पश्चिमी दोनों मोर्चों से घेरने के लिए तैयार हैं और इस खतरे को उसके ही खून में डुबोने के लिए उत्सुक हैं।

### ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक, बोले-

## हम अपने परमाणु अधिकार नहीं छोड़ेंगे

**दोहा (आईएएनएस)**

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने ओमान में अपनी 'अप्रत्यक्ष वार्ता' के चौथे दौर से एक दिन पहले स्पष्ट कर दिया कि उनका देश अमेरिका के साथ वार्ता में अपने परमाणु अधिकारों को लेकर अटल रहेगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को दोहा में चौथे अरब-ईरानी वार्ता सम्मेलन में अराघची ने दोहराया कि ईरान हमेशा से परमाणु अप्रसार का प्रतिबद्ध सदस्य रहा है और यूरेनियम संवर्धन सहित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने अधिकार को बनाए रखता है। उन्होंने पुष्टि की, "हम परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं और सामूहिक विनाश के हथियारों का ईरान के सुरक्षा सिद्धांत में कोई स्थान नहीं है। यही इस कारण से, हम पश्चिम एशियाई क्षेत्र को परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़े।

अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, "यदि इन वार्ताओं का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे, तो यह पूरी तरह से प्राप्त करने योग्य है, और समझौता आसानी से हो सकता है।" हालांकि, यदि लक्ष्य ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करना या अन्य अवास्तविक मांगें थोपना है, तो ईरान इनमें से किसी भी अधिकार से पीछे नहीं हटेगा।

# रूस-यूक्रेन में भी होगा सीजफायर?

**ब्यूरो**

- ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी , पोलैंड ने यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए रूस पर दबाव बढ़ाया
- इसके बाद पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान-भारत में भीषण युद्ध की संभावनाएं टल गई हैं क्योंकि दोनों ही देश सीजफायर पर सहमत हो रहे हैं।उधर तीन वर्ष से रूस व यूक्रेन के बीच भीषण जंग चल रही है, जिसको लेकर भी सीजफायर की संभावना बनी है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी व पोलैंड ने यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए रूस पर दबाव बढ़ा दिया है। इस दबाव के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ "सीधी बातचीत" का प्रस्ताव रखा है और कहा है कि वार्ता का उद्देश्य स्थायी शांति स्थापित करना और युद्ध के मूल कारण को समाप्त करना होना चाहिए। क्रेमलिन में रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान पुतिन ने यूक्रेन व रूस के बीच शांति वार्ता को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। दोनों देशों के बीच आखिरी बार 2022 में बैठक हुई थी। फरवरी में रूसी सेना ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, जिससे 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से रूस और पश्चिम के बीच सबसे गंभीर टकराव शुरू हो गया था।पुतिन का यह प्रस्ताव इसलिए भी क्योंकि यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब चार प्रमुख यूरोपीय देशों ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी व पोलैंड ने यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए रूस पर दबाव बढ़ा दिया है। इन चारों देशों के नेताओं ने कहा है कि उनके प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन प्राप्त है , जिन्हें उन्होंने दिन में फोन पर जानकारी दी थी। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उन्होंने संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करने और स्थायी शांति की बहाली हासिल करने के प्रयास में 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा है।मालूम हो कि 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के ठीक बाद उसके साथ विफल वार्ता का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि 2022 में वार्ता को तोड़ने वाला रूस नहीं था। यह कीव था। फिर भी, हम प्रस्ताव कर रहे हैं कि कीव बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करे।पुतिन ने चार यूरोपीय देशों द्वारा लाए गए और अमेरिका द्वारा समर्थित 30-दिवसीय प्रस्ताव का उल्लेख नहीं किया, जबकि क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को सीएनएन से कहा कि मॉस्को को इस पर विचार करना होगा।

## बर्निंग ट्रेन बनने से बची संपर्क क्रांति एक्सप्रेस

**अलीगढ़।** दिल्ली से बिहार जा रही संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रविवार को बर्निंग ट्रेन बनने से बच गई। गाजियाबाद पर यार्ड पर फाउंडेशन तोड़ने के कार्य के समय ड्रिल मशीन उछलकर पावर कार (जेनरेटर कोच) में घुस गई। इससे डीजल टैंक लीक हो गया। चालक की सूचना पर ट्रेन को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर रोक कर टैंक को खाली किया गया। डीजल ड्रमों में भरा गया। इसके बाद टैंक सही कर गाड़ी को रवाना किया गया। इस कारण ट्रेन ढाई घंटे खड़ी रही। अन्य ट्रेनों को लूप लाइन से निकाला गया।

## अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ पर आज फिर होगी बातचीत, ट्रंप बोले- हम प्रगति पर हैं

**नई दिल्ली । एजेंसी**

अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ विवाद पर जेनेवा में शनिवार को 10 घंटे चली अहम बातचीत के अब रविवार को फिर से बात होगी। ट्रंप ने इस बातचीत को सफल बताया। शनिवार को बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चीन के साथ आज की बैठक बहुत अच्छी रही। कई मुद्दों पर बातचीत हुई और कई बातों पर सहमति बनी।

हालांकि, इस मीटिंग के दौरान किन मुद्दों पर बातचीत हुई और किन पर सहमति बनी, इसके बारे में खुलकर कुछ नहीं बताया गया है।

## वीर जवानों को समर्पित पवन सिंह का गाना 'ऑपरेशन सिंदूर', हर देशवासी की आंखें कर देगा नम

**मुंबई (आईएएनएस)।** भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने देशभक्ति की भावना से भरपूर एक नया गाना रिलीज किया है। इस गाने का नाम 'सिंदूर' है। यह गाना 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना द्वारा दिखाई गई वीरता को समर्पित है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए गत 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना ने आतंकवादियों के नौ ठिकानों को तबाह कर दिया था।

**कहानी फिल्म जगत की**

# अमिताभ बच्चन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दी प्रतिक्रिया पीएम मोदी के स्थान पर लिखा एक और नाम...

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष पर हर कोई देश की सेना की बहादुरी को सलाम कर रहा है और एकजुटता के साथ खड़े होकर उनका हौसला बढ़ा रहा है। कई बॉलीवुड कलाकार भी लगातार सेना के समर्थन में आवाज़ उठा रहे हैं। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रविवार सुबह अपना एक्स-फास्ट तोड़ा। 20 दिनों से ज्यादा समय तक एक्स पर कई खाली पोस्ट शेयर करने के बाद भारतीय सिनेमा के महानायक ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में एक लंबा नोट लिखा, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के क जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर भारत के सटीक हमले शामिल हैं। बच्चन एक्स पर अपने आम तौर पर व्यंग्यात्मक, दिलचस्प पोस्ट के ज़रिए ट्रेंडिंग मुद्दों पर विचार करने के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना करने के लिए अपने पिता, दिवंगत महान विद्वान और कवि, हरिवंश राय बच्चन की कविता शेयर की।

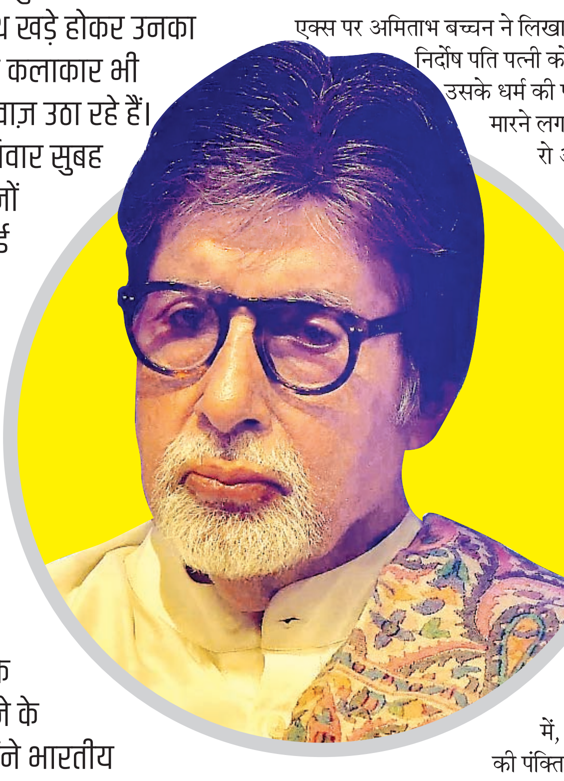

## अमिताभ बच्चन की पोस्ट

एक्स पर अमिताभ बच्चन ने लिखा, ''छुट्टियां मानते हुए, उस राक्षस ने, निर्दोष पति पत्नी को बाहर खींच कर, पति को नग्न कर, उसके धर्म की पूर्ति करने के बाद , उसे जब गोली मारने लगा, तो पत्नी ने, घुटने पे गिर कर, रो रो अनुरोध करने के बाद भी, की उसके पति को न मारो ; उसके पति को उस बुज़दिल राक्षस ने, बेहद बेरहमी से , गोली मार कर, पत्नी को विधवा बना दिया ! जब पत्नी ने कहा "मुझे भी मार दो" !! तो राक्षस ने कहा " नहीं ! तू जाके, " . " को बता " !आगे पिता हरिवंश राय बच्चन की एक कविता का जिक्र करते हुए बिग बी ने लिखा, ''बेटी की, मनःस्थिति पर, पूज्य बाबूजी की एक कविता की पंक्ति याद आयी : मानो, वो बेटी " . " के पास गई, और कहा : " है चिता की राख कर में, माँगती सिंदूर दुनिया " .. (बाबूजी की पंक्ति) तो " . " ने दे दिया सिंदूर !!! ऑपरेशन !!! जय हिन्द. जय हिन्द की सेना. तू ना थमें गा कभी ; तू न मुड़ेगा कभी ; तू न झुकेगा कभी कर शपथ , कर शपथ, कर शपथ ! अग्नि पाथ ! अग्नि पाथ ! अग्नि पाथ !!!'' इस पोस्ट पर लोगों का रिएक्शन सामने आ रहा है.

### बहुत तेजी से बिक रही है कांके क्षेत्र की कृषि भूमि

# ग्रामीणों ने भूमाफिया से बचाव की सरकार से लगाई गुहार

● अनिल टाइगर की हत्या के बाद सामने नहीं आना चाहते ग्रामीण

**मनोज मिश्रा**

**रांची।** 15 नवंबर 2000 ई को झारखंड राज्य अलग होने के बाद रांची के शहरीकरण का विस्तार तेजी से हुआ। राजधानी की सुविधाओं के मद्येनजर झारखंडवासियों के मन में राजधानी में अपना आशियाना बनाने की चाहत बढ़ी और लोगों ने जमीन खरीदकर बसना शुरू किया। वहीं दूसरी तरफ झारखंड को चारागाह के रूप में देखने वालों की गिद्ध नजर राज्य की जमीन पर पड़ी और गोरखधंधा का खेल शुरू हुआ जो अभी तक चल रहा है। जमीन के इस काले-कारोबार ने कितनों की मांग उजाड़ी, कितने बच्चों से उनका पिता छीना। मगर जमीन दलाली का खेल बदस्तूर जारी है और जमीन दलाल किसी भी हद तक जाकर जमीन खरीद-बिक्री करवाते आ रहे हैं। इस कारोबार में झारखंड राज्य के अलावे दूसरे राज्यों के भू-माफिया भी बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। ऐसा ही मामला कांके प्रखंड के पिठौरिया गांव में कुछ वर्षों से देखने को मिल रहा है जहां जमीन दलाल मालामाल हो रहे हैं और रैयत अपनी जमीन पाने के लिए गांव से लेकर अंचल कार्यालय और थाने तक धक्के खा रहे हैं।

कांके प्रखंड के पिठौरिया गांव में कृषि जमीन बहुत तेजी से बिक रहे हैं। ग्रामीणों ने भूमाफिया से अपनी जमीन बचाने की सरकार से गुहार लगाई है। अनिल टाइगर की हत्या के बाद ग्रामीण सामने नहीं आना चाहते हैं। नाम न छापने की सूरत में ग्रामीणों ने बताया कि वे अपनी खेतिहर जमीन को बेचना नहीं चाहते मगर भूमाफिया की दबिश से मजबूरी में औने-पौने दाम पर अपनी जमीन बेचने को मजबूर हैं। जमीन के रिकॉड ऑन-लाइन होने से जहां एक ओर सुविधाएं बढ़ी है वहीं दूसरी ओर भूमाफिया के हाथों में जमीन के दस्तावेज आसानी से प्राप्त हो रहे हैं।

इस रिकॉड के जरिए भू-माफिया खतियान और अन्य दस्तावेज लेकर किसी के भी जमीन पर मापी शुरू कर देते हैं। रैयतों के विरोध करने पर रैयतों के खिलाफ उनकी ही जाति के किसी अन्य को जो दूसरे स्थान का होता है रैयत का वंशज बताकर उसके हाथों जमीन बेचने की बात कहकर जमीन पर अपना दावा करता है।

जमीन खरीदने के लिए दूसरे हथकंडे भी अपनाए जाते हैं किशोरों को पैसे की चकाचौंध में डुबा कर, नशे का आदि बनाकर, घर में कलह कराकर, भाई से भाई को लड़ाकर, बेटी के ससुराल जाकर लालच देते हैं, उससे भी काम नहीं बने तो भांजा को भड़काकर जमीन पर दावा कराया जाता है, थाना पुलिस कोर्ट-कचहरी के मामलों में फंसाकर जमीन को विवादास्पद बनाकर उलझा दिया जाता है और दो लाख रूपए प्रति डिसमिल जमीन को बीस-तीस हजार रूपए प्रति डिसमिल में खरीद लिया जाता है।

वहीं बड़े भू-भाग में जमीन को हथियाने के लिए किनारे-किनारे की जमीन खरीदकर बीच वाले भू-भाग में प्रवेश का रास्ता बंद कर दिया जाता है, रास्ता नहीं मिलने के कारण रैयतों को अपनी जमीन मजबूरी में बेचना पड़ रहा है। एक तरफ सरकार कृषको के लिए बड़ी-बड़ी योजनाएं ला रही है वहीं दूसरी तरफ जमीन के दस्तावेज उलझे होने के कारण कृषक इन योजनओं से कोसों दूर नजर आ रहे हैं।

# झारखंड कैडर के 4 आईपीएस आईजी रैंक के पैनल में शामिल

● केंद्र ने विभिन्न राज्यों के 65 आईपीएस अधिकारियों को आईजी रैंक में किया है इंपैनल

**नवीन मेल डेस्क**

**रांची।** झारखंड कैडर के चार आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में आईजी रैंक के पैनल में शामिल किया गया है। इनमें वर्ष 2004 बैच के दो, वर्ष 2005 बैच के एक और वर्ष 2007 बैच के दो आईपीएस शामिल हैं।

जारी सूची के अनुसार, वर्ष 2004 बैच के आईपीएस में आईजी अभियान के पद पर पदस्थापित होमकर अमोल वेणुकांत, आईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित प्रभात कुमार और वर्ष 2005 बैच के आईपीएस कुलदीप द्विवेदी, जो अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, उन्हें आईजी रैंक में इंपैनल किया गया है। इनके अलावा, झारखंड जगुआर आईजी के पद पर पदस्थापित वर्ष 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी अनूप बिरथरे को भी आईजी रैंक में इंपैनल किया गया है। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने देश भर से कुल 65 आईपीएस अधिकारियों के लिए आईजी और आईजी समानांतर पद पर इंपैनल करने का विचार किया था, जिसके बाद अलग-अलग राज्यों के 65 आईपीएस अधिकारी आईजी रैंक में इंपैनल हुए हैं। इनमें झारखंड कैडर के ये चारों आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं।

## हेमंत के नेतृत्व में राज्य पारदर्शिता के साथ विकास कर रहा है : विनोद

**नवीन मेल डेस्क**

**रांची।** झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा है कि बाबूलाल मरांडी अब झारखंड की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता बचाने के लिए बेबुनियाद आरोपों का सहारा ले रहे हैं। डीजीपी पद पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर सवाल उठाने से पहले उन्हें अपनी पार्टी के अंदर झांककर देख लेना चाहिए।

पांडेय ने रविवार को कहा कि झारखंड में आज जिन मुद्दों पर मरांडी शोर मचा रहे हैं, वे उन्हीं के शासनकाल की देन हैं। तब के भ्रष्टाचार और नौकरशाही के खेल ने ही आज प्रशासनिक व्यवस्था को इस स्थिति में ला कर खड़ा किया है। लेकिन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दमदार नेतृत्व में राज्य का सही दिशा में विकास हुआ है। आज हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिल रही है।

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि यह बयान हास्यास्पद है, क्या बाबूलाल खुद को इतना हताश और भ्रमित मान चुके हैं कि अब बिना किसी आधार के ऐसी बातें कह रहे हैं? अगर उनके पास कोई ठोस प्रमाण है, तो सामने लाएं। वरना, झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने की साजिश बंद करें।

संविधान और सुप्रीम कोर्ट का हवाला देने से पहले मरांडी ये भी बताएं कि उन्होंने अपने शासनकाल में कितनी बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया था? कितने संवैधानिक पदों को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया था? हेमंत सोरेन सरकार पर उंगली उठाने से पहले बाबूलाल मरांडी को ये समझ लेना चाहिए कि जनता अब सब कुछ देख रही है। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य विकास और पारदर्शिता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। और मरांडी जी, अगर आपको झारखंड की फिक्र है, तो झूठ फैलाने के बजाय रचनात्मक सुझाव दीजिए।

# बाबूलाल ने विभिन्न मुद्दों पर की राज्य सरकार की आलोचना

● सोशल माडिया 'एक्स' पर लिखा, भारतीय सेना के पराक्रम को पूरी दुनिया कर रही सलाम

**नवीन मेल डेस्क**

**रांची।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। सोशल माडिया 'एक्स' के माध्यम से उन्होंने कहा, निर्लज्जता की भी एक हद होती है, पर हेमंत सोरेन सरकार ने तो उसे भी पार कर दिया है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीते दस दिनों से डीजीपी का पद खाली है और जो 'डीजीपी' जैसे काम कर भी रहा है, वो बिना वेतन के सेवा दे रहा है। वाह मुख्यमंत्री जी, ये तो नया भारत निर्माण है, 'बिना वेतन, बिना संवैधानिक वैधता, सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर प्रशासन।'

उन्होंने लिखा है, अब क्यों न एक नई नीति ही बना दी जाए? धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो जैसे कोयला वाले 'कमाऊ' इलाके समेत और बाकी के खनिज इलाकों में भी 'बिना वेतन, केवल कमीशन आधारित सेवा' के लिए 'रिटायर्ड और अनुभवी' लोगों से आवेदन मंगवाइए। जो काम डीजीपी साहब कर रहे हैं, वही मॉडल लागू कीजिए, जहां वेतन की जगह 'वसूली' हो और संविधान की जगह 'किचन कैबिनेट' के आदेश मान्य हों।

बाबूलाल ने लिखा है, दरअसल, ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार ने न केवल संविधान के अनुच्छेद 312 को नकारा है, जो यूपीएससी को अधिकार देता है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह केस के निर्देशों को भी रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।

मरांडी ने लिखा है, हेमंत सोरेन जी अब शायद खुद को सर्वोच्च न्यायालय से भी ऊपर मान बैठे हैं और प्रशासन को नीचे, बहुत नीचे गिरा दिया है। आज झारखंड वहां पहुंच चुका है, जहां जेपीएससी की हर कुर्सी बोली पर बिक रही है और यूपीएससी से चयनित अधिकारियों को भी 'रेट लिस्ट' से होकर गुजरना पड़ता है। हेमंत जी, आपने तो एक क्रांतिकारी प्रयोग कर डाला 'योग्यता नहीं, सुविधा शुल्क आधारित प्रशासन।'

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है, जो परंपरा आपने शुरू की है, वो न सिर्फ सरकारी व्यवस्था की विश्वसनीयता का अंतिम संस्कार कर रही है, बल्कि आने वाले वर्षों में झारखंड के प्रशासनिक ढांचे के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी।

वहीं, दूसरी ओर बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने पलटवार करते हुए महज कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस और कई आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाकर ध्वस्त किया। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को पूरी दुनिया सलाम कर रही है। भारत, आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने के अपने संकल्प पर अडिग है।

## खाद्यान्न का भंडारण एक साथ किए जाने को लेकर बैठक

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत की अध्यक्षता में रविवार को समाहरणालय सभागार में सभी पणन पदाधिकारी, अनुभाजन क्षेत्र, सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, सभी सहायक गोदाम प्रबंधक, जिला परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता जीफेससी के साथ संबंधित कार्यो की समीक्षा रविवार को की गई।

बैठक में माह मई के आवंटित खाद्यान्न का शत प्रतिशत लाभुकों के बीच वितरण का निर्देश दिया गया। बैठक में माह जून और जुलाई के लिए आवंटित खाद्यान्न का एक साथ अग्रिम लाभुकों के बीच वितरण का निर्देश दिया गया।

उक्त आवंटित खाद्यान्न युद्ध स्तर पर भारतीय खाद्य निगम डीपो से प्राप्त कर अधिक से अधिक वाहनों का प्रयोग कर परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता को जल्द से जल्द जन वितरण प्रणाली की दुकानों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि जिन जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को खाद्यान्न प्राप्त हो चुका है। उसे शत प्रतिशत लाभुकों के बीच वितरण करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही कहा गया कि किसी भी अनियमितता के लिए संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## मोरहाबादी चौपाल में हुई 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा

### कहा गया- हमने कड़ा संदेश दिया, भारत अब चुप नहीं बैठेगा

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** 'ऑपरेशन सिंदूर', उसके बाद दुश्मन देश द्वारा आक्रमण, भारतीय सेना के शौर्य के सामने दुश्मनों के घुटने टेकना और शनिवार की शाम 05:00 बजे युद्धविराम रविवार को आयोजित मोरहाबादी की चौपाल में चर्चा का विषय रहा। चौपाल में कहा गया कि हाल ही में भारत सरकार द्वारा लिए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के निर्णय ने पूरे देश को एकजुट कर दिया। यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि उन भावनाओं की प्रतिध्वनि थी, जो हर भारतीय के मन में उस समय उमड़ पड़ी थी, जब हमारे देश पर हमला हुआ। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत हमारी सेना ने साहस और रणनीति के साथ दुश्मन के क्षेत्र में घुसकर एक कड़ा संदेश दिया कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा।

चौपाल में कहा गया कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने अपने शहीदों का सम्मान किया है। देशवासियों को न्याय का भरोसा दिलाया है और यह भी सिद्ध किया कि हमारी सैन्य क्षमता किसी से कम नहीं है। इस ऑपरेशन में कई रणनीतिक ठिकानों को नष्ट किया गया, जिससे दुश्मन को गहरा झटका लगा। कहा गया कि इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो बदला एक हद तक पूरा हुआ।

शनिवार की शाम 5:00 बजे युद्धविराम की घोषणा हुई। यह फैसला कुछ लोगों के लिए राहत भरी थी, तो कुछ के लिए अधूरी संतुष्टि। युद्धविराम के तुरंत बाद भी पाकिस्तान द्वारा की गई हरकतें यह बताती हैं कि शांति की पहल को कमजोरी समझना उसकी पुरानी आदत है। ऐसे में यह आवश्यक है कि युद्धविराम केवल एक रणनीतिक विराम हो, न कि स्थायी समाधान मान लिया जाए।

चौपाल में चर्चा हुई कि एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि युद्ध रुकना नहीं चाहिए था। उनका कहना है कि पाकिस्तान को पूरी तरह कुचल देना आवश्यक था, ताकि वह भविष्य में कोई दुस्साहस न कर सके। वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग संतुष्ट हैं। उनका कहना है कि हमने अपनी ओर से जवाब दे दिया, शौर्य दिखाया, और अब शांति ही सर्वोत्तम मार्ग है।

## जमीन विवाद मामले की जांच करने पहुंचीं एनसीएसटी सदस्य आशा लकड़ा

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में मुस्लिम समुदाय के लोगों पर आदिवासी जमीन को कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगा है। जिसकी शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में की गई शिकायत मिलने पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग रेस हुई और आयोग की सदस्या आशा लकड़ा जांच के लिए मौके पर पहुंची। जहां पहुंच कर मामला कुछ और ही देखने को मिला. पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस जमीन की लड़ाई चल रही है वह कुल 6 भाई है जिसमे 5 भाइयों ने अपनी अपनी जमीनों पर घर बना लिया लेकिन पांचों मिलकर एक को एक रूम बनाने नहीं दे रहे थे। वहीं मामले में हालात को समझते हुए आशा लकड़ा ने पीड़ित के पक्ष में फैसला किया। मौके पर हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी सहित कोतवाली डीएसपी भी मौजूद हैं।

# ईडी की जांच में जमीन पर दावे से संबंधित दस्तावेज फर्जी निकले

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में बोकारो की 133.64 एकड़ जमीन पर दावेदारी से संबंधित दस्तावेज फर्जी पायी गयी है। ईडी के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सर्वे के दौरान जब्त किये गये दस्तावेज और अधिकारियों से हुई पूछताछ के दौरान पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से वर्ष 1933 में जारी डीड संख्या 191 को फर्जी पाया गया। इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन ने इस जमीन पर अपने पूर्वजों द्वारा ब्रिटिश राज के दौरान नीलामी में खरीदे जाने का दावा किया गया था। इसमें से अब तक 74 एकड़ से अधिक जमीन बिक चुकी है। जिला प्रशासन की ओर से जारी जांच के दौरान भी पुरूलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में नीलामी से जुड़े दस्तावेज के नहीं होने की लिखित सूचना दी थी।

इजहार हुसैन ने बोकारो जिले के चास अंचल की जमीन पर अपना दावा पेश करने के लिए दो दस्तावेज का सहारा लिया था। इसमें पहला दस्तावेज पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय से जारी डीड संख्या 191 और दूसरा दस्तावेज समीर महतो का वसीयतनामा था। पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से जारी सेल डीड संख्या 191 में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने यह तेतुलिया की 133.64 एकड़ जमीन वर्ष 1933 में नीलामी में खरीदी। वर्ष 2010 में समीर महतो के वसीयतनामा में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने अपने बेरोजगार पोता इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को नीलामी में खरीदी गयी 133.64 एकड़ जमीन देने का फैसला किया।

इजहार हुसैन ने इस दस्तावेज के सहारे जमीन पर अपना दावा पेश किया। चास के तत्कालीन अंचल अधिकारी निर्मल टोप्पो ने इसे स्वीकार करते हुए इजहार और अख्तर हुसैन के नाम पर म्यूटेशन कर दिया। इस गड़बड़ी के आरोप में निर्मल टोप्पो बर्खास्त हो चुके हैं। ईडी ने बोकारो जिले में हुई इस जमीन घोटाले की जांच के दौरान जमीन की खरीद बिक्री करने वालों के अलावा जमीन खरीदने के लिए फंडिंग करने वालों के ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान बांका के बीर अग्रवाल के ठिकाने से 1.30 करोड़ रुपये जब्त किये गये। राजबीर कंस्ट्रक्शन के निदेशक को जमीन खरीदने के लिए फंड उपलब्ध कराने की पुष्टि हुई।

## पेज एक के शेष

### यदि संघर्ष विराम तोड़ा...

सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के किसी भी उल्लंघन के मामले में जवाबी कार्रवाई के लिए हमारे सेना कमांडर को पूर्ण अधिकार दिए हैं। उन्होंने बताया कि संघर्ष विराम का फैसला भले हो गया हो, लेकिन सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेनाओं को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं। इस ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर किए गए हैं, जिनमें तीन बड़े आतंकी भी हैं। एलओसी (लाइन ऑफ कंट्रोल) पर गोलाबारी में करीब 40 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए गए। भारतीय वायु सेना ने हमला करके पाकिस्तान के कई एयरबेस और थल सेना प्रतिष्ठान तबाह किए हैं। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 अफसरों-जवानों की मौत हुई है। बॉर्डर व एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हमले में भारतीय वायु सेना के किसी एयरबेस को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, जबकि भारतीय वायु सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी हमले नाकाम किए। वायु सेना ने पाकिस्तान के तीन एयर डिफेंस सिस्टम बर्बाद किए और दो एयरबेस का रनवे तबाह किया है। थल सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष लोगों की हत्या किए जाने के बाद आतंक के षड्यंत्रकारियों को दंडित करने और उनके आतंकी ढांचे को नष्ट करने के स्पष्ट सैन्य उद्देश्य के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करके नागरिक आबादी वाले गांवों और गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों पर गोलीबारी की, जिसमें हमारे नागरिक क्षेत्रों में कई लोगों की दुखद मृत्यु हुई।

डीजीएमओ घई ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों और उनके ढांचे को नेस्तनाबूद करके पहलगाम आतंकी हमले का जवाब दिया है। भारतीय वायु सेना ने आतंकी शिविरों पर हमला करने में भूमिका निभाई और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए। भारतीय वायु सेना ने चिह्नित किए गए सभी नौ आतंकी ठिकानों को सटीक निशाना लगाकर उन्हें बर्बाद किया। इस ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर किए गए हैं, जिनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदासिर अहमद भी शामिल हैं, जो आईसी-814 के अपहरण और पुलवामा विस्फोट में शामिल थे। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि 9-10 मई की रात को पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान उड़ाए और कई सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के बड़े पैमाने पर प्रयास किए, लेकिन भारतीय वायु सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी हमले नाकाम किए। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने बताया है कि 7 से 10 मई के बीच नियंत्रण रेखा पर तोपखाने और छोटे हथियारों से गोलीबारी में लगभग 35 से 40 लोग मारे गए हैं। हमने भारतीय वायु सेना के साथ एक एकीकृत ग्रिड स्थापित करने के लिए वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक परिसंपत्तियों की तैनाती जैसे कुछ उपाय भी किए। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि हमने भूमि, समुद्र और वायु क्षेत्रों में अपने बलों की आवाजाही को शामिल करने के लिए तैनाती भी की। 9-10 मई की रात को ड्रोन और विमानों की घुसपैठ देखी गई और इस बार हवाई क्षेत्रों और कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन एकीकृत भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणाली ने कुशलता से इसे विफल कर दिया। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि 8 और 9 की रात 10:30 बजे से ही हमारे शहरों पर ड्रोन, मानव रहित हवाई वाहनों का व्यापक हमला हुआ, जो श्रीनगर से शुरू होकर नलिया तक गया, लेकिन हम तैयार थे। हमारी हवाई रक्षा तैयारियों ने सुनिश्चित किया कि दुश्मन के किसी भी लक्ष्य को कोई नुकसान न पहुंचे। इसके जवाब में हमने एक बार फिर लाहौर और गुजरांवाला में सैन्य प्रतिष्ठानों, निगरानी रडार साइटों को निशाना बनाया। इसके बावजूद ड्रोन हमले सुबह तक जारी रहे, जिनका हमने जवाब दिया। यह ड्रोन हमले लाहौर के नजदीक कहीं से किए जा रहे थे। इसी बीच दुश्मन ने अपने नागरिक विमानों को भी लाहौर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी थी, इसलिए हमें हवाई हमले करने में अत्यधिक सावधानी बरतनी पड़ी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया, हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो। हमने उनके एयरबेस कमांड सिस्टम, मिलिट्री एयरबेस पर हमला किया। चकलाला, रफीकी, शहरयार खान में हमला किया। हमने उन्हें कहा कि आक्रामकता को माफ नहीं किया जाएगा। हमारे पास उनके हर बेस पर हर सिस्टम को निशाना बनाने की क्षमता है। एयर मार्शल भारती ने मुरीदके और बहावलपुर आतंकी शिविर पर मिसाइल के प्रभाव का विस्तृत वीडियो दिखाया।

### सैटेलाइट इमेज में दिख...

तबाह हो गया है, जबकि एटीसी बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचने का संदेह है। कावास्पेस द्वारा अलग-अलग तस्वीरों में पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर हुए नुकसान को दर्शाया गया है। तस्वीर के अनुसार, एक हैंगर क्षतिग्रस्त दिख रहा है, जिसमें मलबा और संरचनात्मक क्षति दिखाई दे रही है। पाकिस्तानी एयरबेस पर तबाही की सैटेलाइट तस्वीरें एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर ने शेयर की हैं। ज्ञात हो कि इन एयरबेस पर भारत के समन्वित और सटीक हमलों ने पाकिस्तान की हवाई क्षमताओं को रणनीतिक रूप से ध्वस्त कर दिया। इसने न केवल पाकिस्तान की लड़ने की क्षमता खत्म कर दी, बल्कि उसे आगे की आक्रामकता के बारे में सोचने से भी रोक दिया। पाकिस्तान के एयरबेस के विनाश ने यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि भारत के खिलाफ उकसावे या आक्रामकता की कोई भी कार्रवाई उसके लिए विनाशकारी साबित होगी।

### सेना प्रमुख ने की....

पाकिस्तान से लगी पश्चिमी सीमाओं के सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संघर्ष विराम और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन पर सेना कमांडरों को जवाबी कार्रवाई के पूर्ण अधिकार दिए हैं। भारत-पाक संघर्ष विराम की घोषणा शनिवार शाम में हुई थी। बाद में रक्षा मंत्रालय की ओर से बताया गया कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) के बीच सहमति बनी कि दोनों पक्ष भारतीय मानक समय अनुसार 17:00 बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। दोनों पक्षों को इस सहमति को लागू करने के निर्देश दिए गए। इसी के बाद 10-11 मई की रात को सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने पश्चिमी सीमाओं के सेना कमांडरों के साथ वर्चुअल वार्ता करके सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सीओएएस ने सेना कमांडरों को 10 मई की डीजीएमओ वार्ता के माध्यम से बनी सहमति के उल्लंघन पर जवाबी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

### दीपिका ने महिला...

निर्णायक सेट में अंतिम शॉट 7 के कारण वह 4-6 से पिछड़ गए। कांस्य मैच में, वह फिर से 4-4 से अंतिम सेट में प्रवेश किया, लेकिन लगातार 10 के साथ जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। उनकी जीत ने फ्लोरिडा विश्व कप में धीरज के कांस्य के बाद पुरुष रिकर्व में भारत का दूसरा लगातार पदक दर्ज किया। रिकर्व स्पधार्ओं में इन दो कांस्य पदकों के साथ, भारत ने शंघाई विश्व कप में कुल सात पदक जीते हैं, जिसमें 2 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं।

## वनवासी कल्याण केंद्र ने सरकार से की मांग, जल्द हो पेसा कानून लागू

**रांची।** वनवासी कल्याण केंद्र के राज्य संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि जनजातीय समाज को ध्यान में रख कर झारखंड अलग राज्य बना है। उन्होंने कहा कि 1996 में एक कानून बना है। इसके तहत जनजाति सामाज के जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने का अधिकार दिया है। उरांव रांची प्रेस क्लब में रविवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत जनजाति समाज की सभ्यता और संस्कृति को ध्यान में रखकर विकास करना, उसके धार्मिक व्यवस्था के तहत शासन और प्रशासन का नियंत्रण करना है। लेकिन झारखंड में अब तक इस कानून को लागू नहीं किया गया है। वनवासी कल्याण केंद्र राज्य सरकार से मांग करती कि जल्द हो पेसा कानून लागू करें। उरांव ने कहा कि 2024 में कल्याण आश्रम ने पेसा कानून को लेकर एक ड्राफ्टिंग की गई थी।

## नगड़ी के दलादली में टायर दुकान में लगी भीषण आग

● घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** राजधानी रांची के नगड़ी क्षेत्र के दलादली टीओपी के पास रविवार को टायर दुकान में भीषण आग लग गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के लोगों के सहयोग से आग बुझाने की कोशिश की। आग नहीं बुझता देख मामले की जानकारी अग्निशमन टीम को दी गई। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। टायर दुकान में आग लगने से कितने का नुकसान हुआ है, इसका फिलहाल आकलन नहीं हुआ है। हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि लाखों का नुकसान हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है।

# आईपीएल के फिर से शुरू होने की है संभावना

**एजेंसी। नई दिल्ली**

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी दस आईपीएल फ्रेंचाइजी को मंगलवार तक एकत्रित होने को कहा है, क्योंकि टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की संभावना है। भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (2025) को एक हफ्ते के लिए स्थगित करना पड़ा था। हालांकि अब दोनों देशों के बीच हुए सीजफायर के बाद आईपीएल जल्द शुरू हो सकता है। इंडिया टुडे को सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आईपीएल दोबारा 16 या 17 मई को शुरू हो सकता है। इसके लिए नया शेड्यूल जल्द जारी होगा।

**● 4 वेन्यू पर हो सकते हैं मैच**

आईपीएल 2025 के बाकी मैच अब 4 वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। इसकी शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के बीच मुकाबले से हो सकती है, जो लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जा सकता है. सूत्र ने कहा कि बीसीसीआई ने सभी हितधारकों को इसके बारे में सूचित कर दिया है और टीमें अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुला रही हैं. हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मुकाबला हो सकता है. जबकि कोलकाता में क्वालिफायर-2 के अलावा फाइनल आयोजित हो सकता है. फाइनल 30 मई या 1 जून को होने की संभावना है. अगर मौसम खराब रहता है तो कोलकाता की जगह अहमदाबाद में मुकाबले हो सकते हैं।

## न्यूज बॉक्स

### इंग्लैंड दौरे पर होगी अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत : सिद्धू

**नई दिल्ली।** पूर्व भारतीय बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के इरादे पर सवाल उठाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के करीबी सूत्रों के अनुसार, 36 वर्षीय इस दिग्गज खिलाड़ी ने हाल ही में खेल के सबसे लंबे प्रारूप को छोड़ने की मंशा जाहिर की थी। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि कोहली से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए आग्रह किया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया सर्कल इंग्लैंड दौरे से शुरू हो रहा है। सिद्धू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। एक वीडियो में उन्होंने कहा, "विराट कोहली के संन्यास लेने के फैसले ने पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। उनका इरादा सही है, उनका उद्देश्य नेक है। लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।

### सिनर ने डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए इटैलियन ओपन में जीत हासिल की

**रोम।** शीर्ष वरीयता प्राप्त और वर्तमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर ने शनिवार को एटीपी इटैलियन ओपन के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर अपने वापसी मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की।इस साल फरवरी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ मामले के समाधान समझौते के बाद सजा स्वीकार करने के बाद इतालवी ने अपने दो डोपिंग अपराधों के लिए तीन महीने का प्रतिबंध लगाया था। मार्च 2024 में उनका क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सिनर का डोपिंग प्रतिबंध आधिकारिक तौर पर 5 मई को समाप्त हो गया। रोम में शीर्ष वरीयता प्राप्त होने के कारण, उन्हें पहले दौर में बाई मिली और उन्होंने इस सीजन में क्ले पर अपनी शुरुआत की। शुरुआती सेट में, सिनर ने पहले छह गेम में 4-2 की बढ़त बनाई। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने अगले दो गेम में लगातार चार अंक जीतकर अपनी सर्विस को बनाए रखा, इससे पहले सिनर ने नौवें गेम में अपनी बढ़त को मजबूत करते हुए सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया।

### बायर्न ने मुलर के विदाई मैच में 2-0 की जीत के साथ जीता खिताब

**बर्लिन।** बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को लाल रंग में थॉमस मुलर के अंतिम मैच को चिह्नित करने वाली एक भावनात्मक रात में 33वें दौर के मैच में बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक पर 2-0 की घरेलू जीत के साथ बुंदेसलीगा खिताब के जश्न को सील कर दिया। सभी की निगाहें मुलर पर थीं क्योंकि उन्होंने एलियांज एरिना में अपनी 750वीं और अंतिम उपस्थिति के लिए टीम का नेतृत्व किया। अनुभवी, जिन्होंने क्लब के साथ 13 बुंदेसलीगा खिताब और दो चैंपियंस लीग जीते हैं, को जोरदार तालियाँ मिलीं और प्रशंसक कोरियोग्राफी के साथ सम्मानित किया गया। एक शांत शुरुआत के बाद, माइकल ओलिस ने 31वें मिनट में बायर्न को जीवंत कर दिया। दाईं ओर से अंदर की ओर बढ़ते हुए, उन्होंने हैरी केन के लिए मोनचेंग्लाडबैक गोलकीपर जोनास ओमलिन को चकमा देते हुए एक शॉट मारा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, केन का यह इस सत्र का 25वां गोल था, जिससे वह अपने पहले दो बुंदेसलीगा अभियानों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले बायर्न खिलाड़ी बन गए।

### पंकज आडवाणी बॉल्क्लाइन स्नूकर फाइनल में, इशप्रीत चड्ढा से भिड़ेंगे

**मुंबई।** कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने शनिवार को यहां एनएससीआई डोम में 32 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले एनएससीआई बॉल्क्लाइन 4.0 अखिल भारतीय स्नूकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हिमांशु जैन को 8-2 से हराकर 5 लाख रुपये की विजेता राशि के लिए खुद को तैयार कर लिया। आडवाणी ने तीन शतक से अधिक ब्रेक के साथ मैच पर अपना दबदबा बनाया, जिसमें पराजित जैन ने दो फ्रेम अपने नाम किए। आडवाणी सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक के लिए शहर में हैं, जिसमें उन्होंने ध्रुव सिटवाला के खिलाफ जीत हासिल की और वर्ली में स्नूकर इवेंट में अभी तक किसी दबाव में नहीं आए हैं। बेस्ट ऑफ 13 फ्रेम नॉक-आउट मैच में, आडवाणी ने अंतिम चार फ्रेम में 63, 82, 57 और 60 के हाई ब्रेक के साथ शानदार फॉर्म दिखाया और शुक्रवार को एनएससीआई डोम में शानदार जीत दर्ज की।

## प्रीति जिंटा दर्शकों का आभार व्यक्त किया

**एजेंसी। मुंबई**

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने पड़ोसी शहरों जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद धर्मशाला से सभी की सुरक्षित विदाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।
'वीर जारा' की अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, "पिछले कुछ दिनों की उथल-पुथल के बाद आखिरकार घर वापस आ गई हूं। भारतीय रेलवे और हमारे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दोनों आईपीएल टीमों और सभी अधिकारियों और परिवारों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक तरीके से धर्मशाला से बाहर निकालने में मदद करने के लिए दिल से धन्यवाद।"
दिवा ने अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा, "धर्मशाला में हमारे स्टेडियम को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से खाली कराने में मदद करने के लिए जय शाह, अरुण धूमल, बीसीसीआई और हमारे सीईओ सतीश मेनन और पंजाब किंग्स आईपीएल की संचालन टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। सब कुछ बहुत अच्छे से संभाला गया। "प्रीति ने मैच देखने आए लोगों की भी सराहना की, जिन्होंने निकासी प्रक्रिया के दौरान शांत रहकर मैच देखा।

### ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का निधन

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का रविवार को 84 वर्ष की उम्र में बीमारी से लड़ते हुए निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी डेल और बेटियां ओलिविया और सेरा हैं। काउपर एक बेहद प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। वह अपनी आकर्षक बल्लेबाजी, धैर्य और बड़ी पारियां खेलने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उनके करियर का सबसे यादगार पल 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेली गई 307 रनों की पारी थी। यह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट का पहला तिहरा शतक था और इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने पास बरकरार रखी थी।

## स्मृति के 116 रनों की बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ बनाये 342/7

**एजेंसी। कोलंबो**

उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने 101 गेंदों पर शानदार 116 रन बनाकर भारतीय बल्लेबाजी का नेतृत्व किया और रविवार को आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में मेहमान टीम को 50 ओवरों में 342/7 का विशाल स्कोर बनाने में मदद की।

शुरुआत में धीमी पिच पर जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी, बल्लेबाजी के लिए बेहतर होती गई, स्मृति ने भारत के लिए शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना 11वां वनडे शतक लगाया और अपने स्ट्रोक-प्ले में शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों की बदौलत भारत ने श्रीलंका में महिला वनडे मैच में सबसे बड़ा स्कोर बनाया।
इनोका रानावीरा की गेंद पर 21 रन पर जीवनदान मिलने के बाद स्मृति ने अपनी पारी में कोई गलती नहीं की और 31वें ओवर में कप्तान चामरी अथापथु की गेंदों पर लगातार तीन चौकों की मदद से 92 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक लगाने वाली स्मृति को इस तथ्य से भी मदद मिली कि अन्य शीर्ष छह भारतीय बल्लेबाजों में से प्रत्येक ने 30 रन या उससे अधिक रन बनाए। उन्होंने प्रतीक रावल (30) के साथ पहले विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की और फिर हरलीन देओल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने क्रमशः 41 और 44 रन बनाए, इसके बाद दीप्ति शर्मा (नाबाद 20) और अमनजोत कौर (18) की शानदार पारियों की बदौलत भारत 340 रन के पार पहुंचा। श्रीलंका के लिए यह दिन गेंद और फील्डिंग के लिहाज से भूलने लायक रहा, क्योंकि वे बीच के ओवरों में भारतीय स्कोरिंग रेट को कम रखने में असमर्थ रहे।

## चोटिल हेजलवुड का फिर से आईपीएल में खेलना संदिग्ध

**नई दिल्ली।** चूंकि बीसीसीआई सीमा पार तनाव के कारण अस्थायी निलंबन के बाद आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है, इसलिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना ही सीजन पूरा करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज, जो पहले से ही कंधे की चोट से जूझ रहे थे, 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मुकाबले से चूक गए थे और 9 मई को टूर्नामेंट रोक दिए जाने से पहले उनके अगले मैच के लिए भी खेलना अनिश्चित था। अब, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के साथ, आईपीएल के लिए उनका भारत लौटना असंभव सा लग रहा है।

## उंगली की चोट से उबर रहे हैं आरसीबी के कप्तान

**बेंगलुरु।** रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार इस समय उंगली की चोट से उबर रहे हैं। अगर आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित न किया गया होता, तो वह कम से कम दो मैचों से बाहर रहते। टूर्नामेंट के अस्थायी रूप से निलंबित होने के कारण उन्हें बिना कोई मैच गंवाए कम से कम एक सप्ताह का समय मिल गया है। पाटीदार को 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

# व्यापार/लाइफ व साइंस

## एक हफ्ते में 2,400 रुपए से अधिक महंगा हुआ सोना, चांदी में भी रही तेजी

**नई दिल्ली।** सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में 2,400 रुपए और चांदी की कीमत में 1,600 रुपए प्रति किलो से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि 3 मई को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो सोने के दाम में 2,462 रुपए की वृद्धि को दिखाता है। 22 कैरेट के सोने का भाव बढ़कर 94,100 रुपए प्रति 10 ग्राम, 20 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 85,810 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट के सोने का दाम बढ़कर 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अतिरिक्त चांदी की कीमतों में भी 1,601 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक किलो चांदी का दाम बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि 3 मई को 94,125 रुपए प्रति किलो पर था। घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। सोने की कीमत बढ़कर 3,344 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है, जो कि इस हफ्ते की शुरुआत में 3,246 डॉलर प्रति औंस पर थी।

### एफपीआई का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा बढ़ा

**मुंबई।** विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कायम है और वे मई में अब तक 14,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश कर चुके हैं। इसकी वजह देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और सकारात्मक वैश्विक संकेतों को माना जा रहा है। एफपीआई की ओर से ऐसे समय पर देश में निवेश बढ़ाया जा रहा है।

### सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य

**नई दिल्ली।** दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने रविवार को कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हैं और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण सिक्योरिटी चेक प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी कि वे उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले पहुंच जाएं जिससे सिक्योरिटी चेकप्वाइंट पर संभावित देरी से बचा जा सके। एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर अनवेरिफाइड कंटेंट साझा करने से बचें।

## आने वाले समय में चीन से बेहतर प्रदर्शन करेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : जिम रोजर्स

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिग्गज वैश्विक निवेशक जिम रोजर्स ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अच्छा निवेश स्थान बनने की ओर आगे बढ़ रहा है और इसकी तुलना चीन से जरूर की जाएगी। साथ ही कहा कि आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन चीन से भी अच्छा हो सकता है।
समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत में जिम रोजर्स ने कहा, "मैं दशकों से निवेश की दुनिया से जुड़ा रहा हूं और अपने जीवन में पहली बार मैंने दिल्ली को इस तरह से अर्थशास्त्र को समझते देखा है।" अमेरिकी निवेशक ने आगे कहा, "भारत फिर से उभर रहा है। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोग समझते हैं कि क्या किया जाना चाहिए और वे सही चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं। यह भारत और दुनिया के लिए बहुत अच्छा होगा। अगर भारत वास्तव में खुल सकता है और पूरी दुनिया के साथ व्यापार कर सकता है तो आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि भविष्य में भारत कितना आकर्षक स्थान हो सकता है।"समाचार एजेंसी आईएएनएस बातचीत करते हुए रोजर्स ने कहा, "फिलहाल भारत में मेरा कोई निवेश नहीं है, लेकिन मैं सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में और अधिक निवेश करना चाहता हूं।"
उन्होंने यह भी कहा कि अगर बाजार नीचे चला जाता है और कुछ समय तक नीचे ही रहता है, तो मैं भारत में पैसा लगाना चाहूंगा।
आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2025 में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस दौरान देश की जीडीपी का आकार बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगा।

## देश की शीर्ष 10 में आठ कंपनियों का मार्केटकैप 1.6 लाख करोड़ रुपए घटा

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते हफ्ते 1,60,314.48 करोड़ रुपए की कमी दर्ज की गई। इसमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ है। टॉप 10 में जिन कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कमी देखने को मिली, उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और आईटीसी शामिल हैं। इस दौरान केवल इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में ही बढ़त देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 59,799.34 करोड़ रुपए घटकर 18,64,436.42 करोड़ रुपए रह गया है। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,185.36 करोड़ रुपए घटकर 9,90,015.33 करोड़ रुपए रह गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 27,062.52 करोड़ रुपए घटकर 14,46,294.43 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 18,429.34 करोड़ रुपए घटकर 6,95,584.89 करोड़ रुपए हो गया है। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 13,798.85 करोड़ रुपए घटकर 5,36,927.95 करोड़ रुपए रह गया है। आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 8,321.89 करोड़ रुपए घटकर 5,29,972.97 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 2,138.29 करोड़ रुपए

**बीते तीन-चार दिनों में दिखी भारतीय टेक्नोलॉजी की ताकत**

## आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा देश: केंद्रीय मंत्री

**नई दिल्ली।** केंद्रीय साइंस और टेक्नोलॉजी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि बीते तीन-चार दिनों में भारतीय टेक्नोलॉजी की ताकत सभी ने देखी और देश तेजी से इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। नेशनल टेक्नोलॉजी डे के मौके पर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह दिन पोखरण परमाणु बम टेस्ट की सफलता के तौर पर याद किया जाता है। 11 मई को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' के रूप में घोषित किया था। उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकल में बीते एक दशक में देश में साइंस टेक्नोलॉजी इनोवेशन काफी आगे बढ़ गया है। बीते तीन-चार दिनों में जो भी टेक्नोलॉजी आपने देखी है, उनमें से ज्यादातर का अधिग्रहण 2014 के बाद किया गया है।" केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, "इस कारण मेरा मानना है कि 27 साल पहले नेशनल टेक्नोलॉजी डे की शुरुआत के समय जो संकल्पना की गई थी, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले एक दशक में सही साबित किया है।" केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने टेक्नोलॉजी और साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन के सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करने का फैसला लिया है। इसके जरिए हमारा उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञों और इन संस्थानों में काम करने वाले अन्य लोगों को आश्वस्त करना है कि हम उनके संपर्क में हैं। सीमा सटे जम्मू और कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान और गुजरात के उत्तर-पश्चिम इलाकों में मौजूद टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है। इसके मंत्री जितेंद्र सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों और साइंटिफिक एवं टेक्निकल विभागों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक बुलाई थी। विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, लद्दाख और भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में रिसर्च और साइंटिफिक सुविधाओं की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा पर था।